राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 दक्षिण अफ्रीका के साथ घरेलू श्रृंखला के लिए भारतीय महिला टीम ...

पोर्न स्टार केस- ट्रम्प सभी 34 मामलों में दोषी ... 12

वर्ष : 15 | अंक : 51 | नई दिल्ली, शनिवार,01 जून, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां 30%
नहीं 50%
कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 59,340

चांदी 55,350

सेंसेक्स 63,327

निफ्टी 18,816

संक्षिप्त खबरें

एग्जिट पोल बहस में हिस्सा नहीं लेगी कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने कल टीवी चैनल्स पर होने वाले एग्जिट पोल के डिबेट से खुद को बाहर रखने का फैसला लिया है। इसकी जानकारी पार्टी के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस टीवी पर एग्जिट पोल की बहस में हिस्सा नहीं लेगी क्योंकि वह इन अटकलों, अनुमानों और कयासों में शामिल नहीं होना चाहती। पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसे लेकर एक पोस्ट शेयर की है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं ने अपने मत दे दिया है एवं मतदान के परिणाम मशीनों में बंद हो चुके हैं। और 4 जून को परिणाम सबके सामने होंगे। कांग्रेस की नजरों में परिणाम घोषित होने से पहले किसी भी तरह के सार्वजनिक अनुमान लगा कर घमासान में भाग ले कर टीआरपी के खेल का कोई औचित्य नहीं है।

पुंछ में आतंकियों की तलाश में सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन

पुंछ। पुंछ जिले के मारहा बफ्लियाज क्षेत्र में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ के बाद आतंकवादियों को ट्रैक करने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया गया है। एक अधिकारी के अनुसार गुरुवार देर रात को क्षेत्र में कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सुरक्षा बलों को विशिष्ट इनपुट मिला था। इसके बाद डीकेजी के पास मार्हा बफ्लियाज के सामान्य क्षेत्र में पुलिस और सेना ने एक तलाशी अभियान शुरू किया। सुरक्षा बल जब आतंकियों के ठिकाने के पास पहुंचे तो आतंकियों ने उन पर फायरिंग कर दी।

अमेठी में सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन बच्चों की मौत

अमेठी। उत्तर प्रदेश में अमेठी के कमरौली क्षेत्र में शुक्रवार सुबह लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक बेकाबू ट्रेलर की चपेट में आने से कार सवार एक ही परिवार के तीन बच्चों की मौत हो गयी। ट्रेलर की टक्कर से आधा दर्जन से अधिक गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई। घटना में एक कार पर ट्रेलर चढ़ गया जिसमे सवार तीन बच्चों की मौत हो गई और एक अन्य बच्चा घायल हो गया। यह हादसा उस समय हुआ दर्जनो वाहन बंद रेलवे क्रासिंग के खुलने का इंतजार कर रहे थे कि एक तेज रफ्तार ट्रेलर से चालक ने नियंत्रण खो दिया और उसने दर्जनों वाहनो को चपेट में ले लिया। उन्होने बताया कि लखनऊ वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर बेकाबू ट्रेलर कई गाड़ियों को रौदते हुए आगे बढ़ गया।।

इनामी कुख्यात अपराधी प्रमोद यादव मुठभेड़ में ढेर

पटना। बिहार एसटीएफ और मधेपुरा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में शुक्रवार को तीन लाख रुपये का इनामी कुख्यात वांछित अपराधी प्रमोद यादव, पिता दिवंगत जयनारायण यादव पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। मधेपुरा जिले के बिहारीगंज थाना क्षेत्र के हथिऔंधा सिन्दुरिया टोला निवासी प्रमोद यादव का काफी लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। उस पर पूर्णिया, कटिहार, मधेपुरा और कटिहार रेल जिले के विभिन्न थानों में 20 से भी अधिक मामले दर्ज हैं। उनमें हत्या, डकैती, रंगदारी, लूट, आर्म्स एक्ट और पुलिस पर हमला जैसे कई गंभीर अपराध शामिल हैं। साथ ही रांची के कुख्यात गैंगस्टर अमन साहू से उसका सीधा संबंध था और उसके गुर्गों को वह पनाह देता था।

लोस चुनाव : सातवें व अंतिम चरण के मतदान के लिए सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था

बिहार की आठ सहित 57 संसदीय सीटों पर मतदान आज, तैयारियां पूरी

पीएम मोदी सहित कई सियासी दिग्गजों की साख दाव पर

प्रात : किरण

पटना/नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के सातवें व अंतिम चरण में बिहार की आठ सीटों सहित आठ राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की 57 संसदीय सीटों पर आज मतदान होगा। निर्वाचन आयोग के मुताबिक मतदान की तैयारी पूरी कर ली गई है। आखिरी चरण में नालंदा, पटना साहिब, पाटलिपुत्रा, आरा, बक्सर, सासाराम, काराकाट और जहानाबाद लोकसभा क्षेत्रों में आज वोटिंग होगी। अंतिम चरण में पटना साहिब से पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद, आरा से केंद्रीय उर्जा मंत्री आरके सिंह, काराकाट से पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा, पाटलिपुत्र से पूर्व केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव और राजद की मीसा भारती प्रमुख हैं। सातवें चरण में लोकसभा चुनाव में आठ सीटों पर 134 प्रत्याशी मैदान में हैं। इसमें 12 महिला प्रत्याशी भी शामिल हैं। सातवें चरण में प्रत्याशियों की संख्या के अनुसार नालंदा लोकसभा क्षेत्र में सर्वाधिक 29 प्रत्याशी चुनावी मैदान में डटे हैं। दूसरे स्थान पर पाटलिपुत्रा लोकसभा क्षेत्र हैं, जहां पर 22 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। सातवें चरण में पटना साहिब में 17 प्रत्याशियों के बीच मुकाबला है। इसके अलावा जहानाबाद में 15 प्रत्याशी, आरा लोकसभा में 14 प्रत्याशी, बक्सर में 14 प्रत्याशी, काराकाट में 13 प्रत्याशी और सासाराम लोकसभा क्षेत्र में 10 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं।

एक करोड़ 62 लाख से अधिक मतदाता : सातवें चरण में एक करोड़ 62 लाख से अधिक मतदाता हैं। इसमें 85 लाख एक हजार 620 पुरुष मतदाता जबकि 77 लाख दो हजार 559 महिला मतदाता जबकि 415 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। सातवें चरण में 100 वर्ष से अधिक उम्र वाले वोटरों की संख्या 4331 है जबकि सर्विस वोटर 65158 है। इस चरण में पहली बार दो लाख 23 हजार 863 मतदाताओं को वोट डालने का मौका मिलेगा। सातवें चरण के मतदान के लिए कुल 16634 बूथों की स्थापना की गयी है जिसमें 3885 बूथ शहरी क्षेत्र में जबकि 12749 बूथ ग्रामीण इलाकों में स्थापित किये गये हैं। इस चरण में 146 बूथों का संचालन महिलाओं द्वारा किया जायेगा जबकि 56 बूथों का संचालन दिव्यांग कर्मियों द्वारा किया जायेगा।

मतदाताओं से मतदान करने की अपील : चुनाव आयोग ने मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिये मतदाता जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किये हैं। साथ ही मुख्य चुनाव अधिकारियों एवं जिला चुनाव अधिकारियों को भीषण गर्मी और लू जैसे हालात को देखते हुये मतदान केंद्रों पर छाया और पेयजल आदि के समुचित प्रबंध करने की सलाह दी गयी है।

चुनाव कर्मियों को मशीनों और सामग्री के साथ उनके संबंधित मतदान केंद्रों के लिये रवाना कर दिया गया है। दूर-दराज के मतदान केंद्रों के लिये मददान कर्मियों के दल कल से ही रवाना किये जा रहे थे। आयोग ने मतदाताओं से अधिक संख्या में मतदान केंद्रों पर आने और जिम्मेदारी और गर्व के साथ मतदान करने का आह्वान किया है। मतदान कराने वाले दलों को मशीनों और चुनाव सामग्री के साथ उनके संबंधित मतदान केंद्रों के लिये रवाना कर दिया गया है। आयोग ने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद पिछले चरणों में मतदाता बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों पर पहुंचे हैं। पिछले दो चरणों में वोट डालने में महिला मतदाताओं ने पुरुषों को पीछे छोड़ दिया। आयोग ने मतदाताओं से अधिक संख्या में मतदान केंद्रों पर आने और जिम्मेदारी और गर्व के साथ मतदान करने का आह्वान किया है।

मतदान समाप्त होने के बाद ही दें एग्जिट पोल : आयोग

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने इलेक्ट्रानिक, प्रिंट और अन्य सभी तरह के प्रचार माध्यमों को निर्देश दिया है कि वे शनिवार को लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण के मतदान के समाप्त होने के बाद ही एग्जिट पोल का प्रचार या प्रसार कर सकते हैं। आयोग ने 18 वीं लोकसभा के चुनाव और चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के संबंध में गत मार्च में जारी अधिसूचना का हवाला देते हुए शुक्रवार को कहा कि 19 अप्रैल सुबह सात बजे से लेकर एक जून शाम साढे छह बजे तक मीडिया के सभी प्रचार माध्यमों पर एग्जिट पोल के प्रचार प्रसार करने पर रोक रहेगी। उल्लेखनीय है कि शनिवार को लोकसभा के सातवें और अंतिम चरण तथा ओडिशा विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान होना है। आयोग ने कहा है कि शनिवार को शाम साढे छह बजे तक सभी तरह के एग्जिट पोल के प्रचार प्रसार पर रोक रहेगी।

57 लोकसभा सीटों पर 904 उम्मीदवार मैदान में

चुनाव आयोग ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि सातवें एवं अंतिम चरण में आठ राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की 57 संसदीय सीटों और ओडिशा विधानसभा के चौथे एवं अंतिम चरण के लिये 42 सीटों पर मतदान सुचारू रूप से कराने के लिये सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। अंतिम चरण के चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, रवि किशन, रवि शंकर प्रसाद, संजय टंडन, कांग्रेस के अखिलेश प्रताप सिंह, अजय राय, तृणमूल कांग्रेस महासचिव अभिषेक बनर्जी, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और भोजपुरी कलाकार पवन सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल, राजद प्रमुख लालूप्रसाद यादव की सबसे बड़ी पुत्री मीसा भारती समेत कई राजनीतिक हस्तियों की किस्मत का फैसला इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में बंद हो जायेगा। शनिवार को उत्तर प्रदेश 13, हिमाचल प्रदेश की सभी चार सीटों, पंजाब की सभी 13 सीटों, ओडिशा की बाकी छह संसदीय सीटों, पश्चिम बंगाल की नौ और झारखंड के तीन संसदीय क्षेत्र तथा केन्द्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की एक मात्र सीट पर भी आज मतदान होगा। सातवें एवं अंतिम चरण में उत्तर प्रदेश की 13 सीटों पर 144, पंजाब की 13 सीटों पर 328, पश्चिम बंगाल की नौ सीटों के लिये 124, बिहार की आठ सीटों पर 134, ओडिशा की छह सीटों पर 66, हिमाचल प्रदेश की चार सीटों पर 37, झारखंड की तीन सीटों पर 52 और केन्द्रशासित प्रदेश चंड़ीगढ़की एक सीट पर 19 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इस चरण में 57 लोकसभा सीटों पर 904 उम्मीदवारों और ओडिशा विधानसभा के अंतिम चरण के लिये 42 सीटों पर उतरे 72 महिलाओं सहित 460 उम्मीदवार अपनी चुनावी किस्मत आजमा रहे हैं। आयोग की विज्ञप्ति के अनुसार आठ राज्यों एवं केंद्र-शासित प्रदेशों की कुल 57 संसदीय सीटों के लिये स्वतंत्र और पारदर्शी तरीके से मतदान कराने के लिये करीब 10.9 लाख चुनाव अधिकारी ड्यूटी पर तैनात किये गये हैं। अंतिम चरण में 10.06 करोड़ से अधिक मतदाता 1.09 लाख मतदान केंद्रों पर वोट डाल कर 904 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला तय कर सकेंगे।

पीएम मोदी ने विवेकानन्द रॉक मेमोरियल में सूर्य को दिया अर्घ्य

भाजपा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया वीडियो और फोटो

प्रात : किरण

कन्याकुमारी/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कन्याकुमारी तट के पास स्थित विवेकानन्द रॉक मेमोरियल में अपने ध्यान के दूसरे दिन शुक्रवार को उगते सूर्य को अर्घ्य दिया। भारतीय जनता पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो और फोटो साझा की है जिसमें प्रधानमंत्री भगवा चोला पहने भगवान सूर्य की प्रार्थना कर रहे हैं। वह भगवान सूर्य को जल अर्पित करते समय मंत्र पढ़ते नजर आ रहे हैं। फोटो में वह हाथ में रुद्राक्ष की माला और माथे पर तिलक लगाए दिख रहे हैं।भाजपा द्वारा एक्स पर पोस्ट की गई अलग-अलग तस्वीरों में प्रधानमंत्री को ध्यान मंडपम में ध्यान करते और प्रार्थना की माला हाथ में लिए मंडप की परिक्रमा करते हुए भी देखा गया। उन्होंने देवी कन्याकुमारी को समर्पित 108 शक्ति पीठों में से एक श्री भगवती अम्मन मंदिर में विशेष प्रार्थना करने के बाद गुरुवार शाम को विवेकानंद रॉक मेमोरियल में अपना ध्यान शुरू किया। श्री मोदी के अपना ध्यान सत्र पूरा करने के बाद शनिवार को स्मारक के पास एक तमिल संत के प्रसिद्ध तिरुवल्लुवर प्रतिमा का दौरा करने की संभावना है। भाजपा पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को भी स्मारक पर श्री मोदी के साथ जाने की अनुमति नहीं दी गयी क्योंकि यह एक आध्यात्मिक यात्रा है। श्री मोदी की यात्रा के मद्देनजर कन्याकुमारी में बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गयी है।भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक जहाजों को तटरेखा के करीब पानी में चौबीसों घंटे गश्त के लिए तैनात किया गया है, जबकि तमिलनाडु समुद्री पुलिस का तटीय सुरक्षा समूह (सीएसजी) भी इस यात्रा को लेकर कड़ी निगरानी रख रहा है।

प्रधानमंत्री ने बारिश से प्रभावित राज्यों की स्थिति का लिया जायजा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चक्रवात रेमल के बाद लगातार बारिश के कारण पूर्वोत्तर के राज्यों में आई बाढ़ के मद्देनजर मौजूद स्थिति का जायजा लिया और सभी प्रभावित राज्यों को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। कन्याकुमारी में ध्यान और साधना कर रहे प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि केंद्र सरकार प्रभावित राज्यों की स्थिति पर नजर बनाए हुए है और अधिकारी जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं। असम में चक्रवात रेमल के प्रभाव के चलते लगातार हुई बारिश के कारण नौ जिलों में दो लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। गत 28 मई से राज्य में बाढ़, बारिश और तूफान की वजह से कुल मिलाकर छह लोगों की मौत हो गई।

मुंगेर में पुनर्मतदान की मांग वाली याचिका पर विचार करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को उस याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया जिसमें भारत निर्वाचन आयोग को बिहार के मुंगेर निर्वाचन क्षेत्र के कुछ मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान कराने का निर्देश देने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति एस सी शर्मा और न्यायमूर्ति पी बी वराले की अवकाश पीठ ने याचिकाकर्ता को उच्च न्यायालय जाने को कहा। पीठ ने कहा, आप उच्च न्यायालय क्यों नहीं जाते? इस देश में उच्च न्यायालय बंद नहीं हैं। याचिकाकर्ता के वकील ने आरोप लगाया कि स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत से मुंगेर में चुनाव में भारी धांधली और मतदान केंद्रों पर कब्जा करने की घटनाएं हुई। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह इस मामले पर विचार करने की इच्छुक नहीं है जिसके बाद याचिकाकर्ता ने याचिका वापस ले ली। मामला वापस लिया गया मानकर खारिज कर दिया गया। शीर्ष अदालत राजद उम्मीदवार कुमारी अनिता की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें चुनाव आयोग को मुंगेर के 45 मतदान केंद्रों पर दोबारा मतदान कराने का निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि अधिकारियों की मदद से जद (यू) कार्यकर्ताओं ने गंभीर हेरफेर, मतदान केंद्रों पर कब्जा और धांधली की। इसमें निवेदन किया गया था कि मुंगेर के जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. अवनीश कुमार सिंह को सभी प्रशासनिक जिम्मेदारियों से हटाने का निर्देश दिया जाए।

हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना एसआईटी की हिरासत में

प्रात : किरण

बेंगलुरु/एजेंसी। कर्नाटक में पुलिस के विशेष जांच दल ने हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना को शुक्रवार को म्यूनिख से बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने के तुरंत बाद हिरासत में ले लिया। तैतीस वर्षीय प्रज्वल पर यौन शोषण के कई आरोप हैं और उन्हें रात करीब साढ़े बारह बजे हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ के लिए उन्हें सीआईडी कार्यालय ले जाया गया। हुडी पहनकर बेंगलुरु लौटे प्रज्वल को पहली बार स्कैंडल के सामने आने के एक महीने बाद हिरासत में ले लिया गया है । उनके यहां पहुंचते ही केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बलों ने हिरासत में ले लिया और बाद में उन्हें एसआईटी को सौंप दिया गया। प्रज्वल को पुलिस स्टेशन तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए हवाईअड्डे पर पुलिस की अच्छी-खासी मौजूदगी देखी गई। उसके खिलाफ अदालत का वारंट लंबित था और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उन्हें आधिकारिक तौर पर एसआईटी की हिरासत में रखा गया है । उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों ने उन्हें हवाई अड्डे पर एक अलग निकास द्वार से ले जाया। पूर्व प्रधान मंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल ने 26 अप्रैल को अपने निर्वाचन क्षेत्र में मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद देश छोड़ दिया। यह कथित तौर पर उनसे जुड़े स्पष्ट वीडियो क्लिप के प्रसार से जोड़ कर देखा जा रहा था। घोटाला सामने आने के बाद से सांसद से संपर्क नहीं हो पा रहा था। हालांकि, 27 मई को उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी कर कहा था कि वह 31 मई को एसआईटी के सामने पेश होंगे।

भीषण गर्मी और हीटवेब के चलते बढ़ता जा रहा है मौत का आंकड़ा

बिहार में हीटवेव से दो दिनों में 73 मौतें, औरंगाबाद में सर्वाधिक 15

प्रात : किरण

पटना। बिहार में भीषण गर्मी और हीटवेब के चलते मौत का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। प्रदेश में बुधवार से गुरुवार शाम तक लू लगने से 73 लोगों की मौत हुई है। पटना, मुजफ्फरपुर, वैशाली, दरभंगा और बेगूसराय समेत कई जिलों में गुरुवार की रात या तो बारिश हुई या इसके कारण हवा में ठंडक आई लेकिन इससे पहले बुधवार सुबह से गुरुवार शाम तक सड़क, बस स्टैंड, स्टेशन पर चलते-टहलते या मतदान की तैयारी कर रहे लोगों की मौतों की संख्या 73 पहुंच गई। औरंगाबाद में गुरुवार को सर्वाधिक 15 मौतें हुईं। इसके बाद पटना में 11 मौतों की खबर सामने आयी। भोजपुर में पांच मतदानकर्मियों सहित 10 की मौत हुई जबकि रोहतास में आठ, कैमूर में पांच, गया में चार, मुजफ्फरपुर में दो के अलावा बेगूसराय, जमुई, बरबीघा और सारण में एक-एक व्यक्ति की ऐसे ही चलते-फिरते मौत होने की जानकारी आई। गुरुवार को 59 और बुधवार को 14 मौतों के साथ राज्य में मरने वालों की संख्या 73 हो गई है। चूंकि, ज्यादातर लोगों का पोस्टमार्टम नहीं कराया जा रहा है, इसलिए प्रशासनिक तौर पर लू से मौत की पुष्टि नहीं की जा रही है। बिहार में बुधवार को करीब साढ़े तीन सौ बच्चे और शिक्षक स्कूलों में लू के कारण बेहोश हुए तो राज्य सरकार ने शाम छह बजे जाकर घोषणा की कि गुरुवार से आठ जून तक स्कूल बंद रहेंगे। गुरुवार को स्कूल खुले और बच्चों को लौटा दिया गया लेकिन शिक्षकों को दोपहर बाद डेढ़ बजे तक बैठाए रखा गया।

मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भीषण गर्मी और भयंकर लू के प्रकोप से राज्य में उत्पन्न आपदा की स्थिति के मद्देनजर सभी जिलाधिकारी को समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा है कि सभी जिलों के संवेदनशील स्थानों पर पीने के पानी के टैंकर पर्याप्त संख्या में रखे जाएं। भीषण गर्मी एवं लू से बचने के लिए लोगों को उचित सावधानी बरतने की सलाह देते हुए माइकिंग की व्यवस्था की जाए। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों सहित अनुमंडल एवं सदर अस्पतालों में जरूरी स्वास्थ्य सुविधाएं पूरी तरह से तैयार रखें। गांव हो या शहर सभी जगह पर निर्बाध रूप से बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

चुनाव **देश में भीषण गर्मी के बीच 150 प्रमुख जलाशयों के भंडारण स्तर में लगातार गिरावट जारी**

देश में जलाशयों का जल स्तर गिरकर 23 प्रतिशत रह गया : सीडब्ल्यूसी

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। देश में भीषण गर्मी के बीच 150 प्रमुख जलाशयों के भंडारण स्तर में लगातार गिरावट जारी है और यह कुल भंडारण क्षमता का 23 प्रतिशत रह गया है। पिछले वर्ष समान अवधि के दौरान के जल स्तर के मुकाबले मौजूदा जल स्तर में 77 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। केंद्रीय जल आयोग की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है। सीडब्ल्यूसी के आंकड़ों के मुताबिक जलाशयों का मौजूदा जलस्तर पिछले वर्ष के स्तर का मात्र 77 प्रतिशत तथा सामान्य जलस्तर का 94 प्रतिशत है। केंद्रीय जल आयोग ने शुक्रवार को देश भर के 150 प्रमुख जलाशयों के ताजा भंडारण स्तर की स्थिति पर अपना साप्ताहिक बुलेटिन जारी करते हुए एक बयान में कहा, इन जलाशयों में कुल उपलब्ध भंडारण 41.705 अरब घन मीटर है, जो इन जलाशयों की कुल भंडारण क्षमता का 23 प्रतिशत है। आयोग ने कहा, यह पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान दर्ज किए गए 53.832 बीसीएम तथा सामान्य भंडारण क्षमता 44.511 बीसीएम से काफी कम है। परिणामस्वरूप, मौजूदा भंडारण पिछले वर्ष के स्तर का केवल 77 प्रतिशत तथा सामान्य भंडारण का 94 प्रतिशत है। सीडब्ल्यूसी द्वारा निगरानी किये जाने वाले 150 मुख्य जलाशयों की कुल भंडारण क्षमता 178.784 बीसीएम है, जो देश में निर्मित कुल भंडारण क्षमता का लगभग 69.35 प्रतिशत है। देश के 150 जलाशयों में से दस उत्तरी क्षेत्र हिमाचल प्रदेश, पंजाब और राजस्थान झ्र में स्थित हैं और इनकी भंडारण क्षमता 19.663 बीसीएम है। सीडब्ल्यूसी बुलेटिन के अनुसार 16 मई से 31 मई के सप्ताह के लिए यह घटकर 5.864 बीसीएम (कुल क्षमता का 30 प्रतिशत) रह गई है। पिछले वर्ष इसी अवधि में जल भंडारण कुल क्षमता का 38 प्रतिशत था। वर्ष के इस समय सामान्य जल संग्रहण 31 प्रतिशत होता है। पूर्वी क्षेत्र में झ्र असम, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, नागालैंड और बिहार में कुल 23 जलाशय हैं, जिनकी कुल जल भंडारण क्षमता 20.430 बीसीएम है। आयोग ने कहा कि उपलब्ध जल भंडारण 5.645 बीसीएम है, जो कुल क्षमता का 28 प्रतिशत है। पश्चिमी क्षेत्र झ्र गुजरात और महाराष्ट्र झ्र में कुल 49 जलाशय हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 37.130 बीसीएम है। इन जलाशयों का मौजूदा भंडारण 8.833 बीसीएम है, जो कुल क्षमता का 24 प्रतिशत है। यह पिछले वर्ष के 28 प्रतिशत से कम है, लेकिन सामान्य भंडारण 23 प्रतिशत से बेहतर है। मध्य क्षेत्र झ्र उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ झ्र में 26 जलाशय हैं जिनकी कुल भंडारण क्षमता 48.227 बीसीएम है। वर्तमान में उपलब्ध भंडारण क्षमता 14.046 बीसीएम है, जो कुल क्षमता का 29.1 प्रतिशत है। पिछले वर्ष भंडारण क्षमता 37 प्रतिशत थी। इन जलाशयों की सामान्य भंडारण क्षमता 29.4 प्रतिशत होती है।

एवियन इन्फ्लूएंजा : केंद्र ने राज्यों से सतर्क रहने को कहा

नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्र ने सभी राज्यों से घरेलू पक्षियों और कुक्कुटों की असामान्य मृत्यु के प्रति सतर्क रहने और पशुपालन विभाग के साथ तत्काल सूचना साझा करने को कहा है, ताकि एवियन इन्फ्लूएंजा के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना के अनुसार कदम उठाये जा सकें। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र और पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा 25 मई को जारी एक संयुक्त परामर्श में कहा गया है कि 2024 तक चार राज्यों : आंध्र प्रदेश के नेल्लोर, महाराष्ट्र के नागपुर, केरल के अलाप्पुझा, कोट्टायम और पथानामथिट्टा जिलों और झारखंड में रांची कुक्कुट पोल्ट्री में एवियन इन्फ्लूएंजा के प्रकोप की सूचना पहले ही मिल चुकी है। संयुक्त परामर्श में कहा गया है, यह देखते हुए कि एवियन इन्फ्लूएंजा (एच5एन1) का संक्रमण अत्यधिक खतरनाक है और इसके मनुष्यों में फैलने की क्षमता अधिक है, इसलिए इस संक्रमण के प्रसार को कम करने और रोकने के लिए सभी आवश्यक उपाय करना अनिवार्य है। इसमें कहा गया है कि एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस (बर्ड फ्लू वायरस) आमतौर पर मुख्य रूप से प्रवासी पक्षियों के बीच फैलता है। एच5एन1 मुख्य एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस है। भारत में कुक्कुट पक्षियों में एवियन इन्फ्लूएंजा के प्रकोप की रिपोर्ट 2006 से मिल रही है और पशुपालन एवं स्वास्थ्य विभाग (आईडीएसपी, एनसीडीसी) द्वारा संयुक्त रूप से इसकी जांच की जा रही है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सलाह दी गई है कि वे सभी स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों/निजी चिकित्सकों को एवियन इन्फ्लूएंजा के मामलों के लक्षणों के बारे में जानकारी दें।

संक्षिप्त समाचार

हरिद्वार में एक साथ चार युवकों के शव मिलने से सनसनी, पहचान में जुटी पुलिस

मंगलौर, एजेंसी। बुधवार की दोपहर मोहम्मदपुर झाल में एक साथ चार युवकों के शव अटके होने से सनसनी फैल गई। युवकों के शव की अभी तक शिनाख्त नहीं हो पाई है। सभी युवक मात्र अंडरवियर पहने हुए है। आशंका जताई जा रही है कि गंगनहर में नहाते समय युवक डूबे होंगे पुलिस शिनाख्त का प्रयास कर रही है। मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के नारसन में मोहम्मदपुर झाल है। बुधवार की दोपहर को मोहम्मदपुर झाल में किसी ने एक युवक का शव अटका देखा। इसके बाद उसे तीन अन्य युवकों के शव भी अटके हुए दिखाई दिये। एक साथ चार युवकों के शव अटके देख शोर मचा दिया। जिसके बाद आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गये। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से सभी युवकों के शव बाहर निकलवाये। पुलिस ने मृतकों के शव की शिनाख्त के प्रयास किये लेकिन एक भी शव की शिनाख्त नहीं हो सकी। सभी युवक अंडरवियर पहने हुए थे। इन सभी युवकों की उम्र 30 से 32 साल के बीच थी। पुलिस शिनाख्त के प्रयास कर रही है।

स्विमिंग पूल में डूबकर चार साल के बच्चे की मौत, रिसॉर्ट संचालन पर लापरवाही का आरोप

ऋषिकेश, एजेंसी। थाना लक्ष्मणझूला क्षेत्र के अंतर्गत घट्टूघाट में एक रिसॉर्ट के स्विमिंग पूल में चार वर्षीय बालक की मौत का मामला प्रकाश में आया है। बालक के स्वजन की ओर से पुलिस को इस संबंध में तहरीर दी गई है। जिसमें उन्होंने रिसॉर्ट के संचालक पर लापरवाही बरतने तथा सुरक्षा मानकों की अनदेखी का आरोप लगाया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस के अनुसार, बीते रविवार को प्रियांश निवासी ग्राम रटवाई, थाना रटवाई, जिला झालावांड, राजस्थान अपने परिवार के साथ घुमने ऋषिकेश आये थे। सोमवार को वह परिवार सहित थाना लक्ष्मणझूला क्षेत्र के घट्टूघाट स्थित रिसॉर्ट क्रीक में रुके थे। रात करीब 08.30 बजे जब रिसॉर्ट से जाने के लिए तैयार हुए तो उनका बच्चा अदवय उनके पास नही था। रिसॉर्ट में चारों तरफ अंधेरा व झाड़ियां होने के कारण काफी देर ढूंढने के पश्चात अदवय स्विमिंग पूल में बेहोशी की हालत में मिला। जिसे तुरंत रेस्क्यू कर उपचार हेतु एम्स अस्पताल ले जाया गया। एम्स अस्पताल में डाक्टरों ने अदवय को मृत घोषित कर दिया गया। बालक के स्वजन का आरोप है कि रिसॉर्ट में स्विमिंग पूल पर कोई सुरक्षा गार्ड व लाईफ गार्ड नही था, ना ही प्रकाश की उचित व्यवस्था थी।

संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा के लिए सीटों से कम आवेदन

ऋषिकेश, एजेंसी। श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय की संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा के लिए 7,450 सीटों के सापेक्ष 7,096 आवेदन आए हैं। विवि प्रशासन ने कहा है कि कुछ आवेदकों ने फॉर्म भरा, लेकिन शुल्क नहीं जमा किया है। अगर ये शुल्क जमा करते हैं तो संख्या बढ़ जाएगी। प्रवेश परीक्षा 9 जून को प्रस्तावित है। एक परीक्षा-एक परिणाम व एक प्रवेश योजना के तहत पहली बार राज्य के तीन विश्वविद्यालयों (श्रीदेव सुमन विवि, सोबन सिंह जीना विवि अल्मोड़ा व कुमाऊं विवि नैनीताल) के बीएड पाठ्यक्रम के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा आयोजित कराई जा रही है। प्रवेश परीक्षा के आयोजन की जिम्मेदारी श्रीदेव सुमन विवि को है। प्रवेश परीक्षा के लिए 26 अप्रैल से ऑनलाइन आवेदन शुरू हुए थे।

बुघाणी मार्ग पर दोपहर में की दिखाई दे रहा गुलदार, दहशत

श्रीनगर, एजेंसी। बुघाणी मार्ग पर दोपहर में भी गुलदार दिखाई देने से लोगों की दहशत कम नहीं हो रही है। इसके अलावा श्रीकोट गंगानाली में भी रात को गुलदार की चहलकदमी बनी हुई है। हालांकि यहां पर वन विभाग की ओर से पिंजरे व ट्रेप कैमरे भी लगाए गए हैं, लेकिन गुलदार पिंजरे में नहीं आ पा रहा है। जबकि श्रीनगर में पिछले कुछ दिन पहले दो गुलदार पिंजरे में कैद हो गए हैं। श्रीकोट के लोगों का कहना है कि अभी यहां गुलदार का खौफ बरकरार है।

गर्मी में बिजली कटौती ने रुलाया, पानी ने तड़पाया, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया जमकर प्रदर्शन

नैनीताल, एजेंसी। हल्द्वानी शहर में अघोषित बिजली कटौती उपभोक्ताओं के लिए परेशानी का सबब बन गई हैं। ऐसे में बिना जनरेटर के चल रहे जल संस्थान के नलकूप भी बिजली जाते ही दम तोड़ रहे हैं। इस वजह से भीषण गर्मी में उपभोक्ताओं को पानी और बिजली दोनों के लिए ही परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बृहस्पतिवार को दोपहर एक बजे से ग्रामीण क्षेत्र में बार-बार बिजली आती-जाती रही जिससे बिठौरिया क्षेत्र में बिष्टधड़ा, चौफुला चौराहा, मल्ली बमोरी, लोहरियासाल मल्ला और गौड़धड़ा के नलकूपों का संचालन प्रभावित हो गया। वहीं शहर के दमुवाढूंगा, ऊंचापुल और इंदिरानगर समेत कई इलाकों के नलकूप भी नहीं चल पाए। इधर बार-बार बिजली जाने से लोगों के घरों में पानी की मोटरें नहीं चल पाई। वहीं, भीषण गर्मी में क्षेत्र की लगभग पांच हजार की आबादी को गर्मी में पानी के लिए तरसना पड़ा।

इस दौरान जल संस्थान की ओर से विकासनगर, बजूनिया हल्दू, कमलुआगांजा, पंत पार्क और बिठौरिया नंबर दो में पांच टैंकर भेजकर पानी बांटा गया। इधर गौलापार खेड़ा में जल संस्थान ग्रामीण का नलकूप खराब होने से पेयजल किल्लत बरकरार है। इस दौरान 300 परिवारों को जल संस्थान टैंकर के माध्यम से पानी उपलब्ध करा रहा है। एई दीप बेलवाल ने बताया कि बृहस्पतिवार को विभाग की ओर से नया पंप सेट लगाने का कार्य किया गया। नलकूप में खराब हुए पंप सेट की मरम्मत कराने के बाद लगाया था जो कि दो दिन चलने के बाद दोबारा खराब हो गई है। अब नई मोटर खरीदकर लगाने का कार्य किया जा रहा है।

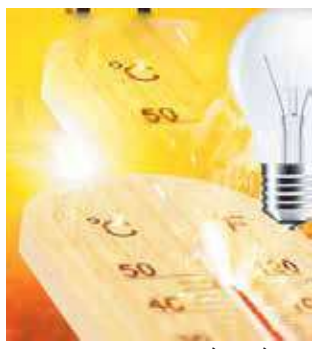

जल संस्थान के ईई रवि शंकर लोशाली का कहना कि दिन में एक बजे से बार-बार बिजली जाने से नलकूपों का संचालन प्रभावित रहा। बिठौरिया, ऊंचापुल और शहर में कई नलकूप नहीं चल पाए। पानी बांटने वाले ओवरहेड टैंक नहीं भरने से लोगों को परेशान होना पड़ा। टैंकरों के अतिरिक्त चक्कर लगवाकर आपूर्ति करानी पड़ी है। विद्युत वितरण खंड ग्रामीण के ईई डीडी पांगती ने बताया कि दोपहर पौने तीन बजे 220 बिजलीघर से सप्लाई नहीं मिल पाने के चलते समस्या शुरू हुई। शाम पौने छह बजे सप्लाई मिलने के बाद आपूर्ति को सुचारू कराया गया।

220 केवी सबस्टेशन से सप्लाई बाधित होने से बृहस्पतिवार को पांच हजार से अधिक उपभोक्ताओं को दिन भर गर्मी में परेशान होना पड़ा। इस दौरान विभाग की ओर से दिए गए टोल फ्री नंबर पर भी अफसरों की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं मिल से लोगों में नाराजगी बनी रही। कुसुमखेड़ा और नवाबी रोड सहित कई इलाकों के लोगों ने बताया कि दिन में एक बजे से रात आठ बजे तक बिजली नहीं मिल पाई लेकिन जब विभाग के अधिकारियों को फोन करके समस्या बताई जा रही है तो लोग बदसलूकी कर रहे हैं। इंदिरानगर में नई बस्ती की पेयजल लाइन से वॉल्ब लगाकर जलापूर्ति कराने की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को महिलाएं जल संस्थान पहुंची। इस दौरान ईई आरएस लोशाली से महिलाओं ने कहा कि उनके क्षेत्र में पेयजल समस्या बनी है। ईई लोशाली ने इस दौरान सर्वे कराने के बाद संभावनाओं को जांचने का आश्वासन दिया। सुबह से लगातार बिजली जाने की समस्या को लेकर नाराज आजाद नगर वासियों ने बृहस्पतिवार को केडी चौराहा स्थित बिजली घर पर ऊर्जा निगम के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। आजाद नगर वासियों ने कहा कि सुबह से उनके क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित है जिसके चलते उनके घरों में पानी की भी समस्या बनी हुई है। लोगों ने कहा कि इन दिनों लगातार उनके क्षेत्र में ऊर्जा निगम की ओर से बिजली की कटौती की जा रही है जिससे उनके घरों की पानी की मोटर और क्षेत्र के नलकूप का संचालन भी रुका हुआ है।

मासी में 90 गांवों के लोग पानी के लिए तरसे

चौखुटिया (अल्मोड़ा), एजेंसी। रामगंगा नदी में बनी मासी-नैथना पंपिंग योजना बंद होने से 90 से अधिक गांवों में तीन दिन से जलापूर्ति ठप है। ऐसे में इन गांवों के लोग पानी के लिए तरस गए हैं। ग्रामीण रामगंगा सहित अन्य प्राकृतिक जल स्रोतों की दौड़ लगाकर अपनी प्यास बुझाने के लिए मजबूर हैं।

मासी बाजार के साथ ही कबरोली, पाली, बाजन, दौला, बटु, गौदी, नोबड़ा, कबडोला, कमीडुवा, केनहरा, चौना, डगरखौला सहित 90 से अधिक गांवों की प्यास बुझाने के लिए रामगंगा नदी से मासी-नैथना पंपिंग योजना का निर्माण किया गया है। तीन दिन पूर्व योजना का ट्रांसफार्मर फुंकने से इससे जलापूर्ति ठप हो गई।

ग्रामीण तीन दिन से प्राकृतिक जल स्रोतों की दौड़ लगा रहे हैं तब जाकर उनकी प्यास बुझ रही है। खासकर महिलाओं को पूरा दिन परिवार के लोगों और पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था करने में बीत रहा है। जल संस्थान की तरफ से आवश्यक कदम न उठाने से लोगों में खासा आक्रोश है। बुधवार को क्षेत्र के लोगों ने जल संस्थान कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। उन्होंने जल्द जलापूर्ति सुचारू न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। संवाद जल संस्थान ने अब तक ट्रांसफार्मर की व्यवस्था करने के लिए गंभीरता नहीं दिखाई है। संस्थान के अधिकारियों के मुताबिक नया ट्रांसफार्मर मंगाया गया है।

पानी के टैंक में गिरा तेंदुआ, चार घंटे में रेस्क्यू कर बाहर निकला

गरमपानी (नैनीताल), एजेंसी। बेतालघाट ब्लॉक के तल्लागांव स्थित साई स्टोन क्रशर में बुधवार सुबह करीब चार बजे एक तेंदुआ पानी के टैंक में जा गिरा। सुबह 9 बजे पंप ऑपरेटर जब पानी खोलने के लिए टैंक के पास पहुंचा तो उसने तेंदुए को टैंक में गिरा हुआ देखा। पंप ऑपरेटर ने तुरंत वन विभाग के अधिकारियों को इसकी सूचना दी। वन विभाग, राजस्व और पशुपालन विभाग के डॉक्टरों की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान चलाया। चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दोपहर दो बजे तेंदुए को सुरक्षित बाहर निकाला जा सका। टैंक से बाहर निकलने के बाद तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि बुधवार सुबह चार बजे तेंदुआ क्रशर से लगे जंगल की ओर जाते समय पानी के टैंक में गिर गया था। हालांकि क्रशर के पास आबादी क्षेत्र नहीं है। कोसी रेंज की वन क्षेत्राधिकारी सोनल पनेरू ने बताया कि पानी के टैंक में फंसे तेंदुए को बिना ट्रैंक्यूलाइज किए ही टैंक से बाहर निकाला गया। टैंक में गिरा तेंदुआ नर था जिसकी उम्र करीब पांच साल थी। पानी के टैंक में से निकलने के बाद में तेंदुआ जंगल की ओर चला गया। उन्होंने कहा कि पानी का

टैंक खुला रखने वाले क्रशर संचालक को टैंक को बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान उपप्रभागीय वनाधिकारी राजकुमार, पशुचिकित्सक डॉ. हिमांशु पांगती, ललित मोहन आर्य आदि मौजूद रहे।

टिकट को लेकर हेली कंपनी के कर्मचारियों से यात्री ने की मारपीट, एक कर्मी का हाथ टूटा

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। हेलिकॉप्टर टिकट को लेकर यात्री और कर्मचारी के बीच बहस काफी बढ़ गई, जो गाली-गलौज, धक्कामुक्की से मारपीट तक पहुंच गई। इस दौरान यात्री के धक्के से हेली कंपनी का एक कर्मचारी जमीन पर जा गिरा, जिससे उसके हाथ पर गंभीर चोट आई।

केदारनाथ में हेलिकॉप्टर टिकट को लेकर एक यात्री की हेली कंपनी के कर्मचारियों से मारपीट हो गई। इस दौरान हेली कंपनी का एक कर्मचारी का हाथ फैक्चर हो गया, जिसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्रशासन व पुलिस के हस्तक्षेप के बाद दोनों पक्षों में समझौता के बाद मामला शांत हुआ।

बुधवार अपराह्न बाद लगभग चार बजे एमआई-26 हेलिपैड पर क्रिस्टल कंपनी के टिकट काउंटर कैंप में एक यात्री की कर्मचारियों से टिकट को लेकर बहस होने लगी। बताया जा रहा है कि यात्री स्वयं को किसी वीआईपी का रिश्तेदार होना बता रहा था और हेली कंपनी कर्मचारियों से केदारघाटी जाने के लिए टिकट की मांग कर रहा था।

इस दौरान दोनों पक्षो में बहस काफी बढ़ गई, जो गाली-गलौज, धक्कामुक्की से मारपीट तक पहुंच गई। इस दौरान यात्री के धक्के से हेली कंपनी का एक कर्मचारी जमीन पर जा गिरा,

जिससे उसके हाथ पर गंभीर चोट आई। सूचना पर सहायक सेक्टर मजिस्ट्रेट अंकित रावत अन्य कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल कर्मचारी को स्थानीय अस्पताल में पहुंचाया, जहां जांच में उसका हाथ फैक्चर होना पाया गया।

वहीं, पीड़ित पक्ष ने आरोपी यात्री के खिलाफ पुलिस में पत्र भी दिया। लेकिन बाद में दोनों पक्षों में समझौता हो गया। इधर, हेलिकॉप्टर सेवा के नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि प्रशासन के माध्यम से पूरे घटनाक्रम की रिपोर्ट मांगी गई है।

इसाथ ही इस प्रकार की घटनाएं केदारघाटी और केदारनाथ हेलिपैड पर पुनः न हो, इसके लिए सभी हेली कंपनी प्रबंधन को निर्देशित किया गया है।

मजहबी किताब की बेअदबी पर रूड़की में बवंडर, मुस्लिम समुदाय में उबाल, युवक के स्वजनों ने छोड़ा घर

रुड़की, एजेंसी। मुस्लिम समुदाय की मजहबी किताब की बेअदबी करने के मामले में गंगनहर कोतवाली पुलिस ने आरोपित युवक पर जीरो एफआइआर दर्ज कर ली है। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि घटना का वीडियो कहां बनाया गया। यह मालूम चलने के बाद मुकदमा संबंधित थाने को स्थानांतरित किया जाएगा। घटना के तूल पकड़ने के बाद युवक के स्वजन भी घर छोड़कर कहीं चले गए हैं। पुलिस ने एहतियातन युवक के घर के आसपास निगरानी बढ़ा दी है।

पिछले कुछ दिनों से इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित हो रहा है। इसमें समीर नाम का युवक मुस्लिम समुदाय की मजहबी किताब की बेअदबी करता दिखाई दे रहा है। मुस्लिम समुदाय का आरोप है कि युवक रुड़की से सटे तेलीवाला पाडली गुर्जर गांव का रहने वाला है, लेकिन पिछले कुछ वर्ष से कहीं और रह रहा है। इस मामले में बुधवार को बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग गंगनहर कोतवाली पहुंचे और आरोपित के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की।

गंगनहर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक गोविंद कुमार ने बताया कि गुरुवार को आरोपित युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया। वह कई वर्ष से बाहर रह रहा है। स्वजन उसे संपत्ति से बेदखल कर चुके हैं। लोगों के गुस्से और अनहोनी की आशंका को देखते हुए आरोपित के घर के आसपास निगरानी की जा रही है।

इंटरनेट मीडिया पर मजहबी किताब का अपमान करने वाले व्यक्ति पर उलेमा व मुस्लिम समुदाय ने कार्रवाई की मांग की है। शहर काजी मौलाना मोहम्मद अहमद कासमी की अध्यक्षता में मुस्लिम सेवा संगठन व जमीयत उलेमा ए हिंद के प्रतिनिधिमंडल ने डीजीपी अभिनव कुमार से मुलाकात की।

संगठन के अध्यक्ष नईम कुरैशी व उपाध्यक्ष आकिब कुरैशी ने बताया कि इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहे वीडियो में एक व्यक्ति खुद को एक्स मुस्लिम समीर बता रहा है। वह हरिद्वार का मूल निवासी है और मजहबी किताब का अपमान करता हुआ दिख रहा है। उक्त व्यक्ति इस्लाम के बारे में अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहा है। जिससे इस्लाम धर्म को मानने वालों की धार्मिक भावनाओं को आघात पहुंचा है।

डीजीपी ने बताया कि पुलिस की अब तक की जांच में संबंधित व्यक्ति के महाराष्ट्र में होने का पता चला है। महाराष्ट्र पुलिस को पत्र भेजकर कानूनी कार्रवाई का आग्रह किया जा रहा है।

साहब इलाज करवा दो, पति को दोबारा जंगल जाने नहीं दूंगी; अधिकारियों के सामने गिड़गिड़ाई तस्कर की पत्नी

नैनीताल, एजेंसी। बुधवार को लखविंदर की पत्नी वन विभाग के अधिकारियों के सामने गिड़गिड़ाते हुए बोली, साहब पति का इलाज करवा दो, मैं वचन देती हूं कि इन्हें कभी जंगल नहीं जाने दूंगी।

हल्द्वानी में वन विभाग की टीम ने लकड़ी तस्कर लखविंदर को बृहस्पतिवार (आज) को मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इसके बाद उसे इलाज के लिए ऋषिकेश एम्स ले जाया जाएगा। बुधवार को लखविंदर की पत्नी वन विभाग के अधिकारियों के सामने गिड़गिड़ाते हुए बोली, साहब पति का इलाज करवा दो, मैं वचन देती हूं कि इन्हें कभी जंगल नहीं जाने दूंगी।

लकड़ी तस्कर लखविंदर का सुशीला तिवारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पैर में छर्रे लगने से गंभीर स्थिति होने पर सुशीला तिवारी अस्पताल के डॉक्टरों ने उसे ऋषिकेश एम्स ले जाने के लिए कहा है। वहां उसके पैर का ऑपरेशन किया जाएगा। वन विभाग की टीम कारणों के चलते लखविंदर को बुधवार को मजिस्ट्रेट के सामने पेश नहीं कर पाई। वन विभाग की टीम जब लखविंदर के पास पहुंची तो उसकी पत्नी अधिकारियों के सामने गिड़गिड़ाते बोली, साहब इनका इलाज करा दो। नहीं तो मेरे पति अपाहिज हो जाएंगे। मैं वचन देती हूं कि ये अब कभी जंगल नहीं जाएंगे। न मैं इन्हें जंगल जाने दूंगी।उधर वन विभाग के क्षेत्राधिकारी रूप नारायण गौतम ने बताया कि बृहस्पतिवार को लखविंदर को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाएगा।

नदी में गिरा सीमेंट से भरा ट्रक, एक घंटे तक वाहन के भीतर फंसा रहा चालक...बाल बाल बचा ड्राइवर

अल्मोड़ा, एजेंसी। अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ हाईवे पर सीमेंट से भरा एक ट्रक पेटशाल के पास नदी में गिर गया। इस घटना में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, उसे उपचार के लिए बेस अस्पताल पहुंचाया। एक घंटे तक चालक नदी के बीच ट्रक में फंसा रहा।

अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ हाईवे पर सीमेंट से भरा एक ट्रक पेटशाल के पास नदी में गिर गया। इस घटना में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, उसे उपचार के लिए बेस अस्पताल पहुंचाया। एक घंटे तक चालक नदी के बीच ट्रक में फंसा रहा।

अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ हाईवे पर

पेटशाल, दलबैंड के पास बीते मंगलवार रात सीमेंट से भरा ट्रक एक ट्रक संख्या यूके 04 सीबी 1329 अनियंत्रित होकर 50 मीटर नीचे नदी में गिर गया। चालक भूपेंद्र सिंह मेहरा निवासी उडियारी बैंड, बेरीनाग एक घंटे तक ट्रक में फंसा रहा। आसपास के लोग घटनास्थल की तरफ दौड़े और उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों की मदद से बेहोशी की हालत में फंसे चालक को रेस्क्यू कर 108 एंबुलेंस की मदद से बेस अस्पताल भेजा। चिकित्सकों के मुताबिक चालक को गंभीर चोट आई है, इसका उपचार चल रहा है। थानाध्यक्ष सुशील कुमार ने कहा कि घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। बताया कि चालक ट्रक में सीमेंट भरकर हल्द्वानी से बेरीनाग जा रहा था।

बुल्लावाला में पेयजल किल्लत, ग्रामीणों ने जताया आक्रोश

ऋषिकेश, एजेंसी। मारखम ग्रांट बुल्लावाला में एक महीने से पेयजल समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों ने जल निगम के अधिकारियों के सामने आक्रोश जताया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को सप्ताहभर में समस्या के निस्तारण का आश्वासन दिया है।

बुल्लावाला कांबोज मोहल्ले सहित आसपास के इलाकों में एक माह से पेयजल संकट बना हुआ है। बुधवार को जल निगम के अधिकारी गांव पहुंचे तो ग्रामीणों ने आक्रोश जताया। अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य परमिंदर सिंह बाउ ने कहा कि गांव में पेयजल योजना से अपेक्षित परिणाम नहीं मिल रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता मनोज कांबोज ने बताया कि इस संबंध में सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत की गई थी। विधायक डोईवाला को भी समस्या से अवगत कराया गया है। कहा कि भीषण गर्मी में बुल्लावाला कांबोज मोहल्ले के लोग पेयजल के लिए तरस रहे हैं।

स्थाई लोक अदालत ने बीमा कंपनी को 64,147 रुपए के भुगतान के आदेश

रुद्रपुर/नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर जिले की स्थाई लोक अदालत ने बीमा कंपनी को वादी के पक्ष में स्वास्थ्य बीमा के रूप में 64,147 रुपए का भुगतान करने के आदेश पारित किए हैं।

वादी राजकुमार ने स्थाई लोक अदालत में एक प्रार्थना पत्र देकर कहा कि नीवा बूपा हेल्थ बीमा कंपनी से उसके द्वारा स्वास्थ्य बीमा के नाम पर एक पॉलिसी खरीदी गई। उसकी ओर से समय-समय पर प्रीमियम भी जमा किया गया। पॉलिसी जारी रहने के दौरान उसका स्वास्थ्य खराब हो गया, जिस पर 64,147 रुपए का खर्च हुआ। यह भी आरोप लगाया गया कि बीमा कंपनी इस धनराशि का भुगतान करने से इनकार कर दिया। वहीं वादी की ओर से धनराशि के भुगतान की मांग लोक अदालत से की गई।

अदालत ने मारपीट मामले में मालीवाल का नाम प्रसारित करने संबंधी याचिका को लेकर नाराजगी जताई

उच्च न्यायालय ने कहा कि यह याचिका केवल प्रचार के लिए दायर की गई और इसमें राजनीतिक रंग दिखाई दे रहा

जानकारी

- कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पी. एस. अरोड़ा की पीठ ने कहा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निकट सहयोगी बिभव कुमार की कथित संलिप्तता वाले मारपीट मामले में राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल का नाम प्रसारित करने से मीडिया को रोकने के लिए जनहित याचिका दायर करने वाले वकील पर शुक्रवार को नाराजगी जाहिर की।

उच्च न्यायालय ने कहा कि यह याचिका केवल प्रचार के लिए दायर की गई और इसमें राजनीतिक रंग दिखाई दे रहा है। न्यायालय ने कहा कि जब पीड़िता (मालीवाल) खुद सामने आकर कथित घटना के बारे में बात कर रही है तो याचिकाकर्ता को क्या समस्या है, जो एक तीसरा पक्ष है।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पी. एस. अरोड़ा की पीठ ने कहा, जब पीड़िता स्वयं इस बारे में बात करना चाहती है तो कुछ कहने वाले आप कौन होते हैं। पीड़िता शिकायत नहीं कर रही, बल्कि आप शिकायत कर रहे हैं। इसमें तीसरे पक्ष की क्या भूमिका है? पीड़िता इस बारे में खुलकर सामने आ रही है। यह बहुत स्पष्ट है कि आपका नजरिया धुंधला है और इसमें कोई और रंग है। आप पीड़िता की शर्मिंदगी की बात नहीं कर रहे।

उसने कहा, अगर पीड़िता टेलीविजन चैनलों पर बात कर रही है तो जनहित याचिका दायर करने वाले आप कौन होते हैं। उसने कहा, इस जनहित याचिका के पीछे कोई राजनीतिक रंग है।

अदालत अधिवक्ता एस पाल सिंह की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें मालीवाल से मारपीट के मामले में मीडिया द्वारा पीड़िता की पहचान उजागर करने पर रोक लगाए जाने तथा उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया था, जिन्होंने प्राथमिकी की विषय-वस्तु के साथ पीड़िता की पहचान जानबूझकर उजागर की।

पीठ ने वकील को चेतावनी दी कि उनके खिलाफ विधिज्ञ परिषद में शिकायत दर्ज कराई जाएगी। उसने कहा कि याचिका पर्याप्त शोध किए बिना दायर की गई। पीठ ने कहा, आप यह सब प्रचार के लिए कर रहे हैं। दिल्ली विधिज्ञ परिषद में शिकायत की जानी चाहिए। आप जो कर रहे हैं वह उचित नहीं है। इसके बाद याचिकाकर्ता के वकील ने याचिका वापस लेने की छूट मांगी।

उच्च न्यायलय ने कहा, कुछ दलीलें पेश करने के बाद याचिकाकर्ता के वकील ने याचिका वापस लेने की इच्छा जताई। याचिका वापस लिए जाने के कारण खारिज की जाती है। बिभव कुमार इस महीने की शुरूआत में मुख्यमंत्री आवास पर मालीवाल पर कथित रूप से हमला करने के मामले में हिरासत में हैं।

फ्लाइट के बाथरूम से 1.28 करोड़ का गोल्ड बरामद

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम की टीम ने एक करोड़ 28 लाख से ज्यादा का सोना बरामद किया है। इसे तस्करी करके बैंकॉक से भारत लाया गया था। कस्टम की टीम ने आईजीआई एयरपोर्ट पर इस गोरखधंधे का खुलासा किया। हालांकि इस मामले में किसी को भी अभी पकड़ा नहीं गया है। क्योंकि सोने को केमिकल पेस्ट में मिलाकर फ्लाइट के बाथरूम वाले हिस्से में छुपाकर लाया गया था। ऊपर से ब्लैक पेस्ट के रूप में नजर आ रहा था। कस्टम के ज्वाइंट कमिश्नर एन वरुण कौंडिया ने बताया कि दो ब्लैक कलर का पाउच मिला था। उसमें गोल्ड पेस्ट को केमिकल में छुपाकर स्मगलिंग करके लाया गया था। जांच में 2017 ग्राम कुल गोल्ड मिला। इसकी कीमत 1 करोड़ 28 लाख 96 हजार से ज्यादा बताई जा रही है। बरामद गोल्ड को जब्त कर लिया गया है और आगे इस मामले में छानबीन की जा रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही कि यह गोल्ड पेस्ट किस हवाई यात्री द्वारा ट्वायलेट वाले एरिया में छुपाकर लाया गया था।

दो जून को जेल जाउंगा, मेरा मनोबल तोड़ने की और कोशिश होंगी लेकिन मैं झुकूंगा नहीं : केजरीवाल

- जब मुझे गिरफ्तार किया गया तो मेरा वजन 70 किलोग्राम था।
- जेल से रिहा होने के बाद केजरीवाल ने उत्तर प्रदेश, पंजाब, दिल्ली और महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार किया था।
- वे मुझे और परेशान करने की कोशिश करेंगे लेकिन मैं झुकूंगा नहीं।

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि वह दो जून को आत्मसमर्पण करेंगे और अगर जेल में उन्हें प्रताड़ित किया गया तब भी वह झुकेंगे नहीं। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक को उच्चतम न्यायालय ने लोकसभा चुनावों में प्रचार के लिए एक जून तक अंतरिम जमानत प्रदान की थी।

जेल से रिहा होने के बाद केजरीवाल ने उत्तर प्रदेश, पंजाब, दिल्ली और महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार किया था। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा, मुझे दो जून को आत्मसमर्पण करना है और मुझे नहीं पता कि इस बार मैं कितने दिन जेल में रहूंगा। मैं इस देश को तानाशाही से बचाने के लिए जेल जा रहा हूं और मुझे इस पर गर्व है। केजरीवाल ने कहा, उन्होंने मुझे (मनोबल) तोड़ने की कोशिश की। जब मैं जेल में था तब मेरी दवाई रोक दी गई। गिरफ्तार किये जाने के बाद मेरा वजन छह किलोग्राम कम हो गया। जब मुझे गिरफ्तार किया गया तो मेरा वजन 70 किलोग्राम था। जेल से बाहर आने के बाद भी मेरा वजन नहीं बढ़ा। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों ने उन्हें कई टेस्ट कराने की सलाह दी है और उन्हें लगता है कि यह किसी बीमारी का संकेत हो सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह रविवार अपरा करीब तीन बजे अपने आवास से निकलकर तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करेंगे। केजरीवाल ने कहा, वे मुझे और परेशान करने की कोशिश करेंगे लेकिन मैं झुकूंगा नहीं। जेल वापस जाने के बाद मुझे आपकी (लोगों की) चिंता होगी। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि आपकी सेवाएं बंद नहीं होंगी। मैं जल्द ही अपनी माताओं और बहनों को एक हजार रुपये देना शुरू करूंगा। केजरीवाल महिलाओं के लिए 1,000 रुपये महीना सम्मान राशि देने की योजना का जिक्र कर रहे थे। केजरीवाल ने लोगों से उनकी मां के लिए प्रार्थना करने को भी कहा। केजरीवाल की मां फिलहाल अस्वस्थ हैं।

दो जून को जेल जाउंगा, मेरा मनोबल तोड़ने की और कोशिश होंगी लेकिन मैं झुकूंगा नहीं: केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि वह दो जून को आत्मसमर्पण करेंगे और अगर जेल में उन्हें प्रताड़ित किया गया तब भी वह झुकेंगे नहीं। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक को उच्चतम न्यायालय ने लोकसभा चुनावों में प्रचार के लिए एक जून तक अंतरिम जमानत प्रदान की थी।

जेल से रिहा होने के बाद केजरीवाल ने उत्तर प्रदेश, पंजाब, दिल्ली और महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार किया था। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा, मुझे दो जून को आत्मसमर्पण करना है और मुझे नहीं पता कि इस बार मैं कितने दिन जेल में रहूंगा। मैं इस देश को तानाशाही से बचाने के लिए जेल जा रहा हूं और मुझे इस पर गर्व है। केजरीवाल ने कहा, उन्होंने मुझे (मनोबल) तोड़ने की कोशिश की। जब मैं जेल में था तब मेरी दवाई रोक दी गई। गिरफ्तार किये जाने के बाद मेरा वजन छह किलोग्राम कम हो गया। जब मुझे गिरफ्तार किया गया तो मेरा वजन 70 किलोग्राम था। जेल से बाहर आने के बाद भी मेरा वजन नहीं बढ़ा।

उन्होंने कहा कि चिकित्सकों ने उन्हें कई टेस्ट कराने की सलाह दी है और उन्हें लगता है कि यह किसी बीमारी का संकेत हो सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह रविवार अपराह्न करीब तीन बजे अपने आवास से निकलकर तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करेंगे। केजरीवाल ने कहा, वे मुझे और परेशान करने की कोशिश करेंगे लेकिन मैं झुकूंगा नहीं। जेल वापस जाने के बाद मुझे आपकी (लोगों की) चिंता होगी। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि आपकी सेवाएं बंद नहीं होंगी। मैं जल्द ही अपनी माताओं और बहनों को एक हजार रुपये देना शुरू करूंगा। केजरीवाल महिलाओं के लिए 1,000 रुपये महीना सम्मान राशि देने की योजना का जिक्र कर रहे थे। केजरीवाल ने लोगों से उनकी मां के लिए प्रार्थना करने को भी कहा। केजरीवाल की मां फिलहाल अस्वस्थ हैं।

आतिशी ने दिल्ली में पानी की समस्या के मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र शेखावत को लिखा पत्र

- जो राज्य पानी छोड़ने में सक्षम हो उससे पानी उपलब्ध कराया जाए ताकि दिल्ली के लोगों को परेशानी न हो।

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली सरकार मंत्री आतिशी ने दिल्ली में जलापूर्ति के लिए केंद्रीय जल मंत्री से मदद की गुहार लगाई है। आतिशी ने शुक्रवार को केंद्रीय जल मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को अनुरोधपूर्वक लिखे पत्र में यह भी कहा है कि दिल्लीवालों को नियमित और समुचित जल की आपूर्ति करना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। आतिशी ने दिल्ली में पानी की कमी का हवाला देते हुए पत्र में कहा है कि यमुना जल का स्तर काफी नीचे गिर गया है ऐसी स्थिति में दिल्ली में जलापूर्ति नहीं हो रही है। साथ ही अनुरोध किया है कि दिल्ली के लिए पानी की कुछ व्यवस्था की जाए। जो राज्य पानी छोड़ने में सक्षम हो उससे पानी उपलब्ध कराया जाए ताकि दिल्ली के लोगों को परेशानी न हो।

उन्होंने कहा, मैं आपसे यह अनुरोध करने के लिए लिख रही हूं कि दिल्ली के लिए पानी की कुछ व्यवस्था की जाए, चाहे वह हरियाणा हो या यूपी या कोई अन्य राज्य जो पानी देने में सक्षम हो, ताकि दिल्ली के लोगों को परेशानी न हो। हम इस मुद्दे पर आपके तत्काल हस्तक्षेप का अनुरोध है।

आतिशी ने पत्र में आगे लिखा है कि इस मुद्दे में आपका तत्काल हस्तक्षेप के साथ हरियाणा राज्य को तुरंत दिल्ली के वाजिब हिस्से का पानी यमुना नदी में छोड़ना चाहिए ताकि पानी को 674.5 फीट के सामान्य स्तर पर लाया जा सके। आतिशी ने यह भी कहा है कि वह हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पानी छोड़ने के लिए अपील कर चुकी हैं।

दिल्ली में जल संकट पर आरोप-प्रत्यारोप के बीच सरकार पहुंची अदालत, विपक्ष का धरना प्रदर्शन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

पिछले एक सप्ताह से दिल्ली जल बोर्ड दिल्ली में नियमित और समुचित जलापूर्ति नहीं कर पा रहा है। जिसकी वजह से दिल्ली के लोगों की परेशानी बढ़ गई है। वहीं दिल्ली में पानी की कमी को लेकर दिल्ली सरकार ने हरियाणा को दोषी ठहराना शुरू कर दिया है। दिल्ली सरकार यह कहते हुए कि दिल्ली में जलापूर्ति की जिम्मेवारी सभी की है और इसके साथ ही इन दोनों राज्यों से पानी लेने के लिए सर्वोच्च न्यायालय की ओर रुख कर चुकी है। उधर, दिल्ली में पानी की कमी को लेकर विपक्ष सड़कों पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राष्ट्रीय राजधानी में जल संकट को लेकर शुक्रवार शहीदी पार्क से दिल्ली सचिवालय तक प्रदर्शन मार्च निकाला।

प्रदर्शन के दौरान नई दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार बांसुरी स्वराज ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार ने दिल्ली में कृत्रिम जल संकट पैदा कर दिया है। स्वराज ने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड 2013 में 600 करोड़ रुपये के फायदे में था लेकिन वर्तमान में जल बोर्ड 73 हजार करोड़ रुपये के घाटे में हैं। उन्होंने दिल्ली में पानी की कमी और जल बोर्ड को होनेवाले घाटे के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जिम्मेवार ठहराया।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने प्रदर्शन के दौरान कहा कि दिल्ली में जल संकट अरविंद केजरीवाल के कुप्रबंधन का नतीजा है। अब सरकार 2 हजार रुपये का जुमार्ना लगा रही है। सचदेवा ने कहा कि यह जुमार्ना नहीं बल्कि भ्रष्टाचार करने का एक और तरीका है। सचदेवा ने कहा कि पहले दिल्ली सरकार ने टैंकर माफिया को बढ़ावा दिया। इनके हर विधायक टैंकर माफियाओं के साथ मिलकर दिल्ली के लोगों को पानी बेच रहे हैं और उन्हें लूट रहें हैं।

दरअसल, दिल्ली में जल संकट के दो प्रमुख कारण हैं। पहला, प्रचंड गर्मी और दूसरा पानी के लिए पड़ोसी राज्यों पर निर्भरता। इन दिनों दिल्ली में भयानक गर्मी के चलते पानी की मांग बढ़ गई है। दिल्ली की आबादी की तुलना में पानी की सप्लाई पहले से कम है। इससे ज्यादा परेशानी महिलाओं को हो रही है। प्रदर्शन के दौरान काफी संख्या में महिलाएं हुई।

बाबा हरिदास नगर से पकड़ा गांजा सप्लाई करने वाला

संवाददाता

द्वारका जिला के स्पेशल स्टाफ की पुलिस टीम ने गांजा तस्करी के आरोप में एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 2 किलो 480 ग्राम फाइन क्वालिटी का गांजा भी बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रमेश उर्फ मोटा के रूप में हुई है। यह इंदिरा मार्केट, नजफगढ़ का रहने वाला है। पहले भी इसके ऊपर दिल्ली एक्साइज एक्ट के तहत बाबा हरिदास नगर थाना में मामला दर्ज है।

डीसीपी अंकित सिंह के अनुसार इंस्पेक्टर कमलेश कुमार की टीम को इसके बारे में एक इनफार्मेशन मिली थी। यह बाहर से गांजा की खेप लाकर आगे इस इलाके में चोरी छुपे सप्लाई करता है। वह सूचना पर हेड कॉन्स्टेबल राजकुमार, देव प्रकाश और कांस्टेबल उपेंद्र की टीम ने नजफगढ़ के इंदिरा मार्केट के पास से इसको पकड़ा। तलाशी में इसके पास से गांजा बरामद किया गया। इसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत बाबा हरिदास नगर थाना में एफआईआर दर्ज किया गया। पता चला पहले से भी यह पहले भी शराब तस्करी के मामले में बाबा हरिदास नगर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया जा चुका है। अब यह गांजा तस्करी करने लगा, इस आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया।

ऑल पत्रकार एसोसिएशन यमुनापार ने बड़ी बड़ी धूमधाम से मनाया हिन्दी पत्रकारिता दिवस

नई दिल्ली/एजेंसी। पूरे देश में 30 मई को हिन्दी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है। इसी कड़ी दिल्ली में भी हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर ऑल पत्रकार एसोसिएशन यमुनापार ने पत्रकार सम्मान समारोह और विचार संगोस्टी और अवार्ड वितरण समारोह का आयोजन किया। पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन दिल्ली के आईटीओ स्तिथ गालिब इंस्टिट्यूट (एवान ए गालिब) पर किया गया।

समारोह में अतिथि के रूप में दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व चेयरमेन जाकिर खान, आंचल चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजीव शील, मुबीटेक कम्पनी के सीओ जितेंदर शर्मा, वेब वार्ता समाचार एजेंसी के संपादक सईद अहमद, पूर्व डिप्टी डायरेक्टर (सफदरगंज अस्पताल) डॉ. सैय्यद अहमद खान, वृजपुरी वार्ड से निगम पार्षद नाजिया पति जावेद चौधरी, एसडीपीआई के दिल्ली प्रदेश के सचिव एच.एम हाशिम मलिक, अमन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम.डी नाजि , ऑरेकल पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर फहीम अहमद, जैद न्यूज की सम्पादक कमर जहाँ, आप नेता इरफान सैफी, ऑल इंडिया पत्रकार एकता एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलशाद अली सर सय्यद एजुकेशन वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष एडवोकेट आफताब फाजिल ने शिरकत की। प्रोग्राम की अध्यक्षता शेख मसूदी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शेख अल्ताफ मसूदी व संचालन मीडिया काउंसिल ऑफिस इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव मौलाना अब्दुल रशीद व मीडिया पंच के सम्पादक अनवार नूर ने संयुक्त रूप किया। सम्मान समारोह में इस साल में समाज और पत्रकारिता में बेहतर काम करने वाले 20 पत्रकारों को सील्ड देकर सम्मानित किया। आये हुए मेहमानों और पत्रकारों का फूल मालाओ से स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान से की गई। प्रोग्राम व ऑल पत्रकार एसोसिएशन यमुनापार के संयोजक शमशाद अली मसूदी ने कहा कि मौजूदा दिल्ली और केंद्र सरकार ने हमारी तमाम सुविधाएं छीन ली है। उन्होंने कहा कि डी टी सी से पत्रकार सीट और अस्पताल से पत्रकार खिड़की से कई सुविधाएं दिल्ली सरकार ने छीन ली। इसी तरह केंद्र सरकार ने बहुत सारी सुविधाएं भी छीन ली है। अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व चैयरमेन जाकिर ने पत्रकारों कि बात सुनी और कहा कि आप कि सभी मांगो को दिल्ली के मुख्यमंत्री के पास रखूगा। और कोशिश करुँगा कि आप कि सभी मांगे पूरी हों।

सम्मान समारोह के दौरान वेब वार्ता समाचार एजेंसी के संपादक सईद अहमद ने कहा कि हमें मांगो के लेकर सचेत रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपनी जिम्मेदारी तो ईमानदारी से निभाते है लेकिन अपने हको कि लड़ाई नहीं लड़ते। हम सब को सरकार का हिस्सा बनना है। अपनी मांगो को सरकार मनमाना होगा। डॉ. संजीवशील ने कहा कि कोई भी पत्रकार अपने आप को कमजोर नहीं समझें, हर पत्रकार अपने आपए एक ताकत है उन्होंने कहा कि मेरे पिता पत्रकारिता करते थे और समाज के 30 किताबें भी लिखिबल एच एम हाशिम मलिक ने कहा कि जो ईमानदारी से समाज के लिए पत्रकारिता करते हैं। उनका समाज में अपना अलग स्थान होता है।

नर्स प्रैक्टिसनर क्रिटिकल केयर में 10 जून तक दाखिले का अवसर

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) ने नर्सों व मिडवाइफ के लिए शैक्षणिक सत्र 2024-25 से शुरू किए गए नए कोर्स नर्स प्रैक्टिशनर क्रिटिकल केयर में दस जून तक दाखिले का अवसर है। यह प्रोग्राम साकेत स्थित मैक्स इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एजुकेशन एंड ट्रेनिंग मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में उपलब्ध है। पंजीकृत नर्स या मिडवाइफ इस प्रोग्राम में दाखिले के लिए आवेदन कर सकती हैं। आवेदन के लिए आवेदक का बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी (नर्सिंग) या एमएससी (नर्सिंग) में 55 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

BIHARIJI ISPAT UDYOG LIMITED

REGD. OFFICE: 38, COMMUNITY CENTRE, GROUND FLOOR, BASANT LOK, VASANT VIHAR, DELHI-110057.
CORPORATE OFFICE: SECTOR-45, MATHURA ROAD FARIDABAD, HARYANA, INDIA, 121003
Ph.:+91-11-32946682, 26414057, Tele-Fax: +91-11-41674116 Email Id: biharijiispat@gmail.com
CIN: L27109DL1974PLC007047; Web-site: www.biharijiispat.com

Extract of Audited Consolidated Financial Results for the Quarter ended and year ended March 31, 2024

₹ In Lakhs

S. No.	PARTICULARS	Quarter Ended			Year Ended	
		31.03.2024	31.12.2023	31.03.2023	31.03.2024	31.03.2023
		audited	Un-audited	audited	audited	Audited
1	Total income from operations	647.05	528.31	11048.00	2266.00	13314.00
2	Net Profit/ (Loss) for the period (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary items)	22.53	25.72	9772.86	110.56	9810.96
3	Net Profit/ (Loss) for the period (after Exceptional and/ or Extraordinary items)	22.53	25.72	9790.63	110.56	9828.73
4	Net Profit/ (Loss) for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	(102.51)	(2.09)	9914.53	(47.84)	9919.63
5	Total Comprehensive Income for the period[Comprising Profit/ (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)	97.57	(2.03)	9914.67	152.36	9919.77
6	Equity Share Capital	600.00	600.00	600.00	600.00	600.00
7	Earnings Per Share (of Rs. 10/- each) (for continuing and discontinued operations)- (a) Basic (b) Diluted	1.62 1.62	(0.03) (0.03)	165.24 165.24	2.53 2.53	165.33 165.33

Notes:

1. The above is an extract of the detailed format of Consolidated Audited Financial Results for the quarter/ Year ended on March 31, 2024, filed with the Mertopolitan Stock Exchange of India under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Un-audited Financial Results for the quarter/ Year ended on March 31, 2024 is available on the Stock Exchange website viz. www.msei.in and on Company's website viz. https://www.biharijiispat.com/
2. The above audited financial results for the quarter/ Year ended on March 31, 2024 have been reviewed by the Audit Committee and have been approved by the Board of Directors in its meeting held on 30-05-2024.
3. The Standalone Financial Results of the Company-

S. No.	PARTICULARS	Quarter Ended			year ended
		(31/03/2024)	(30/12/2023)	(31/03/2023)	31-03-2024
		audited	Un-audited	audited	Audited
1	Total Income from operations	647.05	528.31	11048	2701.87
2	Profit before Tax	22.72	25.78	9790.77	110.56
3	Profit after Tax	-102.32	-2.03	9914.67	-47.84
4	Total Comprehensive Income	97.57	-2.03	9914.67	152.05

FOR BIHARIJI ISPAT UDYOG LIMITED
Sd/-
OM PRAKASH BHARDWAJ
Managing Director
DIN : 00060405

Place: Delhi
Date: 30-05-2024

मालीवाल मारपीट मामला: बिभव कुमार की याचिका पर अदालत ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के करीबी सहयोगी बिभव कुमार की उस याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार किए जाने या नहीं किए जाने के मसले पर अपना फैसला शुक्रवार को सुरक्षित रख लिया, जिसमें आम आदमी पार्टी (आप) की सांसद स्वाति मालीवाल पर कथित हमले के सिलसिले में उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी गई है।

पुलिस की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील ने याचिका पर नोटिस जारी किए जाने का इस आधार पर विरोध किया कि यह (याचिका) सुनवाई योग्य नहीं है। न्यायमूर्ति स्वर्णकांत शर्मा ने दोनों पक्षों की ओर से पेश वरिष्ठ वकीलों की दलीलें सुनने के बाद कहा, इस मामले के सुनवाई योग्य होने या नहीं होने को लेकर आदेश सुरक्षित रखा जाता है।

कुमार ने अपनी याचिका में अपनी गिरफ्तारी को अवैध और दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 41ए (पुलिस अधिकारी के समक्ष उपस्थित होने का नोटिस) के प्रावधानों का घोर उल्लंघन तथा कानून के विरुद्ध घोषित करने का निर्देश दिए जाने का अनुरोध किया है। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ वकील ने दलील दी कि धारा 41ए के अनुपालन संबंधी आपत्ति को अधीनस्थ अदालत ने पहले ही खारिज कर दिया है और इसलिए याचिकाकर्ता को रिट याचिका दायर करने के बजाय संबंधित आदेश के खिलाफ पुनरीक्षण याचिका दायर करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि एक वैकल्पिक समाधान है और याचिकाकर्ता को उसका इस्तेमाल करना चाहिए।

कुमार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील ने कहा कि उनकी गिरफ्तारी उनके मौलिक अधिकारों के साथ-साथ कानून का भी उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी की कोई आवश्यकता या कारण नहीं था। उन्होंने तर्क दिया कि किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता को हल्के में नहीं लिया जा सकता। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता को किसी अप्रत्यक्ष उद्देश्य से गिरफ्तार किया गया था, जबकि उनकी अग्रिम जमानत अधीनस्थ अदालत में लंबित थी और उन्होंने जांच में सहयोग करने की स्वयं इच्छा जताई थी।

दिल्ली की एक सत्र अदालत ने बिभव कुमार की जमानत याचिका सोमवार को खारिज कर दी थी। मालीवाल ने आरोप लगाया है कि 13 मई को जब वह मुख्यमंत्री से मिलने उनके आवास पर गई थी तो केजरीवाल के निजी सहायक कुमार ने उनके साथ मारपीट की थी। कुमार को 18 मई को गिरफ्तार किया गया था और तब से वह पुलिस हिरासत में हैं।

बीते 10 साल से कोई समाधान नहीं निकला : एलजी सक्सेना

नई दिल्ली। दिल्ली के कुछ हिस्सों में जल संकट को लेकर दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने एक वीडियो संदेश जारी किया है। इसमें उन्होंने दिल्ली सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, "पिछले कुछ समय से दिल्ली में जल संकट को लेकर दिल्ली सरकार का गैर ज़िम्मेदाराना रवैया दिखाई दे रहा है। दिल्ली में महिलाएं, बच्चे, बूढ़े, जवान जान जोखिम में डालकर एक बाल्टी पानी लेने के लिए टैंकरों के पीछे भाग रहे हैं। मुख्यमंत्री द्वारा 24 घंटे पानी सप्लाई करने का वादा एक छलावा साबित हुआ है।" उन्होंने कहा कि हरियाणा-उत्तर प्रदेश लगातार अपने निर्धारित कोटे का पानी दिल्ली को सप्लाई कर रहे हैं। इसके बावजूद आज दिल्ली में जल संकट की सबसे बड़ी वजह है कि जो पानी आ रहा है उसके 54% का कोई हिसाब नहीं है। 40% पानी पुरानी और जर्जर पाइपलाइन के कारण बर्बाद हो रहा है। उन्होंने कहा, "पिछले 10 साल में दिल्ली सरकार द्वारा हजारों करोड़ रुपए खर्च हुए, लेकिन इसके बावजूद समाधान नहीं निकला। इसी पानी को चोरी करके टैंकर माफिया को बेचा जा रहा है। एक तरफ दिल्ली के अमीर इलाके में प्रतिदिन औसतन प्रति व्यक्ति 550 लीटर पानी सप्लाई हो रहा है जबकि गांव-कच्ची बस्तियों में प्रतिदिन औसतन प्रति व्यक्ति 15 लीटर पानी सप्लाई हो रहा है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शनिवार, 01 जून, 2024

भीषण गर्मी में आग की घटनाओं को रोकने के लिए सारे जरूरी कदम उठा रहा है दिल्ली नगर निगम

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

भीषण गर्मी को देखते हुए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) दिल्लीवासियों की दिक्कतें कम करने को लेकर कई कदम उठा रहा है। मेयर डॉ. शैली ओबेरॉय ने भीषण गर्मी की मौजूदा स्थिति के मद्देनजर नगर निगम के सभी विभाग प्रमुखों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने दिल्ली में किसी भी दुर्घटना को रोकने के लिए सभी विभागों को एक विस्तृत हीट वेव एडवाइजरी जारी की। मेयर ने 31 मई तक सभी विभागों को अपनी एक्शन रिपोर्ट प्रस्तुत करने का भी आदेश दिया है।

जब से दिल्ली में भीषण गर्मी पड़नी शुरू हुई है, दिल्ली सरकार के भी सभी विभाग हाई अलर्ट पर हैं। केजरीवाल सरकार लगातार यह सुनिश्चित कर रही है कि दिल्लीवासियों के रोजमर्रा की जिंदगी पर इस हीट वेव का कोई बुरा प्रभाव न पड़े। एमसीडी के विभागों के प्रमुखों के साथ बैठक के बाज जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि स्वास्थ्य और हेल्थकेयर सुविधाओं में आग की घटनाओं को रोकने के लिए इंजीनियरिंग विभाग के साथ-साथ सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य इकाई प्रबंधकों को इन निदेशों का पालन करना आवश्यक होगा।

- अस्पतालों को आग बुझाने वाले यंत्र, हाइड्रेंट और अलार्म जैसे अग्निशमन उपकरणों की नियमित रूप से जांच होनी चाहिए ताकि जरूरत के समय ये उपकरण ठीक से काम करते मिलें।
- अग्नि सुरक्षा उपकरणों का नियमित रखरखाव और जांच की जानी चाहिए।
- नियमित रूप से इलेक्ट्रिकल लोड ऑडिट किया जाए, ताकि ये सुनिश्चित हो सके कि नेशनल इलेक्ट्रिकल कोड ऑफ इंडिया-2023 के अनुसार सिस्टम ओवरलोड न हों।
- आग की घटनाओं को रोकने के लिए धूम्रपान निषेध के आदेशों का सख्ती से पालन किया जाए, और ऑक्सीजन टैंक या पाइप वाली ऑक्सीजन वाले इलाकों में तापमान के स्त्रोतों को नियंत्रित करें।
- आग का शीघ्र पता लगाने के लिए अस्पताल के सभी इलाकों, विशेषकर मरीजों के कमरे, हॉल वे और सामान्य क्षेत्रों में स्मोक डिटेक्टर और अलार्म लगाएं।
- खास तौर पर रोगी देखभाल क्षेत्रों में अस्पताल निर्माण सामग्री और साज-सज्जा का ऑडिट करें ताकि ज्वलनशील वस्तुओं को गैर-ज्वलनशील या आग प्रतिरोधी विकल्पों से बदला जा सके,
- बिजली के भार की निगरानी करने और ओवरलोडिंग को रोकने के लिए बिजली प्रबंधन प्रणाली लागू करें।
- आईसीयू और ऑपरेशन थिएटर जैसे महत्वपूर्ण इलाकों में ऑटोमैटिक स्प्रिंकलर सिस्टम और होजपाइप से लगाएं।
- फायर विभाग से हर साल फायर सेफ्टी का नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट का रिन्यू करवाएं।
- कर्मचारियों, डॉक्टरों और मरीजों को इमरजेंसी के लिए तैयार रखने के लिए बाहर जाने और सुरक्षा का अभ्यास करवाएं।
- आग की घटनाओं के मामले में पालन की जाने वाली एक विस्तृत एग्जिट प्लान और एसओपी तैयार करें।
- 31 मई 2024 सभी अस्पतालों और हेल्थ यूनिट के प्रभारियों को अपनी एक्शन रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

बैठक के बाद मेयर डॉ शैली ओबेरॉय ने अपने एक्स हैंडल एक पर लिखा कि नगर निगम के सभी विभागों के प्रमुखों के साथ एक विस्तृत बैठक हुई, जिसमे भीषण गर्मी की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई और चर्चा के आधार पर सभी विभागों को हीट वेव को लेकर विस्तृत एडवाइजरी जारी की गई ताकि दिल्ली में कहीं भी कोई दुर्घटना न हो। 31 मई तक सभी को एक्शन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

भीषण गर्मी से किडनी और हृदय को गंभीर खतरा: डॉ मुनसफ

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा/कुआं खेड़ा। देशभर में तेजी से बढ़ती गर्मी-लू की स्थिति को संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना जा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं तेज गर्मी और समय के साथ बढ़ते तापमान के दुष्प्रभाव सिर्फ हीटस्ट्रोक और बेहोशी तक ही सीमित नहीं हैं, शरीर के विभिन्न अंगों पर भी इसके नकारात्मक असर हो सकते हैं। बृहस्पतिवार को हलपुरा घंसुरपुर मे स्थित हदिया हैल्थ क्लीनिक के संचालक डॉ मुनसफ अली ने लोगों से भीषण गर्मी से बचाव की अपील करते हुए कहा कि गर्मी से बचाव करते रहना सभी के लिए जरूरी है। जिन लोगों को पहले से ही डायबिटीज, हृदय रोग, ब्लड प्रेशर जैसी बीमारी है उनके लिए बढ़ते तापमान के और भी गंभीर दुष्प्रभाव हो सकते हैं। इसलिए उन लोगों को उच्च तापमान के संपर्क में आने से बचना जरूरी है। इससे हृदय पर अतिरिक्त दबाव बढ़ सकता है, याददाश्त में खराबी हो सकती है, निर्जलीकरण के कारण ऊर्जा में कमी और बेहोशी जैसी दिक्कतें बढ़ जाती हैं। मस्तिष्क से लेकर हृदय फेफड़ों, त्वचा और किडनी की सेहत भी प्रभावित हो सकती है। श्री अली ने आगे कहा कि तेज गर्मी में सांस लेने से फेफड़ों की कार्यक्षमता भी प्रभावित हो सकती है। पहले से ही फेफड़ों की समस्याओं के शिकार लोगों को गर्मियों में सूजन बढ़ने के साथ अस्थमा या सीओपीडी जैसी बीमारियों का खतरा हो सकता है। और अत्यधिक गर्मी का असर त्वचा पर भी पड़ता है।ऐसे स्थिति में त्वचा पर दाने हो सकते हैं। उच्च गर्मी और आर्द्रता की स्थिति में शरीर को खुद को ठंडा करने के लिए ठीक से पसीने का उत्पादन नहीं कर पाता है, जिससे त्वचा के लाल होने-गर्म होने के साथ तमाम प्रकार के त्वचा विकारों का जोखिम बढ़ सकता है। आखिर में बताया कि जो लोग अत्यधिक गर्मी के संपर्क में रहते हैं वह निर्जलीकरण के शिकार हो जाते हैं, तो इससे आपके किडनी की कार्यक्षमता भी प्रभावित हो सकती है। किडनी के लिए सामान्य रूप से अपशिष्टों को फिल्टर कर पाना कठिन हो जाता है, जिसके कारण कई प्रकार की गंभीर बीमारियों के जोखिम बढ़ने का खतरा हो सकता है।

ये बरते सावधानी...

लंबे समय तक बाहर धूप में रहने से बचें,खाने में स्वच्छता का ध्यान रखें

अमरोहा। समक्ष देश में जारी गर्मी के प्रकोप से बचने के लिए धूप से सीधे संपर्क में आने से परहेज करें।कोशिस करें कि दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच में घर से बाहर ना निकलें। लेकिन अगर दिन में निकलना जरूरी है तो सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें, साथ ही आप टैनिंग और सनबर्न से बचने के लिए छतरी, टोपी और ठंडा पानी साथ लेके निकलें। आगे कहा कि बाहर का तला भुना और खुले में बनाई गई कोई भी खाने की चीज से बचें, क्योंकि इस मौसम में साफ-सफाई पर बहुत ध्यान देने की जरूरत होती है. ऐसे मौसम में दूषित खान-पान से बचना चाहिए.

लिक्विड चीजों का ज्यादा सेवन करें

अमरोहा। जितना ज्यादा हो सके उतना लिक्विड डायट का प्रयोग करें।जैसे नींबू पानी, गन्ने का रस आदि. इस चीज का ध्यान दें कि ये सब ठंडा हो बफीर्ला नहीं, क्योंकि ऐसे अगर होगा तो दूसरी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती है. इस गर्मा में मौसमी फलों का जैसे खरबूज, तरबूज, आम, ककड़ी का लेवन जरूर करें. ध्यान दें कि शरीर में पानी की कमी ना हो.

एक बार में अधिक खाने से परहेज करें

अमरोहा।गर्मी में अधिक खाना खाने से परहेज करें, इससे अच्छा आप अपने दिन की शुरूआत मीठे और रसीले फल से कर सकते हैं,जिसमें चीकू, खरबूज और संतरा एक अच्छा विकल्प है, प्याज और खीरा सलाद के तौर पर जरूर खाएं क्योंकि इसमें पर्याप्त मात्रा में पानी पाया जाता है जो शरीर का तापमान नियंत्रित रखता है।

आरामदायक कपड़े पहनें

अमरोहा। गर्मी में बाहर निकलें तो अधिक डार्क रंग के और टाइट कपड़े ना पहनें, इससे पसीना अधिक आता है, डार्क रंग के कपड़ों में गर्मी अधिक लगती है, बेहतर है कि आप ढीले-ढाले और कॉटन के कपड़े पहनें, स्काई ब्लू, वाइट, ऑफ वाइट, लाइट पिंक आदि कलर बेस्ट होंगे इन दिनों पहनने के लिए, क्योंकि इनमें गर्मी अधिक नहीं लगती है।

मसालेदार भोजन का प्रयोग ना करें

अमरोहा। गर्मी में बहुत अधिक तेल और मसालेदार भोजन करने से बचें।साथ ही, बाहर ठेले पर मिलने वाले फूड आइटम्स का सेवन भी ना करें, क्योंकि इससे फूड पॉइजनिंग भी हो सकती है।ऐसा इसलिए, क्योंकि देर तक रखा भोजन जल्दी खराब हो जाता है। बाहर ना तो हाइजीन का ख्याल रखा जाता है और ना ही फ्रेश खाना मिलता है। लू, हीट स्ट्रोक से बचने के लिए घर का बना फ्रेश खाना खाएं, साथ ही डाइट में मौसमी सब्जियों और फलों को खूब शामिल करें।

नगर पालिका ने पक्षियों के लिये किया दाना पानी का इंतजाम

प्रात: किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

स्योहारा। अब की बार पड़ रही भीषण गर्मी में शरीर को झुलसा देने वाली धूप और 47 डिग्री से ऊपर के तापमान से वातावरण पूरी तरह से गर्म हो चुका है। जिससे मानव जाति से लेकर बेजुबान पशु, पक्षी गर्मी और उससे से लगने वाली पानी की प्यास से हलकान नजर आ रहे हैं। बार-बार पानी पीने पर भी प्यास नहीं मिट रही है और ये गर्मी जानलेवा साबित हो रही है इसी को देखते जहां एक और इंसानों की पानी की प्यास बुझाकर उन्हें प्यास से कुछ राहत देने के लिए अनेक सामाजिक संगठन शीतल जल के प्याऊ , ठंडे शरबत के छबील आदि के कैंप लगा रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर नगर पालिका परिषद स्योहारा के समाजसेवी अध्यक्ष फैसल वारसी और नरम दिल अधिशासी अधिकारी विजेंद्र सिंह पाल और उनके स्टाफ ने भलाई के काम मे एक कदम और बढ़ाते हुए बेजुबान पक्षियों की भूख और प्यास की चिंता की और गर्मी में राहत देने के लिय दाना पानी का इंतजाम कर एक अच्छा और सच्चा नेक काम किया है। इसके लिए नगर पालिका परिषद स्योहारा ने शुरूआती अभियान में 20 छोटे कंटेनर तैयार कराये हैं। उनको नगर के चौराहों और वृक्षों पर लगाया जाएगा तथा उनमें पानी और दाने का इंतजाम भी किया जाएगा। नगर पालिका परिषद के दयालु अधिशासी अधिकारी विजेंद्र सिंह पाल ने नगर वासियों से भी अपील करते हुए कहा कि वह भी अपने घरों की छत पर पक्षियों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था करें और उनके भोजन के लिए दाने का भी इंतजाम अवश्य करें। ताकि पड़ रही इस भीषण गर्मी में कोई भी पक्षी बिना पानी के ना रहे। क्योंकि पक्षी बेजुबान होते हैं वह किसी से अपनी फरियाद नहीं कर सकते। ऊपर वाले ने हम इस लायक बनाया है कि हमें ही उनका ख्याल रखना चाहिए। निस्वार्थ रूप और सेवा भाव से हम बेजुबान पक्षियों की सेवा करेंगे तो ऊपर वाला भी हमसे खुश होगा।

क्वालिटी केयर इन एमरजेंसी विषय पर चार दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन

- वैंकटेश्वरा स्कूल ऑफ नर्सिंग सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में हुआ विकसित: डा. राजीव त्यागी

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वैंकटेश्वरा विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ नर्सिंग की ओर से ह्यक्वालिटी केयर इन इमरजेंसीह्न विषय पर आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शानदार समापन हो गया` समापन समारोह में शानदार चिकित्सकीय सेवाओं इमरजेंसी में गम्भीर बिमारियों से जूझ रहे मरीजों की जान बचाने अहम भूमिका निभाने वाले 156 नर्सिंग एवं पैरामेडिकल प्रोफेशनल्स को समूह चेयरमैन डा. सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी, मुख्य अतिथि रेडक्रॉस सोसायटी के आफिशियल ट्रेनर डा. नीरज धर जुयाल एवं डीन नर्सिंग डा. एना एरिक ब्राउन ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। श्री वैंकटेश्वरा संस्थान के डा. सी.वी. रमन सभागार में चार दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के समापन समारोह का शुभारम्भ समूह चेयरमैन डा. सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी, मुख्य अतिथि/ वक्ता रेडक्रॉस सोसायटी ऑफ इंडिया के आफिशियल ट्रेनर डा. नीरज धर जुयाल, नर्सिंग डीन डा. एना एरिक ब्राउन आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्वलित करके किया।अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि/ वक्ता डा. नीरज धर जुयाल ने कहा कि आज प्रशिक्षित नर्सिंग प्रोफेशनल्स की गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण एवं प्रभावी केयर के बल पर देश भर में प्रतिवर्ष सड़क दुर्घटना, आकस्मिक चोट एवं एक्यूट हार्ट फेल जैसी गंभीर घटनाओं से होने वाली 10 लाख से अधिक मौतों को काफी हद तक रोकने में सफलता मिली है। आज भारतवर्ष के प्रशिक्षित नर्सिंग/ पैरामेडिकल प्रोफेशनल्स पूरी दुनिया में प्रभावी रूप से स्वास्थ्य सेवाओं की बागडोर सम्भाल रहे है।समापन समारोह के इस अवसर पर डीन नर्सिंग डा. एना एरिक ब्राउन, डा. मनीष शर्मा, डा. वाल्टर, डा. मंजरी राणा, अनुषा कर्णवाल, नीमा, पूजा सिंह, सिमरन प्रीत कौर, सुमनदीप कौर आदि लोग उपस्थित रहे है।

स्कूटी चुराकर उसका बदलता रंग, गोयला डेयरी से दबोचा

संवाददाता

टू व्हीलर चोरी करके उसका कलर चेंज करने वाले एक बदमाश और उसके साथी को एंटी बरगली सेल की टीम ने गिरफ्तार किया है। यह दोनों छावला थाना के घोषित बीसी भी हैं। इनके पास से चोरी की दो मोटरसाइकिल, एक स्कूटी और चोरी के दो मोबाइल बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार दोनों बदमाशों की पहचान दीपक उर्फ चेला और करण तिवारी के रूप में हुई है। डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि करण तिवारी पहले से 30 मामलों में और दीपक छह मामलों में शामिल रहा है। इनकी गिरफ्तारी से बिंदापुर, द्वारका नॉर्थ, छावला, राजौरी गार्डन, डाबड़ी थाना के सात मामलों का खुलासा किया गया है। इंस्पेक्टर विवेक मंडोला, सहायक सब इंस्पेक्टर कृष्ण की टीम को इनके बारे में इनफार्मेशन मिली थी। उस सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने इनको पकड़ने के लिए कई बार छापेमारी की। लेकिन हर बार यह पुलिस को चकमा देकर फरार हो जाता था। इस बार हेड कांस्टेबल अनिल को एक स्पेसिफिक इनफार्मेशन मिली तो पुलिस टीम ने गोयला डेयरी के पास ट्रैप लगाया और इन दोनों को धर दबोचा। जब यह चोरी की मोटरसाइकिल से जा रहे थे, जो मोटरसाइकिल बिंदापुर थाना इलाके से चोरी की निकली।

इनकी तलाशी ली गई तो उनके पास से दो मोबाइल बरामद किए गए जो द्वारका नॉर्थ और छावला इलाके से चुराए गए थे। फिर इनकी निशानदेही पर एक और स्कूटी बरामद की गई, जिस पर नंबर प्लेट नहीं लगा हुआ था। उस स्कूटी को कुतुब विहार इलाके में छुपाकर रखा था। उसका कलर भी इन्होंने चेंज कर दिया था। पूछताछ में पता चला कि यह लोग कई बरसों से इस तरह की वारदात में शामिल हैं। दीपक टू व्हीलर चोरी करने के बाद उसका कलर चेंज करने में माहिर था।जिससे कि पता ना चल सके। जबकि करण तिवारी की गिरफ्तारी के लिए दो अलग अलग मामलों में गैर जमानती वारंट भी इशू

चोरी की स्कूटी से घूम रहे बदमाश को पुलिस ने दबोचा

नई दिल्ली। तिलक विहार पुलिस चौकी की टीम ने गश्त के दौरान चोरी की स्कूटी से घूम रहे एक वाहन चोर को 29 मई की दोपहर केशोपुर मंडी, संतगढ़ से गिरफ्तार किया है। आरोपी सोनू सिंह के पास से पुलिस ने चोरी की दो स्कूटी बरामद की है। पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि तिलक विहार पुलिस चौकी में तैनात एसआई नरेश, हेडकांस्टेबल बीरबल और कांस्टेबल सुनील के साथ 29 मई को गश्त पर निकले थे। पुलिसकर्मी गश्त के दौरान केशोपुर मंडी संतगढ़, तिलक नगर के पास नाला रोड सपेरा बस्ती पहुंचे, तो उन्होंने एक संदिग्ध हो स्कूटी पर देखा। वह पुलिस को देखकर भागने की कोशिश करने लगा। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे दबोच लिया। पूछताछ में स्कूटी चोरी की निकली। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर एक और स्कूटी बरामद की गई।

तिलक विहार पुलिस ने सपेरा बस्ती के पास पकड़ा चोर

संवाददाता

तिलक विहार पुलिस चौकी की टीम ने एक ऑटो लिफ्टर को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान सोनू सिंह के रूप में हुई है। इसके पास से चोरी की दो स्कूटी बरामद की गई है। यह गुरु नानक नगर, तिलक नगर का रहने वाला है। पहले से भी अपराधिक मामले में शामिल रहा है। दोनों बरामद की गई स्कूटी पश्चिम विहार वेस्ट और अमन विहार इलाके से चुराई गई थी। डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि चौकी इंचार्ज नरेश, हेड कांस्टेबल बीरबल और सुनील इलाके में पेट्रोलिंग कर रहे थे। उनकी नजर सपेरा बस्ती, नाला रोड पर पड़ी। जब एक युवक स्कूटी से जा रहा था। पुलिस को उसकी गतिविधि पर शक हुआ। जब उसे रोककर पूछताछ की गई और स्कूटी को चेक किया गया तो जिस स्कूटी से जा रहा था, वह पश्चिम विहार वेस्ट थाना इलाके से चोरी की निकली। उसके बाद उससे आगे की पूछताछ की गई तो उसने एक और चोरी की स्कूटी के बारे में बताया जो अमन विहार से चोरी की निकली। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

दिल्ली में कैब चालक की चाकू मारकर हत्या

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में 28 वर्षीय एक कैब चालक की चाकू घोंपकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार रात 11 बजकर 50 मिनट पर एक घायल व्यक्ति के बारे में सूचना मिली थी जिसके बाद पुलिस के एक दल को घटनास्थल पर भेजा गया।

उसने बताया कि शास्त्री पार्क निवासी जौहर अब्बास को एक अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने बताया कि उसके शरीर पर चाकू के घाव थे।

उसने बताया कि इस मामले के आरोपियों को पकड़ने के लिए तलाश शुरू कर दी गई है।

आईजीआई एयरपोर्ट पर 1.28 करोड़ का गोल्ड बरामद

- बैंकॉक से छुपाकर लाया था, टॉयलेट वाले में छुपाया था

संवाददाता

इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम की टीम ने एक करोड़ 28 लाख से ज्यादा का गोल्ड बरामद किया है। जिसे तस्करी करके बैंकॉक से भारत लाया गया था। लेकिन कस्टम की टीम ने आईजीआई एयरपोर्ट पर इस गोरखधंधे का खुलासा किया। हालांकि इस मामले में किसी को भी अभी पकड़ा नहीं गया है। क्योंकि गोल्ड को केमिकल पेस्ट में मिलाकर फ्लाइट के टॉयलेट वाले हिस्से में छुपाकर लाया गया था। ऊपर से ब्लैक पेस्ट के रूप में नजर आ रहा था। कस्टम के ज्वाइंट कमिश्नर एन वरुण कौंडिया ने बताया कि दो ब्लैक कलर का पाउच मिला था। उसमें गोल्ड पेस्ट को केमिकल में छुपाकर स्मगलिंग करके लाया गया था। जांच में 2017 ग्राम कुल गोल्ड मिला। जिसकी कीमत 1 करोड़ 28 लाख 96 हजार से ज्यादा बताई जा रही है। बरामद गोल्ड को जप्त कर लिया गया है और आगे इस मामले में छानबीन की जा रही है। जिससे पता चल सके यह गोल्ड पेस्ट किस हवाई यात्री के द्वारा ट्वायलेट वाले एरिया में छुपाकर लाया गया था।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस: श्री वैंकटेश्वरा में तम्बाकू मुक्त भारत अभियान का शुभारम्भ

तम्बाकू एवं धूम्रपान निषेध जागरुकता अभियान चलायेगा वैंकटेश्वरा:डॉ. राजीव त्यागी

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। श्री वैंकटेश्वरा संस्थान एवं विम्स मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में ह्वविश्व तम्बाकू निषेध दिवसह्व पर धूम्रपान एवं तम्बाकू सेवन के दुष्परिणामो एवं पूरे विश्व में इसके बढ़ते दुष्प्रभाव के विरुद्ध आज जन-मानस विशेष रुप से युवाओ को इससे बचाने को लेकर ह्वराष्ट्रीय सेमीनारह्व का आयोजन किया गया, जिसमे देश के सुप्रसिद्ध एक दर्जन से अधिक चिकित्सको ने इसके दुष्परिणामो के बारे में विस्तार से समझाते हुए इन जानलेवा उत्पादो से बचने की सलाह दी। इसके अलावा ह्वधूम्रपान निषेधह्व को लेकर एवं पूरे राष्ट्र में इसे पूर्ण रुप से ह्वप्रतिबंधितह्व करने के लिए संस्थान परिसर में जागरुकता रैली का आयोजन भी किया गया।ह्वविश्व तम्बाकू निषेध दिवसह्व पर आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार व जागरूकता रैली का शुभारम्भ वैंकटेश्वरा समूह के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. सुधीर गिरि, आई.ए.एस. श्री राजेश त्यागी, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, ए.डी.एम. श्री सुरेन्द्र सिंह, एडिशनल एस.पी. राजीव सिंह, डा. बी.एन.सिंह, डा. महेंद्र सिंह, डा. हबीब उर रहमान आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया। राष्ट्रीय सेमीनार को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता चिकित्सक डा. महेंद्र सिंह ने कहा कि तम्बाकू सेवन की भयावहता का अन्दाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रतिवर्ष धूम्रपान विश्व में 70 लाख से अधिक लोगो की जान ले लेता है। जिसमें 40 लाख से अधिक लोग ह्वप्लमोनरी कैन्सरह्व (फेफड़ो के कैन्सर) से ही मर जाते है। श्री वैंकटेश्वरा विश्वविद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष, वैंकटेश्वरा समूह डा. सुधीर गिरि ने कहा कि विश्वविद्यालय के मेरठ/ गजरौला दोनो कैम्पस अपने शिक्षको एवं छात्र-छात्राओ के साथ मिलकर धूम्रपान के विरूद्ध जागरुकता अभियान चलाकर लोगो से धूम्रपान ना करने की अपील करेगे । प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने कहा कि संस्थान ह्वधूम्रपान को ना-जिन्दगी को हाँह्व के सन्देश के साथ पूरे देश में सरकार से ह्वतम्बाकू को प्रतिबंधितह्व करने की अपील करेगा।इसके बाद ह्वधूम्रपान एवं तम्बाकू सेवनह्व के विरुद्ध परिसर में जागरुकता रैली का आयोजन किया गया।राष्ट्रीय सेमीनार को विख्यात चिकित्सक डॉ. एच.के.सिंह, डॉ. एम.के. बैनर्जी, डॉ. नमिता जग्गी (दिल्ली), आदि ने भी सम्बोधित किया तथा इसके साथ ही धुम्रपान निषेध पर छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर लोगो से धुम्रपान छोड़ने की अपील की` इस अवसर पर कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के डॉ. हबीब उर रहमान, कार्यक्रम संयोजक, डॉ. बी एन सिंह विभागाध्यक्ष, डॉ. महेंद्र सिंह सहायक मुख्य प्रवक्ता, डॉ. अलंकृता जैन, डॉ. रूपायन, डॉ कोमल सैनी, नवनीत कुमार, विकास कुमार, मनीष कुमार, गजेंद्र सिंह, परवेन्द्र कुमार भारतीय, राहुल अग्निहोत्री, अरविंद कुमार, सुदेश चौधरी, अनिकेत पंत, हम्माद अली अहमद, मिशाल अहमद, फरदीन आफताब, फरजाना बानो, सामिया फरहीन, मेघना पवार, शगुफ्ता खान मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

सोनल मानसिंह ने वर्चुअल रियलिटी के दौर में भी कला के प्रति ऋषा के जुनून को सराहा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

भारतीय पारंपरिक नृत्य परंपरा दो हजार साल से भी ज्यादा पुरानी है, जिसने सही मायने में हमारी सदियों पुरानी गुरु-शिष्य परंपरा और संस्कृति को अक्षुण्ण रखा है। इसकी झलक राजधानी के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित ऋषा टंडन और उनके अरंगेत्रम समारोह में देखने को मिली, जिसमें मनोरंजन जगत की कुछ प्रसिद्ध हस्तियों ने गुरुवार को इस खास शाम की शोभा बढ़ाई। इनमें श्रेयसी गोपीनाथ, पद्म भूषण और पद्म विभूषण से सम्मानित राज्यसभा सांसद और भारत की प्रतिष्ठित सांस्कृतिक हस्ती डॉ. सोनल मानसिंह और राकेश शर्मा सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर डॉ. सोनल मानसिंह ने कहा कि अरंगेत्रम के अवसर पर ऋषा न केवल सालों के समर्पित प्रशिक्षण की परिणति की बल्कि एक सच्ची कलाकार के रूप में उभरने की भी गवाह बनी। उन्होंने कहा कि मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि वर्चुअल रिएलिटी के इस दौर में भी ये युवा शिष्य इस कला के प्रति कितना जुनून और विश्वास दिखा रहे हैं। उन्होंने ऋषा को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह समर्पण और जुनून से डांस करना जारी रखें, क्योंकि यह भरतनाट्यम की आत्मा है, जो आपके माध्यम से बोलती है।

ऋषा टंडन ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह सर्वश्रेष्ठ भरतनाट्यम डांसर्स में से एक बनना चाहती हैं। साथ ही वे अरंगेत्रम परफॉर्मेंस को अपनी गुरु और परिवार के सदस्यों को समर्पित करती हैं, जिन्होंने उनके साथ यह सपना देखा।

उल्लेखनीय है कि ऋषा टंडन ने सात साल की उम्र से ही श्रेयसी गोपीनाथ डांस अकादमी से भरतनाट्यम की कला को सीखना शुरू कर दिया था। गुरु श्रेयसी गोपीनाथ के मार्गदर्शन में वह एक बेहतरीन डांसर के रूप में उभरी हैं। पिछले नौ वर्षों में उन्होंने इस क्लासिकल डांस फॉर्म की बारीकियों और सटीक तकनीकों को सीखा। ऋषा को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तहत सांस्कृतिक संसाधन और प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) से डांस स्कॉलरशिप मिली है।

उन्होंने प्राचीन कला केंद्र, चंडीगढ़ (कला और संस्कृति को समर्पित संगठन) से क्लासिकल डांस में पांच वर्षीय प्रारंभिक एवं भूषण पाठ्यक्रम पूरा किया है। उन्हें प्रगति मैदान में साहित्य कला केंद्र, एससीईआरटी, किरण नादर कला एवं संस्कृति संग्रहालय और यशराज भारती सम्मान द्वारा आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का हिस्सा बनने का मौका मिला है। ऋषा ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय डांस प्रतियोगिताओं में इनाम भी जीते हैं।

कैब बुक कर चालक को लूटने वाला बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। जाफरपुर कलां थाना पुलिस ने ऐप आधारित कंपनी से कैब बुक कर चालकों को लूटने वाले युवक को 29 मई को गिरफ्तार किया है। आरोपी चिराग सहरावत के पास से फोन और शिकायतकर्ता से लूटे गए पैसे बरामद किए गए हैं। आरोपी अभी तक चार कैब चालकों को बुलाकर लूटने की बात स्वीकार कर चुका है। पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि 27 मई की रात एक कैब चालक अयान ने लूट की शिकायत दी थी। पीड़ित ने बताया कि बहादुरगढ़ से सेक्टर-84 गुरुग्राम, एचआर तक के लिए उसे बुकिंग मिली थी। वह सवारी को लेकर चल दिया। रास्ते में सवारी ने रास्ता बताया और शार्ट कट बताकर कैर गांव की ओर ले गया। सवारी ने कैब चालक को सुनसान रास्ते पर रोककर पीटना शुरू कर दिया। आरोपी ने कैब चालक से पैसे लूट लिए और फरार हो गया। मौके पर लगे सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस ने आरोपी का फोटो बरामद कर उसकी पहचान की और कैर स्थित उसके घर पर छापा मारकर गिरफ्तार कर लिया।

संक्षिप्त खबरें

एक महिला के साथ मारपीट कर किया घायल

जमुई [झाझा] सिमुलतला थानाक्षेत्र के नागवे गांव में एक महिला के साथ कुछ लोगों के द्वारा मारपीट कर घायल कर दिया। घायल महिला को परिजनों की मदद से इलाज के लिए रेफरल अस्पताल झाझा लाया गया जहां चिकित्सक के द्वारा घायल महिला का इलाज किया गया। घायल महिला की पहचान रूबिया देवी के रूप में हुई है। घायल महिला ने बताया कि मै अपने घर पर थी कि तभी गोतिया के तीन से चार लोग आया और गाली गलौज करने लगा जिसका विरोध किया तो वे लोग मेरे उपर ईट चलाते हुए मारपीट किया जिसमें मेरा सिर फट गया और मै घायल हो गई।

दामाद ने ससुराल में अपने दादाससुर के साथ मारपीट कर किया घायल

जमुई [झाझा] ससुराल में पहुंचकर दामाद ने अपने पत्नी के साथ विवाद करते हुए बुर्जुग दंपति के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया। घटना थानाक्षेत्र के छापा पंचायत के कोड़वाडीह गांव का है। मारपीट में गंभीर रूप से घायल बुर्जग की पहचान भरत यादव के रूप में हुई जिसे लोगों की मदद से इलाज के लिए रेफरल अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां उसका इलाज डॉक्टर के द्वारा किया गया। घायल बुर्जुग ने बताया कि मेरी पोती की शादी सोनो थानाक्षेत्र के भीठरा गांव में अजय यादव के साथ हुई है। शुक्रवार को अजय आधा दर्जन से अधिक लोगों को लेकर अपनी पत्नी का अपने घर ले जाने के लिए कोड़वाडीह आया और उसके साथ जबरदस्ती करते हुए घर ले जाने की कोशिश किया जिसको लेकर मेरी पोती और अजय के बीच विवाद हो गया। जिसपर मै अजय को समझाने के लिए गया तो अजय ने मेरे साथ मारपीट करने लगा और जब मेरी पत्न ी मुझको बचाने के लिए आई तो उसके साथ अजय ने धक्का मुक्की किया। इस घटना में पीड़ित परिवार के द्वारा थाना में आवेदन नही दिया गया।

शिक्षिका के पति ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर प्रधानाध्यापक को जमकर की पिटाई

- स्कूल में हंगामे की वीडियो भी हो रही वायरल
- शिक्षा विभागीय अधकारी ने दिया दोषी पर कार्रवाई का भरोसा

प्रात : किरण संवाददाता

बिहार में भले हीं शिक्षा विभाग अच्छे और बुरे कार्यों को लेकर इन दिनों लगातार सुर्खियों में है,वहीं ताजा मामला मधेपुरा शिक्षा विभाग से भी जुड़ा है,जहां मधेपुरा के एक सरकारी स्कूल की शिक्षिका पति ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर स्कूल में जबरन घुसकर हेडमास्टर साहब की जमकर पिटाई कर दी । स्कूल परिसर में हंगामे की एक वीडियो भी काफी तेजी से वायरल हो रही है, हालांकि ये मामला भराहीं थाना क्षेत्र अंतर्गत उत्क्रमित कन्या मध्य विद्यालय बुधमा गोठ का है । जहां मुरहो वार्ड संख्या 10 निवासी स्कूल के प्रधान शिक्षक अमित कुमार से जुड़ा है बताया जा रहा कि किसी बात को लेकर शिक्षिका पूनम कुमारी की पति ने प्रधान शिक्षक अमित कुमार की पिटाई कर जिससे अमित कुमार के सर में चोटे आई है। वहीं इस मामले को लेकर शिक्षा विभाग और भराहीं थाना में आवेदन देकर न्पीड़ित प्रधान शिक्षक ने न्याय की गुहार लगाई है। हालांकि घटना बीते 30 मई की है इस मामले में आज ग्रामीणों ने बैठक कर आरोपी पर कार्रवाई की मांग भी शिक्षा विभाग से रखी है । बता दें कि इस घटना को लेकर पीड़ित प्रधान शिक्षक अमित कुमार ने बताया कि गुरुवार को दिन के लगभग 12 बजे स्कूल समय में भदोल निवासी राकेश कुमार और अपने अन्य सहयोगियों के साथ अचानक से काले बुलेट पर सवार होकर स्कूल कैंपस में घुस गये और उनके साथ गाली गलौज कर मारपीट की। इनलोगों ने बिना किसी कारण के उनके सिर पर धारदार हथियार से हमला कर दिया और लात,घूंसा, रॉड से बुरी तरह मारपीट करने लगे। स्कूल में हो हंगामे की आवाज सुनकर आस पास के लोग भी वहाँ पहुँचे और उनकी जान बचाई। हमलावरों ने स्कूल कार्यालय में रखे उपस्थिति पंजी व अन्य जरूरी कागजात भी फाड़ दिया और धमकी देते हुए वहाँ से भाग निकले। उन्होंने बताया कि इस घटना का वीडियो भी उनके पास मौजूद है। हालांकि स्थानीय लोगों के मुताबिक आरोपी हमलावर इसी विद्यालय के शिक्षिका पूनम कुमारी के पति हैं। इधर घटना को लेकर भराहीं थाना अध्यक्ष मनोज कुमार बच्चन ने बताया कि पीड़ित के द्वारा आवेदन प्राप्त हुआ है। पुलिस मामले की छानबीन कर रहीं है। वहीं शिक्षा विभाग के बीपीएम भवेश यादव ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते हीं जांच हेतु अपने बीआरसी से अधिकारी को स्थल निरीक्षण करने तथा मामले की सच्चाई जानने भेजा गया था मामला सही है इस दिशा कार्रवाई को लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी को भी पत्र भेजा गया है इस दिशा में दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हेतु अग्रसारित किया जा चुका बहुत जल्द कार्रवाई की जाएगी। वहीं स्कूल में बैठक के बाद ग्रामीणों ने भी शिक्षा विभाग से कार्रवाई की मांग रखी है ताकि फिर ऐसी घटना दुबारा किसी शिक्षक के साथ ना घटित हो सके।

5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर प्रतियोगिता आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

जमुईः साइकिल यात्रा एक विचार, जमुई के बैनर तले आगामी 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर लोगो को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य को लेकर 1 जून से 7 जून तक पर्यावरण जागरूकता सप्ताह मनाया जाएगा। इसके तहत 10 रचनात्मक विषय पर पर्यावरण बचाओ प्रतियोगिता 4.0 नामक 2024 (SEC -4.0) प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

प्रतियोगिता में कब क्या होगा आयोजन।, 01 जून - फोटोग्राफी प्रतियोगिता, 02 जून - कविता/स्लोगन प्रतियोगिता, 03 जून - क्विज प्रतियोगिता (ऑफलाइन)/ पौधा संरक्षण प्रतियोगिता (ऑनलाइन), 4 जून - चित्रकला/निबंध प्रतियोगिता, 05 जून - सेल्फी विथ ट्री प्रतियोगिता, 06 जून - पक्षी संरक्षण प्रतियोगिया,

मंच के संस्थापक सदस्य विवेक कुमार ने बताया की मंच द्वारा इस तरह प्रतियोगिता का आयोजन वर्ष 2020, 2022, 2023 में किया गया है जिसका उद्देश्य लोगो को पर्यावरण के प्रति अधिक से अधिक जागरूक करना है। पूर्व के प्रतियोगिता में हजारों प्रतिभागी ने अपने रचनात्मक कार्य के अनुसार पर्यावरण प्रतियोगिता में भाग लिए जिससे अन्य लोगो में भी प्रतिस्पर्धा आई और लोगो में पर्यावरण के प्रति जागरूक हुए। इस वर्ष भी हजारों लोगों को इस प्रतियोगिता के माध्यम से जागरूक करने का लक्ष्य रखा गया है।

मंच के सदस्य राहुल राठौर ने बताया की इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले इच्छुक प्रतिभागी हर दिन निर्धारित तिथि को सबंधित विषय पर लिंक मंच के साइट पर और सोशल साइट पर सुबह 8 बजे से रात 12 बजे उपलब्ध रहेगा। जहां भाग लेने वाले प्रतिभागी को सारी जानकारी, शर्ते उपलब्ध कराई जाएगी।

सदस्य शैलेश भारद्वाज द्वारा बताया की सफल तीन प्रतिभागी को मैडल, मैनोटो, प्रमाणपत्र और फलदार पौधे का वितरण कर सम्मानित किया जाएगा। सभी प्रतियोगिता बढ़ती तापमान को देखते हुए क्यूज प्रतियोगिता को छोड़कर ऑनलाइन आयोजित किए जायेगे। प्रतिभागी का सबसे तीन बेहतर का चयन पांच चयनकताओं द्वारा किया जाएगा जो विभिन्न क्षेत्र से संबंधित होगे। सभी सदस्यो ने लोगो से इस तरह प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए अपील की गई।

विद्यालय एचएम व बीईओ को देना है घोषणा पत्र

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर/जमुई जिला शिक्षा पदाधिकारी राजेश कुमार ने जिले के सभी बीईओ व सभी कोटी के विद्यालय प्रधान को निर्देश दिया है कि अपर मुख्य सचिव शिक्षा विभाग बिहार पटना के द्वारा आयोजित विभागीय वीडियोकॉन्फ्रेंसिंग एवं इसी क्रम में विभिन्न विभागीय पत्रों के माध्यम से जिले के सभी सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों का प्रतिनियोजन नहीं करने का निर्देश प्राप्त है। उपयुक्त परिप्रेक्ष्य मैं विभागीय निर्देश के निमित अनुपालन में अधोहस्ताक्षरी द्वारा कतिपय पत्रों के माध्यम से प्रतियोजना/प्रतिनियुक्ति को तत्काल प्रभाव से रद्द करते हुए 24 घंटे के अंदर संबंधित शिक्षक को अपने मूल विद्यालय में योगदान करने का आदेश दिया गया है। लेकिन जिले में विभिन्न विद्यालय के निरीक्षण/अनुश्रवण के दौरान सूचना प्राप्त हो रही है कि उक्त आदेश निर्गत रहने के बावजूद भी कतिपय शिक्षक प्रतिनियुक्ति का हवाला देते हुए प्रतिनियुक्ति विद्यालय में अनाधिकृत रूप से बने हुए हैं और अपने मूल विद्यालय में अब तक योगदान नहीं किए हैं,जबकि वास्तविक तथ्य यह है कि शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति पूर्व में ही रद्द हो चुकी है। उन्होंने कहा कि इस आदेश के निर्गत होने के फलस्वरुप संबंधित शिक्षकों को अपने-अपने मूल विद्यालय में योगदान कर लेना चाहिए था, किंतु ऐसा नहीं किया गया है जो विभागीय नियम के प्रतिकूल रहने के साथ-साथ या पूर्णताः अनियमित एवं अमान्य है। भविष्य में यदि पुणः यह मामला संज्ञान में आता है तो उक्त प्रतिनियुक्ति अवधि का भुगतान का दायित्व शिक्षा विभाग की नहीं होगी और संबंधित शिक्षक के द्वारा किए गए कार्य की भुगतान हेतु संबंधित विद्यालय के प्रधान जिम्मेदार होंगे,जिनके द्वारा प्रतिनियुक्ति रद्द होने के पश्चात भी शिक्षक को मूल विद्यालय में योगदान करने हेतु कार्य विरमित नहीं किया गया।इधर स्थापना डीपीओ ने सभी बीईओ से शिक्षकों का प्रतिनियोजन नहीं रहने से संबंधित प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने निर्देश दिया कि अधोहस्ताक्षरी को इस आशय का प्रमाण पत्र 24 घंटे के अंदर उपलब्ध कराई जाए कि आपके प्रखंड अवस्थित एक शिक्षकीय विद्यालय को छोड़कर किसी भी विद्यालय,कार्यालय में शिक्षक- शिक्षिका प्रतिनियुक्त होकर शिक्षण कार्य,कार्यालय कार्य नहीं कर रहे हैं। इस आशय का प्रमाण पत्र विद्यालय के प्रधानाध्यापक,प्रभारी प्रधानाध्यापक से प्राप्त कर सकते हैं। भविष्य में यदि कोई भी शिक्षक शिक्षिका आपके प्रखंड विद्यालय में प्रतिनियुक्ति पाये जाएंगे तो जवाबदेही तय करते हुए कड़ी कार्रवाई की बाध्यता होगी।

रतनपुर में सड़क पर पेड़ गिरने से बिजली आपूर्ति बाधित, घंटो आवागमन ठप

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर- जमुई मुख्य मार्ग के रतनपुर चौक के समीप शुक्रवार को आई तेज हवा के कारण विद्युत तार पर एक बड़ा शीशम का पेड़ गिर गया। सड़क पर पेड़ गिर जाने से आवागमन जहां घंटो बाधित रहा, वहीं बिजली आपूर्ति भी घंटो बंद रही। सड़क के दोनों ओर छोटी- बड़ी गाड़ियों की लंबी कतार लग गई जबकि वहीं बिजली विभाग के कर्मियों के काफी मशक्कत करने के बाद बिजली आपूर्ति बहाल किया गया। सड़क पर पेड़ गिर जाने की सूचना पर बिजली विभाग के विद्युत कर्मी एवं स्थानीय पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से पेड़ की डाली को छाट कर सड़क से हटाया, तब जाकर आवागमन को चालू किया गया।

निर्देश-प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों के लिए जारी हुआ निर्देश, बच्चों को गृहकार्य दें तो चेक भी करें

- बच्चों का आधार जरूरी वरना लाभ से होंगे वंचित

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौर। अपर मुख्य सचिव के के पाठक द्वारा वीडियोकॉन्फ्रेंसिंग में दिए गए निर्देश के आलोक में जिला शिक्षा पदाधिकारी राजेश कुमार द्वारा जिले के सभी सरकारी विद्यालय के प्रधानाध्यापक और शिक्षकों के लिए निर्देश जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि कोई भी शिक्षक प्रतिनियुक्ति पर नहीं रहेंगे। सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ध्यान देंगे कि यदि कोई शिक्षक जो प्रतिनियुक्ति में है और आज तक अपने मूल विद्यालय में योगदान नहीं किए हैं उनका वेतन भुगतान मूल विद्यालय में उपस्थिति विपरणी पर ही किया जाएगा। प्रायः ऐसा पाया जाता है कि बच्चों को गृह कार्य नहीं दिया जाता है और जहां दिया भी जाता है वहा गृह कार्य नहीं किया जाता है।जमुई जिले में निरीक्षण के दौरान जांच किया गया तथा संबंधित शिक्षक के विरोध कार्रवाई भी किया गया।लिहाजा सभी शिक्षक बच्चों को गृह कार्य देना प्रारंभ कर दें।

ई-शिक्षा कोष पर स्टूडेंट्स इंट्री करना है। यह इंट्री केवल बीआरसी अथवा आईसीटी लैब में कंप्यूटर शिक्षक के द्वारा किया जाना है। ध्यान देना है कि डाटा की सटीकता 100% हो। सभी प्रधानाध्यापक अपने-अपने बच्चों का इंट्री ई-शिक्षा कोष पर करवाना सुनिश्चित करें। इसके लिए सभी बच्चों का आधार कार्ड होना अनिवार्य है तभी उसकी प्रविष्टि ई शिक्षा कोष पर किया जा सकेगा। आधार कार्ड नहीं होने पर बच्चों को डीबीटी, पाठयपुस्तक,ड्रेस,एफएलएन किट इत्यादि लाभ से वंचित रहना पड़ेगा। सभी प्रधानाध्यापक आधार केंद्र जो चिन्हित विद्यालय में स्थित है बच्चों का आधार कार्ड बनवाएंगे।सभी विद्यालयों में मिशन दक्ष की परीक्षा ली गई है।सभी शिक्षक परीक्षा की उत्तर पुस्तिका की जांच करेंगे।इसका अनुश्रवण भी किया जाएगा। यदि किसी विद्यालय में बिना जांच किए अंक दिए जाएंगे तो कार्रवाई की जाएगी।गौरतलब हो कि भीषण गर्मी व हीटवेव की वजह से बिहार सरकार के मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा के आदेश पर जिला पदाधिकारी जमुई द्वारा बीते 30 मई से आगामी 8 जून तक सभी शिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक कार्य बंद रखा गया है। लेकिन शिक्षकों को पूर्ववत विद्यालय आना है। विद्यालय में शिक्षक मिशन दक्ष की मूल्यांकन की कॉपी जांच करेंगे,ई शिक्षा कोष पोर्टल पर सभी स्टूडेंट्स की डाटा इंट्री कराएंगे।तथा एडमिशन कार्ड जारी रखेंगे।

सेवा मुसहरी से तीन शराबी को गिद्धौर पुलिस ने किया गिरफ्तार, भेजा जेल

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौर थाना क्षेत्र के सेवा गांव मुसहरी से गिद्धौर पुलिस ने तीन शराबी व्यक्ति को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार थाना के अवर निरीक्षक अनुज कुमार को सेवा गांव मुसहरी से तीन व्यक्ति के द्वारा शराब के नशे हंगामा करने की सूचना मिली मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त शराबी व्यक्ति को गिरफ्तार कर थाना लाया गया।जहां उनका चिकित्सकीय जांच करवा न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इधर गिरफ्तारी को लेकर थानाध्यक्ष रीता कुमारी ने बताया कि फुलो यादव, पिता गोखुल यादव ,निरंजन कुमार उर्फ नीरज कुमार पिता बेदानंद रावत , संतलाल मांझी पिता डींगन मांझी ग्राम सेवा के द्वारा नशे में सेवा गांव मुसहरी में हंगामा करने की सूचना मिली।वहीं पकड़कर थाना लाया गया जहां जांचोपरांत के बाद उसे न्यायिक हिरासत में आज भेज दिया गया। इस अभियान में अवर निरीक्षक अनुज कुमार के अलावे पुलिस बल के जवान मौजूद थे।

वार्षिक काली पूजा को लेकर 10 जून से धमना काली मंदिर में शुरू होगा 9 दिवसीय अनुष्ठान

जमुई/झाझा- प्रखंड क्षेत्र के धमना पंचायत में आस्था का केंद्र धमना काली मंदिर में इस बार 10 जून को कलश स्थापना के साथ ही वार्षिक पूजा का विधिवत शुरूआत किया जाएगा। 9 दिन तक धमना काली मंदिर में बहने वाली आस्था की गंगा में इस बार अत्यधिक श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना बनी हुई है। जानकारी देते हुए काली मंदिर के पुजारी नारायण पांडेय ने बताया कि धमना काली मंदिर में सन 1684 से ही विधिवत रूप से पूजा पाठ होते आ रहा है। जिस दिन से मंदिर में कलश स्थापना होती है उस दिन पूरा क्षेत्र नियमों का पालन करना शुरू कर देते है। गांव में लहसुन प्याज या अन्य किसी तरह का पकवान बनने पर पाबंदी लग जाती है। 9 दिनों तक चलने वाले अनुष्ठान में जमुई जिला के अलावे अन्य कई जिला और प्रदेश भी लोग मंदिर पहुंचते है। पुजारी ने बताया कि इस मंदिर से लोगों का आस्था काफी पुराना जुड़ा हुआ है। और दूर दराज से आने वाले भक्तों के लिए यहां पर रहने की भी व्यवस्था है। पुजारी ने आगे बताया कि मंदिर में वार्षिक पूजा को लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है। ताकि समय रहते पूरी तैयारी संपन्न कर अनुष्ठान शुरू किया जा सके। बताते चले कि धमना काली मंदिर में लोग अपनी मुराद मांगने के लिए पहुंचते है और मुराद पूरी होने के बाद लोग मंदिर में भव्य तरीके से पूजा अर्चना करते है।

मामा ने भांजे को मारी गोली, चल रहा है इलाज

मामले की तफ्तीश में जुटी पुलिस ,कर रही है गहन अनुसंधान

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा में एक सख्स को रिश्ते में मामा की पत्नी पर गलत नजर डालना पड़ा भारी महंगा,घात लगाए मामा ने भांजे के पेट में मारी गोली, गंभीर रूप से घायल सख्स का शहर के एक निजी अस्पताल में चल रहा है इलाज,मामा और भांजे का रिश्ता हुआ तारतार। दरअसल मधेपुरा के अरार थाना क्षेत्र के बभनगामा महेश गांव के वार्ड संख्या 4 का है मामला। जहां गुरुवार की देर रात रवि शर्मा नामक व्यक्ति को रिश्ते भांजे गोली मारकर फरार हो गया, बताया जा रहा कि पीड़ित रवि शर्मा और आरोपी लालो शर्मा की रिश्ता मामा और मांजा का है इतना हीं नहीं गंभीर रूप से घायल रवि शर्मा की पूर्व से हीं रिश्ते में मामा लालो शर्मा की पत्नी से प्रेम प्रसंग का चक्कर चल रहा था जिसे लालो शर्मा को नागवार गुजर रहा था घटना का कारण अवैध संबंध बताया जा रहा है । बहरहाल गंभीर रूप से घायल रवि शर्मा का इलाज शहर के एक निजी अस्पताल में चल रहा है, फिलहाल चिकित्सक आपरेशन कर पेट से गोली बाहर निकल दिया है पीड़ित की स्थिति नाजुक बनी हुई है। हालांकि इस मामले को लेकर पुलिस गहन अनुसंधान में जुट गई है और आरोपी की धर पकड़ हेतु छापेमारी की जा रही है फिलहाल घर छोर कर आरोपी फरार बताया जा रहा है। वहीं इस मामले को लेकर उदाकिशुनगंज एसडीपीओ अविनाश कुमार ने बताया कि घटना मेरे संज्ञान में आया है अरार थानेदार को कार्रवाई हेतु निर्देशित किया जा चुका है।

काली मंदिर व शिव पार्वती मंदिर से चोरों ने कर ली दान पेटी की चोरी

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौर। थाना क्षेत्र के कुंधुर पंचायत के गेनाडीह काली मंदिर से चोरों द्वारा दान पेटी के चोरी कर लिए जाने का एक मामला प्रकाश में आया है। मंदिर से दान पेटी के चोरी के घटना की जानकारी स्थानीय ग्रामीणों को लगते ही इसकी सूचना कुंधुर पंचायत के गेनाडीह निवासी वार्ड नंबर 06 के वार्ड सदस्य सूरज प्रताप को दी गयी। सूचना मिलते ही वार्ड सदस्य सूरज प्रताप द्वारा मामले में कार्रवाई को ले इसकी लिखित सूचना गिद्धौर थाना को दी।मंदिर दान पेटी चोरी के घटना को ले वार्ड सदस्य सूरज प्रताप ने बताया कि मंदिर में लगे दान पेटी के राशि का उपयोग मंदिर विकास में किया जाता था।वही रतनपुर पंचायत के रतनपुर गांव के रत्नेश्वर धाम में शिव पार्वती मंदिर में दो दान पेटी का चोरी रात में किया गया है वही मंदिर कमेटी के द्वारा सीसीटीवी में कैद चोरों की तस्वीर भी कैद हो गया जिसमें एक चोर की पहचान हो गया।वही चोर दूवारा टोटो के साथ सुबह फिर मंदिर में दान पेटी चुराने के लिए आए थे।तभी ग्रामीण ने पड़कर शांतनु कुमार सिंह पिता मिट्ठू सिंह घर गुगुलडीह गांव निवासी को पकड़कर 112 पर पुलिस को सूचना दिया गया और गिद्धौर पुलिस ने चोर को पकड़ कर अपने साथ थाना लाया गया। कहते हैं थानाध्यक्ष इस संदर्भ में थानाध्यक्ष रीता कुमारी ने बताया कि क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर लगाम लगाने को ले प्रसासन गंभीर है, वही चोरी करने के संदेह पर एक युवक को पकड़ा गया है,मामले की जांच जारी है।जांचोपरांत मामले में कार्रवाई की जाएगी।

मतगणना कर्मियों को दिया जा रहा ट्रेनिंग

हाजीपुर लोकसभा एवं निर्वाचन 2024 के मद्देनजर हाजीपुर लोकसभा क्षेत्र में संपन्न हुए आम निर्वाचन की मतगणना दिनांक 4 जून को होनी है। मतगणना सुप्रीवाइजर, काउंटिंग असिस्टेंट, माइक्रो आब्जर्वर का प्रशिक्षण आज राय वीरेंद्र सिंह कॉलेज तथा मुल्क ज्यादा सिंह उच्च विद्यालय में आयोजित किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी श्री यशपाल मीणा ने के प्रशिक्षण केन्द्रों का निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए। दिनांक 3 जून को 1:00 बजे अपराह्न से पुनः उपरोक्त दो केन्द्रों पर मतगणना कर्मियों का जिला स्तरीय द्वितीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया है जिसमें सबों को उपस्थित होने का निदेश दिया गया। निरीक्षण में जिला पदाधिकारी के साथ उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता (आपदा) तथा प्रशिक्षण कोषांग के नोडल पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

झाझा पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान, वसूला जुमार्ना

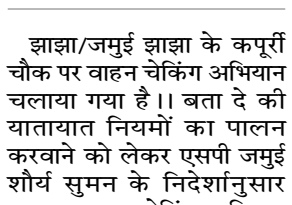

प्रात : किरण संवाददाता

झाझा/जमुई झाझा के कपूरी चौक पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया है।। बता दे की यातायात नियमों का पालन करवाने को लेकर एसपी जमुई शौर्य सुमन के निदेर्शानुसार लगातार वाहन चेकिंग अभियान जिले के तमाम थाना क्षेत्र में चलाया जा रहा है। इसी बीच झाझा के कपूरी चौक व अन्य जगहों पर वाहन चेकिंग अभियान सख्ती से चलाया गया। झाझा थाना में पदस्थापित एसआई नंदन कुमार राय के नेतृत्व ने पुलिस बल के साथ चेकिंग अभियान चलाया जिसमें सोनो बटिया के रास्ते जमुई की ओर जा रही यात्रियों से भरी खचाखच बस व अन्य वाहनों से भी प्रशासन ने जुमार्ने वसूल किए हैं। एसआई नंदन कुमार ने साफ तौर पर कहा कि यात्रियों की सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन करवाने को लेकर जमुई पुलिस लगातार सजग है लोग अपनी सुरक्षा का खुद ख्याल रखें और बस की छत पर या फिर अन्य वाहनों की छत पर सफर न करके वो स्थाई सीट पर बैठे ताकि वह सुरक्षित अपने घर लौट सके।।

तेज आंधी से दीवार गिरने से आधा दर्जन लोग बुरी तरह घायल

प्रात : किरण संवाददाता

लालगंज। बीती रात तेज आंधी-पानी से आम जनजीवन काफी अस्त व्यस्त हो गया। लालगंज प्रखंड क्षेत्र के शाहदुल्लापुर पंचायत में तेज आंधी-पानी से मकान का दीवार गिर जाने से एक ही परिवार के आधा दर्जन लोग बुरी तरह घायल हो गए तो कहीं मवेशी पर पेड़ गिरने से मवेशी की मौत हो गयी। इतना हीं नही नलजल का टंकी भी तेज हवा मे उड़ जाने के करण क्षतिग्रस्त हो गया। करीब दो सप्ताह से तेज धूप एवं गर्मी के कारण कई लोगो के मौत होने की खबर मिली तो कहीं स्कूल के बच्चे बेहोश होकर गिर रहे थे। इसी बीच अचानक मौसम ने अपना करवट बदला और अचानक तेज हवा पानी ने आयी। लालगंज प्रखंड क्षेत्र के शाहदुल्लापुर पंचायत के जैतीपुर गांव के वार्ड नम्बर 05 निवासी धर्मनाथ ठाकुर के घर पर बगल के मकान का दीवार एवं अल्बेस्ट गिरने से उनके परिवार की महिला रिंकू कुमारी ,रीता,अन्नू कुमारी,अर्चना कुमारी,नेहा कुमारी, प्रभात कुमार,3 वर्षीय सृष्टि कुमारी घायल हो गयी।

वही उसी वार्ड में जल नल की टँकी उड़कर करीब 100 मीटर दूर जा गिरी, जिससे टँकी क्षतिग्रस्त हो गया। टंकी के क्षतिग्रस्त होने के कारण सैकड़ो घरों का पानी बन्द हो गया। दूसरी ओर उसी गांव के रमेश पासवान के दवा दुकान एवं घर पर पेड़ गिरने से काफी नुकसान हुआ है प्रखंड क्षेत्र के सररिया पंचायत के वार्ड नम्बर 13 निवासी बृजनंदन राय अपने बथान में सोए हुए थे तभी अचानक पीपल का पेड़ गिर गया। जिससे भैस दबकर मर गयी। हालांकि किसी तरह किसान बृजनंदन राय बच गए। वही उसी गांव के अजय राय के घर का अचानक अल्बेस्ट टूट कर गिर गया जिससे एक बच्चा घायल हो गया। वही बिजली के काफी संख्या में पोल टूट कर गया या तार पर पेड़ गिर गया हैं जिससे बिजली आपूर्ति ठप हो गया जिससे लोगो को काफी परेशानी उठाना पर रहा हैं वही बिजली विभाग के अधकारी एवं कर्मचारी बिजली को शुचारु करने के लिए युद्ध स्तर पर लगे हुए है।जाहिर सी बात है कि मौसम ने अपना मिजाज बदला तो मौसम सुहाना हुआ और उमस भारी गर्मी से राहत मिली मगर तेज अंधी तूफान ने काफी नुकसान भी कर दिया।

सम्पादकीय

घटेगा मजदूरों का तापमान

तमाम सीमाएं लांघते तापमान का सरोकार सिर्फ गरम मौसम से ही नहीं है, बल्कि उसके कई मानवीय और कामगार आयाम भी हैं। राजधानी दिल्ली का पारा अभूतपूर्व रूप से 52.9 डिग्री सेल्सियस तक उछल गया और राजस्थान के कई मरुस्थली इलाकों में 55 डिग्री को भी लांघ गया, तो मौसम विभाग के सेंसर और डाटा पर संदेह और सवाल किए जाने लगे। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रिजीजू ने अचानक बयान दिया कि यह तापमान का अधिकृत आंकड़ा नहीं है। दिल्ली में इतना तापमान हो ही नहीं सकता, लिहाजा अब सेंसर की जांच जारी है। शायद लीपापोती वाला कोई कारण बताया जाए। बहरहाल तापमान की डिग्री को हम एक तरफ सरका भी दें, तो बिहार के स्कूलों में 300 छात्र अचानक बेहोश क्यों हो गए? शिक्षक और पूर्व सांसद तक अचेत हो गए। सभी को अस्पताल ले जाने की नौबत क्यों आई? अंततः मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सभी स्कूल बंद करने का आदेश देना पड़ा। प्रधानमंत्री मोदी की जनसभा को कवर करता हुआ एक टीवी पत्रकार भी बेहोश हो गया। यह दीगर है कि प्रधानमंत्री ने तुरंत अपनी टीम के लोगों को उसकी मदद करने को कहा। तमतमाती गर्मी और भीषण लू का प्रभाव तो है। राजधानी दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को आदेश जारी करना पड़ा कि दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक मजदूर और अन्य कामगार निर्माण-स्थलों पर काम नहीं करेंगे। कोई भी नियोक्ता या ठेकेदार उनके मेहनताने में कटौती नहीं करेगा। निर्माण-स्थलों के आसपास शीतल पेयजल की पर्याप्त और निरंतर व्यवस्था की जानी चाहिए। उपराज्यपाल का यह आदेश फिलहाल तब तक प्रभावी रहेगा, जब तक मौसम का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे न आ जाए। कामगारों का यह मुद्दा प्रत्यक्ष तौर पर देश की अर्थव्यवस्था से जुड़ा है। भारत में कुल 58 करोड़ से अधिक कामगार हैं। इसे देश का श्रम बल कह सकते हैं। उनमें से 26 करोड़ से अधिक कामगार, भयानक गर्मी में भी, आसमान से बरसती आग में भी, काम करने को विवश हैं। विश्व बैंक सरीखे अंतरराष्ट्रीय संस्थानों की विश्लेषणात्मक रपटें हैं कि 2030 तक इन कामगारों की उत्पादकता, काम करने की क्षमता, कम हो सकती है। उनका तापमान 6-10 फीसदी ठंडा हो सकता है। उत्पादकता कम होगी, तो काम भी कम होगा, निर्माण-कार्य, खुदाई आदि कम होंगे, लिहाजा व्यापक संदर्भों में देश की अर्थव्यवस्था पर दुष्प्रभाव पड़ेंगे। इसके अलावा घर, परिवार, शरीर, कमाई और अंततः जीवन पर गंभीर और घातक प्रभाव पड़ेंगे। महत्वपूर्ण पहलू यह है कि 50 डिग्री या उससे अधिक तापमान के लिए न तो हम मानसिक तौर पर तैयार हैं और न ही देश में आधारभूत ढांचा उपलब्ध है। बिजली का उत्पादन भी इतना नहीं है कि लोगों को पर्याप्त बिजली मुहैया कर सकें। हमारी जीवन-शैली भी ऐसी नहीं है। सरकार की नीतिगत ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है कि हम 50 डिग्री या उससे ज्यादा तापमान के हालात से लड़ सकें। चिंताजनक स्थिति यह है कि भारत की स्थिति अरब देशों के मरुस्थल से भी बदतर हो गई है। हालांकि दुबई में फिलहाल तापमान 39 डिग्री सेल्सियस है। अगस्त में जब चरम स्थिति होगी, तब तापमान अधिकतम 44 डिग्री होगा। भारत में बिजली कनेक्शन तो लगभग सभी घरों तक पहुंच चुके हैं, लेकिन आज भी कुछ महानगरों को छोड़ कर 24 घंटे बिजली उपलब्ध नहीं है, क्योंकि उत्पादन ही उतना नहीं है। देश के गांवों में औसतन 1-2 घर में ही एयरकंडीशनर हैं, जबकि राजधानी दिल्ली के 12 फीसदी से कुछ ज्यादा घरों में एसी हैं। लोग पसीना-पसीना होने और तपन में मरने को विवश हैं। न तो पर्याप्त आमदनी है और न ही बिजली उपलब्ध है, तो एसी का क्या करेंगे? कमोबेश दुबई जैसे शहर में 70 फीसदी बिजली की खपत सिर्फ एसी के लिए तय की गई है

चीन का आक्रमण और कांग्रेस

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

भारत पर चीन ने 1962 में हमला किया था और लद्दाख व अरुणाचल प्रदेश में भारत की बहुत सी जमीन पर कब्जा कर लिया था। देश की रक्षा करते हुए भारतीय सैनिकों ने अपना बलिदान दिया। यह ठीक है कि सरदार पटेल ने बहुत पहले ही प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु को बाकायदा एक चिट्ठी लिखकर आगाह किया था कि चीन भारत पर हमला कर सकता है। तिब्बत के उस समय के शासक दलाई लामा भी जब महात्मा बुद्ध की पच्चीस सौंवी जयंती के अवसर पर भारत आए थे, तो चीन को लेकर परोक्ष रूप से सावधान कर गए थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उस समय के सरसंघचालक माधवराव सदाशिव गोलवलकर ने भी चीन की नीयत पर शंका जाहिर की थी, लेकिन नेहरु, जो स्वयं को उन दिनों अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ मानते थे, इन सब चेतावनियों को नकारते हुए हिंदी-चीनी भाई-भाई का नारा लगाते रहे और चीन के नेताओं को बुलाकर स्कूलों के बच्चों के हाथ में चीन का झंडा थमा कर उनका स्वागत करते रहे। इस सबका परिणाम यह हुआ कि चीन ने 1962 में भारत पर हमला कर दिया और भारत को शिकस्त दी। सरकार ने बहुत ही होशियारी से शिकस्त की जिम्मेदारी भारतीय सेना के गले में बांधनी चाही तो जनता ने इसका विरोध किया। लोगों का कहना था कि भारत की सेना के शौर्य का प्रदर्शन तो द्वितीय विश्व युद्ध में दुनिया ने देखा था। यह सरकार की नीतियों की पराजय थी। उस समय भी चीन के इस हमले को लेकर भारत में विवाद शुरू हो गया था। उधर सीमा पर भारतीय सेना और चीनी सेना युद्धरत थी, इधर कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया में तो बाकायदा युद्ध ही छिड़ा हुआ था। कम्युनिस्ट पार्टी में यह युद्ध इस बात को लेकर हो रहा था कि हमला किसने किया? एक ग्रुप का कहना था कि चीन ने भारत पर हमला किया, लेकिन दूसरे ग्रुप का कहना था कि हमला भारत ने चीन पर किया।

भारत ने चीन पर हमला किया कहने वालों में ज्योति बसु (जो बाद में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बने), नम्बूदरीपाद (जो बाद में केरल के मुख्यमंत्री बने) और पंजाब के हरकिशन सिंह सुरजीत (जो बाद में भारत पर अपनी पार्टी की सहायता से कांग्रेस की सरकार स्थापित करने में सारथी हुए) शामिल थे। इस ग्रुप ने सीपीएम के नाम से अपनी अलग पार्टी बना ली थी। उधर चीन के हाथों मिली पराजय के बाद भी नेहरु ने चीन की तरफदारी करनी नहीं छोड़ी। संयुक्त राष्ट्र संघ में चीन की शमूलियत और उसे वीटो पावर दिए जाने की वे अंत तक वकालत करते रहे। उन दिनों विश्व की जिस प्रकार की दो ध्रुवीय राजनीति चल रही थी, उसमें भारत को प्रस्ताव दिया गया था कि यदि वह चीन की पूंछ छोड़ दे, तो उसे सुरक्षा परिषद में स्थान दिया जा सकता है। लेकिन कांग्रेस की चीन के साथ उस समय भी क्या सांझेदारी थी, इसे आज तक कोई नहीं समझ सका। इसे काल की न्यारी गति ही कहना चाहिए कि कम्युनिस्ट पार्टी के जिस ग्रुप ने भारत ने चीन पर हमला किया है कह कर सीपीएम गठित की थी, कालान्तर में उसके ही एक ग्रुप ने कहना शुरू किया चीन का चेयरमैन ही हमारा चेयरमैन है। वे देश भर में यह नारा लगाते हुए घूमने लगे और उन्होंने सीपीएम (एमएस) के नाम से अपनी नई पार्टी बना ली। उधर कांग्रेस ने चीन के कब्जे में चली गई जमीन को छुड़ाने की रणनीति बनाने के स्थान पर फिर से दिल्ली में पंचशील को लेकर बाकायदा सेमिनार करने शुरू कर दिए। उस समय के बड़े कांग्रेस नेता और केन्द्रीय मंत्री नटवर सिंह, जिन्हें इस बात का बहुत अभिमान था कि वे चीनी भाषा चीनियों से भी बेहतर जानते हैं, पंचशील को जिंदा करने के लिए बीजिंग के चक्कर लगाने लगे। खैर भारत के लोग सब जानते हैं और यह भी जानते हैं कि चीन के सत्ताधारी किस प्रकार के हैं। उन्होंने ह्यचीन का चेयरमैन हमारा चेयरमैन कहने वालों को भी हाशिए पर डाल दिया। 2014 में कांग्रेस को भी हाशिए पर धकेलने की प्रक्रिया शुरू हुई। 2024 तक आते-आते कांग्रेस का पतन तीव्र से तीव्र दिखाई देने लगा। लेकिन अब अंतिम समय में कांग्रेस ने एक बार फिर चीन का मामला उठाना शुरू किया है। सब जानते हैं कि भारत के विरोध में इस समय चीन और पाकिस्तान घी-शक्कर हैं। लेकिन जब भी कहीं भारत-पाकिस्तान या फिर भारत-चीन की भिड़ंत होती है तो कांग्रेस एकदम अपने बनावटी खोल से निकल कर अपने असली रंग में दिखाई देने लगती है। आतंकवादियों के अड्डों को खत्म करने के लिए जब भारतीय सेना ने बालाकोट पर सर्जिकल स्ट्राइक की तो कांग्रेस ने एकदम से उसे गप्प करार दिया। उसने कहा, ऐसा हुआ ही नहीं, सेना सबूत दिखा दे। सेना की मुसीबत यह है कि उसे दुश्मन पर हमला कर भारत को सुरक्षित भी रखना होता है और उसके लिए कांग्रेस को सबूत भी दिखाना होता है। अब पाकिस्तान के नेता बाकायदा लिख कर प्रचार कर रहे हैं कि दिल्ली में राहुल गांधी की सरकार बननी चाहिए। क्या भारत में भी पाकिस्तान का कोई वोट बैंक है, जिसे पाकिस्तान संकेत दे रहा है? यही मामला चीन के मामले में हुआ। जब भारतीय सेना डोकलाम और गलवान में चीन की सेना से गुत्थमगुत्था हो रही थी, तब कांग्रेस के नेता और सोनिया गांधी के सुपुत्र राहुल गांधी दिल्ली स्थित चीनी दूतावास में चीनी अधिकारियों से छिप कर गुफ्तगू कर रहे थे।

नये एवं विकसित भारत की बड़ी बाधा है भ्रष्टाचार

भ्रष्टाचार एवं उससे उपजे हादसों ने चुनाव के दौरान ही ऐसे वीभत्स दृश्य उपस्थित किये, जो चुनावी मुद्दा न बनना एवं राजनेताओं के बीच इनकी चर्चा न होना, दुर्भाग्यपूर्ण तो है ही, लेकिन उससे ज्यादा चिन्ताजनक यह है कि हमारी राजनीति अभी भी विकसित भारत के सपने को आकार देने के लिये तैयार नहीं दिख रही है। पुणे पोर्शे कार एक्सीडेंट ने भ्रष्टाचार की इतने परतें खोली दी है कि उसमें न्यायालय, पुलिस, राजनेता, डाक्टर सभी अपना जमीर बेचते हुए दिखाई दिये हैं। इसी तरह राजकोट एवं दिल्ली की अग्निकांडों ने प्रशासन एवं व्यवसाय में पसरे भ्रष्टाचार की काली परतों को उजागर किया है। इस तरह अस्पताल हो चाहे होटल, गेम जोन या मॉल, सुरक्षा इंतजामों, प्रशासनिक जिम्मेदारी एवं ईमानदारी की खुलकर धज्जियां उड़ती रहेगी या पुणे की तरह अब बिकते रहेंगे तो विकसित भारत का सपना कैसे आकार लेगा? छह सौ करोड़ी पिता ने अपने बेटे के अपराध पर पर्दा डालने एवं उसे बचाने के लिये किसको नहीं खरीदा। कैसे जनता की रक्षा होगी एवं उसे न्याय मिलेगा, जब सब बिकने के लिये तैयार बैठे हैं। बेबी केयर अस्पताल हो या राजकोट का गेम जोन का हादसा- किसी की जान की कीमत कागज के चंद टुकड़े कैसे हो सकती है? न्यायालय भी ऐसे मामलों में संज्ञान लेकर शुरूआत तो करता है, लेकिन यह शुरूआत अंजाम तक नहीं पहुंच पाती। हादसे की आंच ठंडी पड़ी नहीं कि मिलीभगत का खेल फिर शुरू हो जाता है। संबंधित अधिकारी भी आंख मूंदकर सो जाते हैं और फिर किसी हादसे के बाद ही उनकी कुंभकरणी नींद खुलती है। इन ज्वलंत एवं भ्रष्ट हालातों में कैसे भारत की तकदीर एवं तस्वीर बदलेगी? भ्रष्टाचार और घोटालों के इस घटाटोप मौसम में ऐसा कुछ भी कह पाना मुश्किल हो गया है, जो भारत या इसके लोगों की जिंदगी पर उजली रोशनी डालता हो। भारत अपनी दुश्वारियों में लस्त-पस्त उस मध्ययुगीन योद्धा की तरह दिखता है, जो चुनावी जंग के मैदान में आहें भर रहा है।

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

लोकसभा के सातवें चरण के चुनाव होने शेष रहे हैं, सबकी नजरें चुनाव परिणामों पर लगी है। ये चुनाव परिणाम ही तय करेंगे कि नये भारत, विकसित भारत एवं समृद्ध भारत की तस्वीर क्या करवट लेगी। भ्रष्टाचार एवं उससे उपजे हादसों ने चुनाव के दौरान ही ऐसे वीभत्स दृश्य उपस्थित किये, जो चुनावी मुद्दा न बनना एवं राजनेताओं के बीच इनकी चर्चा न होना, दुर्भाग्यपूर्ण तो है ही, लेकिन उससे ज्यादा चिन्ताजनक यह है कि हमारी राजनीति अभी भी विकसित भारत के सपने को आकार देने के लिये तैयार नहीं दिख रही है। पुणे पोर्शे कार एक्सीडेंट ने भ्रष्टाचार की इतने परतें खोली दी है कि उसमें न्यायालय, पुलिस, राजनेता, डाक्टर सभी अपना जमीर बेचते हुए दिखाई दिये हैं। इसी तरह राजकोट एवं दिल्ली की अग्निकांडों ने प्रशासन एवं व्यवसाय में पसरे भ्रष्टाचार की काली परतों को उजागर किया है। इस तरह अस्पताल हो चाहे होटल, गेम जोन या मॉल, सुरक्षा इंतजामों, प्रशासनिक जिम्मेदारी एवं ईमानदारी की खुलकर धज्जियां उड़ती रहेगी या पुणे की तरह अब बिकते रहेंगे तो विकसित भारत का सपना कैसे आकार लेगा?

छह सौ करोड़ी पिता ने अपने बेटे के अपराध पर पर्दा डालने एवं उसे बचाने के लिये किसको नहीं खरीदा। कैसे जनता की रक्षा होगी एवं उसे न्याय मिलेगा, जब सब बिकने के लिये तैयार बैठे हैं। बेबी केयर अस्पताल हो या राजकोट का गेम जोन का हादसा- किसी की जान की कीमत कागज के चंद टुकड़े कैसे हो सकती है? न्यायालय भी ऐसे मामलों में संज्ञान लेकर शुरूआत तो करता है, लेकिन यह शुरूआत अंजाम तक नहीं पहुंच पाती। हादसे की आंच ठंडी पड़ी नहीं कि मिलीभगत का खेल फिर शुरू हो जाता है। संबंधित अधिकारी भी आंख मूंदकर सो जाते हैं और फिर किसी हादसे के बाद ही उनकी कुंभकरणी नींद खुलती है। इन ज्वलंत एवं भ्रष्ट हालातों में कैसे भारत की तकदीर एवं तस्वीर बदलेगी? भ्रष्टाचार और घोटालों के इस घटाटोप मौसम में ऐसा कुछ भी कह पाना मुश्किल हो गया है, जो भारत या इसके लोगों की जिंदगी पर उजली रोशनी डालता हो। भारत अपनी दुश्वारियों में लस्त-पस्त उस मध्ययुगीन योद्धा की तरह दिखता है, जो चुनावी जंग के मैदान में आहें भर रहा है। कोई नहीं जानता, किसके दामन में कितने दाग हैं? कोई नहीं जिस पर यकीन किया जा सके, धरती का कोई कोना नहीं, जिसके नीचे दबा कोई घोटाला खुदाई का इंतजार न कर रहा हो। लेकिन यही चुनाव, हादसों एवं भ्रष्टता के मौके होते हैं, जब किसी देश के सच्चे चरित्र का पता चलता है। आगे-पीछे चुनावों के तहत तथाकथित नेता द्वारा हजारों जुमलों में किसी समाज व्यवस्था को बहलाया जा सकता है, लेकिन बुरे वक्त में नहीं। भारत के चरित्र को परखने का सही समय चुनाव है या ऐसे वीभत्स हादसें एवं भ्रष्टता की अंधी गलियां।

भारत दुनिया का गुरु बनने एवं तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, दुनिया भारत के आध्यात्मिक अनुभवों से मोहित है और यह एक पक्की बात है कि धर्म को लेकर जैसा काम भारत में हुआ, वैसा कहीं नहीं हुआ और पिछले दशक में उसे और जीवंतता मिली। लेकिन यह एकांगी महानता है, क्योंकि दुनिया में तरक्की के पैमाने भौतिक हैं और उस मामले में भारत की ताकत सदियों पहले खत्म हो गई थी, अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अध्यात्म के साथ उसी भौतिक ताकत को बढ़ा रहे हैं। जहां तक ईमानदारी, निष्ठा और सत्य जैसे मूल्यों का सवाल है, वे कितने हमारी जिंदगी में हैं इसका पता करप्शन के आंकड़ों एवं बार-बार होने वाले हादसों से लग जाता है।

हाल के बरसों में जानकारों और मीडिया ने यह बात फैला दी है कि भारतीय इसलिए दुनिया में अनूठे हैं कि वे कुछ भी कर सकते हैं। लेकिन हमारे देश में ऐसे राजनेता हैं जो दुश्मन देशों की तरफदारी करते हुए लोगों के दिलों को जीतने की जुगाड़ में लगे हैं। ऐसे भी राजनेता है जो भ्रष्टाचार मुक्ति का नारा देते हुए कहते है कि आप हमें वोट देंगे तो हमारा जेल जाना रूक सकता है। यानी खुले आम अपने भ्रष्टाचार एवं घोटालों में भी जन-समर्थन मांग रहे हैं। स्मार्टनेस की इस दुहाई के चलते एक मामूली-से दिखने वाले व्यक्ति ने अब सिलेब्रिटी स्टेटस एवं सफल राजनेता होने की गरिमा को हासिल कर लिया है, और वह है जुगाड़ एवं जनता को गुमराह करने की कला। मैसेज यह है कि जरूरत पड़ने पर हमारे राजनेता किसी भी तरह काम निकाल लेते हैं। अब इस सोच का क्या किया जाए?

बात नये भारत एवं विकसित भारत की है, अपने देश में हर तरह के नियम-कानून है, पर उनके उल्लंघन की जैसी सुविधा यहां है, वैसी शायद ही अन्य कहीं हो। पुणे, राजकोट और दिल्ली के मामले इकलौते ऐसे प्रकरण नहीं, जिनमें सरकारी तंत्र को जवाबदेही से दूर रखने की कोशिश की गई हो। इस तरह के मामले रह-रहकर होते ही रहते हैं और उनमें बड़ी संख्या में लोग जान गंवाते हैं अथवा घायल होते हैं, लेकिन नियामक तंत्र के उन लोगों को कभी भी कठघरे में नहीं खड़ा किया जाता, जिनकी अनदेखी और लापरवाही के चलते जानलेवा घटनाएं होती रहती हैं। इसका उदाहरण है मुंबई में एक विशालकाय होर्डिंग गिरने से कई लोगों की मौत। यह विशालकाय होर्डिंग अवैध रूप से था, लेकिन किसी को ह्यनजरह्न नहीं आ रहा था। जब यह गिर गया और उसमें कई लोगों की जान चली गई तो सरकारी तंत्र ने उससे अपना पल्ला झाड़ लिया। होर्डिंग लगवाने वाला तो गिरफ्तार हो गया, इसी तरह गेम जोन एवं बेबी केयर अस्पताल के मालिक भी सलाखों के पीछे आ गये, लेकिन नगर निकाय एवं सरकार के किसी अधिकारी-कर्मचारी को गिरफ्तार करने की आवश्यकता नहीं समझी गई। कोई नहीं जानता कि क्यों? दिल्ली के ग्यारह सौ से अधिक अस्पतालों में मात्र 190 के पास एनओसी है, यह प्रशासन तले अंधेरा नहीं तो क्या है?

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र एवं एक बड़ी आबादी वाला देश है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि सरकारी तंत्र की लापरवाही एवं भ्रष्टता से रह-रहकर हादसे होते रहें और उनमें बड़ी संख्या में लोग मरते रहें। दुर्भाग्य से अपने देश में यही हो रहा है। जब कोई बड़ी घटना घट जाती है और उसमें अधिक संख्या में लोग मारे जाते हैं तो शोक संवेदनाओं का तांता लग जाता है और तत्काल कार्रवाई करने के नाम पर उच्चस्तरीय जांच के आदेश दे दिए जाते हैं, लेकिन कुछ समय बाद उन्हीं कारणों से वैसी ही घटना फिर सामने आती है, जैसी पहले हो चुकी होती है, इसका मतलब प्रशासन अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह ठीक से नहीं कर रहा है और व्यवसायी प्रशासन की इन्हीं कमजोरियों का फायदा उठाते हुए मौत के सौदागर बने रहते हैं। यही कारण है कि न तो हादसे कम हो रहे हैं और न ही उनमें जान गंवाने वालों की संख्या में कमी आ रही है। हादसे दुनिया में हर कहीं होते हैं, लेकिन विकसित और विकासशील देश कम से कम उनसे सबक लेते हैं और ऐसी व्यवस्था करते हैं, जिससे बार-बार एक जैसे कारणों से हादसे न हों। लोकतंत्र एक पवित्र प्रणाली है। पवित्रता ही इसकी ताकत है। इसे पवित्रता से चलाना पड़ता है। अपवित्रता से यह कमजोर हो जाती है। ठीक इसी प्रकार अपराध के पैर कमजोर होते हैं। पर अच्छे आदमी की चुप्पी उसके पैर बन जाती है। अपराध, भ्रष्टाचार अंधेरे में दौड़ते हैं। रोशनी में लड़खड़ाकर गिर जाते हैं। हमें रोशनी बनना होगा और रोशनी भ्रष्टता एवं घोटालों से प्राप्त नहीं होती। भारत में कोई सबक सीखने को तैयार नहीं है, और यही कारण है कि विकसित देश बनने के संकल्प को साकार करना कहीं अधिक कठिन दिख रहा है। अपने देश में हर तरह के नियम-कानून हैं, राजनेताओं के बड़े-बड़े संकल्प भी है, लेकिन उनके उल्लंघन की जैसी सुविधा यहां है, वैसी शायद ही किसी विकासशील और विकसित राष्ट्र का स्वप्न देखने वाले देश में हो।

लोकसभा चुनाव 2024 रहा मोदी बनाम जनता

चुनाव प्रचार के दृष्यों को देखें और विश्लेषण करें तो पाएंगे कि 2024 का लोकसभा चुनाव पूंजीवाद बनाम समाजवाद के नाम पर लड़ा गया है। भारत की 60 फीसदी से अधिक जनता 5 किलो राशन पर गुजारा करने के लिए मजबूर है। बावजूद इसके सरकार उनका मखौल उड़ा रही है। भाजपा के नेता कहते हैं महंगाई-वहंगाई कुछ नहीं है। महंगाई भी विकास का पैमाना है। जैसे विकास हो रहा है वैसे ही महंगाई भी बढ़ेगी। लोगों की आमदनी भी बढ़ेगी। हकीकत में देखें तो पिछले 10 वर्षों में आमदनी तो बढ़ी नहीं, महंगाई और बेरोजगारी जरूर बढ़ गई। किसानों ने, छात्रों ने एवं अन्य लोगों ने जब इसके लिए आंदोलन किये तो उनकी सरकार ने नहीं सुनी। उल्टा उनसे यह कह दिया गया कि अमीर यदि अमीर हो रहे हैं तो सरकार क्या उन्हें गरीब बना दे। सरकार ने यह कहकर गरीब जो और भी गरीब हो रहे थे उनके घाव में नमक छिड़का। धर्म के नाम पर भारतीय जनता पार्टी और पूंजीपतियों ने उन्हें एक महामानव के रूप में पेश किया था। इसके तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि पहले तो सर्वशक्तिमान की बनाई गई। लगातार 10 वर्षों तक सत्ता में रहने के बाद प्रधानमंत्री अब स्वयंभू ईश्वर बनने जैसा बर्ताव करते देखे गए हैं। इसका अहसास उन्हें भी संभवत: हो गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी यह भूल गई कि भूखे पेट भजन ना होय गोपाला।

सनत जैन

लेखक शिक्षाविद है

लोकसभा चुनाव 2024 इस मोड़ पर पहुंच जाएगा, इसका अंदाजा किसी को भी नहीं था। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी नहीं जानते थे कि उन्हें जनता की इस तरह की नाराजगी का सामना करना पड़ेगा। चुनाव प्रचार के दृष्यों को देखें और विश्लेषण करें तो पाएंगे कि 2024 का लोकसभा चुनाव पूंजीवाद बनाम समाजवाद के नाम पर लड़ा गया है। भारत की 60 फीसदी से अधिक जनता 5 किलो राशन पर गुजारा करने के लिए मजबूर है। बावजूद इसके सरकार उनका मखौल उड़ा रही है। भाजपा के नेता कहते हैं महंगाई-वहंगाई कुछ नहीं है। महंगाई भी विकास का पैमाना है। जैसे विकास हो रहा है वैसे ही महंगाई भी बढ़ेगी। लोगों की आमदनी भी बढ़ेगी। हकीकत में देखें तो पिछले 10 वर्षों में आमदनी तो बढ़ी नहीं, महंगाई और बेरोजगारी जरूर बढ़ गई। किसानों ने, छात्रों ने एवं अन्य लोगों ने जब इसके लिए आंदोलन किये तो उनकी सरकार ने नहीं सुनी। उल्टा उनसे यह कह दिया गया कि अमीर यदि अमीर हो रहे हैं तो सरकार क्या उन्हें गरीब बना दे। सरकार ने यह कहकर गरीब जो और भी गरीब हो रहे थे उनके घाव में नमक छिड़का। धर्म के नाम पर भारतीय जनता पार्टी और पूंजीपतियों ने उन्हें एक महामानव के रूप में पेश किया था। इसके तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि पहले तो सर्वशक्तिमान की बनाई गई। लगातार 10 वर्षों तक सत्ता में रहने के बाद प्रधानमंत्री अब स्वयंभू ईश्वर बनने जैसा बर्ताव करते देखे गए हैं। इसका अहसास उन्हें भी संभवतः हो गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी यह भूल गई कि भूखे पेट भजन ना होय गोपाला। पिछले 10 वर्षों से धर्म के नाम पर जिस धर्म का वादा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से किया था वो वादे इन सालों में तो पूरे नहीं हुए, तब यही जनता जिसने उन्हें सिंहासन पर बैठाया था वहीं सड़कों पर उनके खिलाफ खड़ी हो रही है। इंडिया गठबंधन के नेतृत्व में सारे राज्यों में विपक्षी दलों की रैली और चुनावी सभा में जिस तरह की भीड़ उमड़ी है उससे एहसास हो रहा है कि 2024 का लोकसभा चुनाव मोदी बनाम जनता के बीच आकर टिक गया है।

स्वदेशी जागरण मंच के नाम से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुवांशिक संगठन और भाजपा के नेता वैश्विक व्यापार संधि का विरोध कर रहे थे। विदेशी निवेश के खिलाफ आंदोलन चला रहे थे। विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार की बात कर रहे थे। स्वदेशी जागरण मंच के गोविंदाचार्य भारत में घूम-घूम कर स्वदेशी का प्रचार कर रहे थे। सुषमा स्वराज और उमा भारती जैसी तेज तर्रार महिला नेत्री सारे देश में विदेशी निवेश का विरोध कर रही थीं। उमा भारती ने तो रिटेल व्यवसाय में यदि विदेशी निवेश की अनुमति दी गई तो वह अपने बाल कटा लेंगी और आत्मदाह कर लेंगी, इस तरह के बयान देकर आंदोलन किया था। 2004 से 2014 के 10 साल में कांग्रेस की मनमोहन सरकार विदेशी निवेशकों को लेकर कोई निर्णय नहीं कर पाई थी, जिस कारण अमेरिका के पूंजीपतियों ने मनमोहन सिंह को हटाने के लिए कुचक्र रचा। ऐसे-ऐसे काल्पनिक आरोप लगाए गए जो 10 साल में मोदी सरकार भी प्रमाणित नहीं कर पाई। अदालत में भी आरोपियों को क्लीन चिट मिल गई, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूंजीपतियों ने अपना प्रतिनिधि बनाकर प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठा दिया। प्रधानमंत्री बनते ही नरेंद्र मोदी ने सबसे पहला निर्णय सभी सेक्टर में 100 फीसदी विदेशी निवेश की अनुमति देने का किया। रक्षा और मीडिया क्षेत्र को भी इससे बाहर नहीं रखा गया। मुकेश अंबानी ने मीडिया में निवेश करके पहले मीडिया पर कब्जा किया। शुरू के 5 साल में सरकार और पूंजीपतियों ने मीडिया को पूरी तरह से अपने नियंत्रण में ले लिया। पिछले 10 सालों में यदि किसी का भला हुआ है तो वो मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज और अडानी समूह का हुआ है। देश की 500 बड़ी कंपनियों के पास 92 फीसदी पूंजी है। अमीर और अमीर होते चले गए, गरीबों को महंगाई और बेरोजगारी के कारण दो वक्त की रोटी मिलना भी मुश्किल हो गई। इसका असर 2024 के लोकसभा चुनाव में देखने को मिल रहा है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का कारोबार 10 लाख करोड़ से ऊपर पहुंच गया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का शुद्ध मुनाफा भी 1 लाख करोड़ से ऊपर का है। जिस तरह से अनंत अंबानी की प्री वेडिंग सेरिमनी और शादी हजारों करोड़ों रुपए खर्च करके देश और विदेश के कई हिस्सों में आयोजन किये जा रहे हैं उससे सारी दुनिया आश्चर्यचकित है। इसी तरह अदानी समूह का 2014 में कारोबार 1.50 लाख करोड़ का था जो 22 जनवरी को 20 लाख करोड रुपए तक पहुंच गया था।

हीटवेव के चलते सियासी पारे के साथ ही बढ़ता मौसमी पारा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

लोकसभा चुनावों के मतदान के चरण जिस तरह से एक के बाद एक पूरे होते जा रहे हैं और सियासी पारा चढ़ता जा रहा हैं उसी तरह से मतदान का अंतिम चरण आने से पहले ही उत्तर, पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के तापमान में भी दिन प्रतिदिन तेजी आती जा रही है। एक और जहां समग्र मतदान प्रतिशत 2019 के स्तर पर नहीं आ पा रहा हैं वहीं सूर्यदेव को लगता हैं स्वयं से ही तापमान बढ़ाने की होड़ चल रही हैं। 29 मई को देश की राजधानी दिल्ली का पारा 52 के आंकड़ें को छू गया, हो सकता है इसको लेकर कोई मत भिन्नता हो पर इसमें कोई दो राय नहीं कि दिल्ली का पारा 50 डिग्री से तो ज्यादा ही रहा है। देश के 17 से अधिक शहरों में तापमान उच्चतम स्तर पर चल रहा है। यह एक तरह का प्राकृतिक आपात्काल है। हीटवेव या यों कहें कि लू के थपेड़ों ने जनजीवन को प्रभावित करके रख दिया है। लू या हीटवेव या तापघात के कारण देश के विभिन्न हिस्सों में मौत के समाचार भी आ रहे हैं। तस्वीर का एक पहलू यह है कि अभी तक सही मायने में हमारे देश में हीटवेव को डिजास्टर मैंनेजमेंट में पूरी तरह से शामिल नहीं किया गया है। कहीं कहीं सड़कों पर पानी छिड़कने या लोगों को घर या कार्यस्थल से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी जाती रही है। लू से बचाव के उपायों खासतौर से खाली पेट नहीं रहने और तरल पदार्थ का अधिक से अधिक सेवन करने की सलाह दी जाती है। 1850 के बाद 2023 का साल सबसे गर्म साल रहा है पर जिस तरह से तापमान दिन प्रतिदिन बढ़ते हुए जन जीवन को प्रभावित कर रहा है उससे साफ हो जाता है कि 1850 के बाद 2023 नहीं बल्कि अब तो 2024 सबसे गर्म साल रहने वाला है। समूचा उत्तरी, पश्चिमी, मध्य और पूर्वी भारत हीटवेव के चपेट में आ गया है। देश की राजधानी दिल्ली के साथ ही राजस्थान, हरियाणा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, उत्तर प्रदेश, विदर्भ आदि गंभीर हीटवेव से प्रभावित इलाके हैं। राजस्थान के चुरु और फलोदी आदि का पारा तो 50 के आसपास ही चल रहा है। पानी, बिजली और हीटवेव के कारण बीमारी के हालात गंभीर होते जा रहे है। इतनी तेज गर्मी में पेयजल की उपलब्धता, बिजली की आपूर्ति व ट्रिपिंग की समस्या से निजात पाना मुश्किल हो रहा है। इस समय हीटवेव के कारण जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त होने के साथ ही सड़कों पर कर्फ्यू जैसे हालात हो रहे हैं। असली समस्या तो सरकार के सामने पानी, बिजली और हीटवेव से प्रभावित लोगों को तत्काल इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करना है। आदर्श आचार संहिता लागू होने के बावजूद सभी प्रदेशों की सरकारें बेहतर प्रबंधन कर रही है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा 29 मई को जहां स्वयं भर दोपहरी सिर पर गमछा लपेट राजस्थान की राजधानी जयपुर में पेयजल व्यवस्था को देखने निकल पड़े तो निश्चित रुप से प्रशासन और आमजन में एक संदेश गया हैं वहीं प्रदेष के सभी जिलों में 28 व 29 मई को दो दिन के लिए सभी प्रभारी सचिवों को प्रभार वाले जिलों में जाकर पानी, बिजली, दवा, ईलाज आदि की व्यवस्थाओं का जायजा लेने भेजकर साफ संकेत दे दिए हैं। गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि जहां दो दिन तक सरकार के वरिष्ठ अधिकारी इस गर्मी के मौसम में अपने कार्यालयों से निकल कर जिलों में स्थानीय प्रशासन व जिले के अधिकारियों के साथ व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे हैं वहीं आपदा के इस दौर में आवश्यक दिशा-निर्देश देकर लोगों को राहत पहुंचाने में जुट गए हैं। बात यहीं समाप्त नहीं हो जाती क्योंकि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और मुख्य सचिव सुधांश पंत स्वयं प्रभारी सचिवों व जिला कलक्टरों सहित अधिकारियों से 31 मई को संवाद कायम कर फीड बैक लेने के साथ ही आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। राजस्थान तो एक उदाहरण है पर कमोबेस इस तरह के प्रयास हीटवेव से प्रभावित अन्य राज्यों में भी किये जा रहे होंगे, इससे इंकार नहीं किया जा सकता। सामान्यतः एक मार्च से लेकर 21 जून तक सूर्य देव धरती के नजदीक होते हैं। देशी पंचाग के अनुसार नौतपा चल रहा है और माना जाता है कि इन नौ दिनों तक गर्मी का असर कुछ अधिक ही रहता है।

संक्षिप्त खबरें

लोकसभा चुनाव के कारण यूपी बिहार का बार्डर सील

बगहा(दिवाकर)।बगहा पुलिस जिला अंतर्गत नौरंगिया थाना क्षेत्र स्थित मदनपुर पनियहवा बॉर्डर को आज यानी 1 जून को यूपी में होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्दे नजर सुरक्षा कारणों से 72 घंटे के लिए सील कर दिया गया है। इस बाबत जानकारी देते हुए नौरंगिया थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि चुनाव आयोग के दिशा- निर्देश पर सुरक्षा कारणों को ले मदनपुर-पानीयहवा बॉर्डर को गुरुवार की शाम 6 बजे से शनिवार की शाम 6 बजे तक पूर्ण रूप से सील कर दिया गया है। आपात स्थिति में जांच परख के बाद किसी को आने-जाने की अनुमति दी जाएगी।

वाल्मीकिनगर में अवैध खनन मामले में दो पर हुआ प्राथमिकी दर्ज

बगहा(दिवाकर)।पश्चिमी चंपारण बेतिया के खनन निरीक्षक के आवेदन पर वाल्मीकि नगर थाने में अवैध खनन मामले में थाना कांड संख्या 46/24 दर्ज किया गया है। खनन निरीक्षक ने अपने आवेदन में लिखा है,कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के हवाई अड्डा के निकट गुरुवार को वाल्मीकि नगर पुलिस के साथ छापेमारी की गई। उक्त स्थल से लगभग 3 हजार सीएफटी अवैध खनन सामग्री पाई गई। ग्रामीणों के द्वारा पूछताछ में अवैध खनन कर्ता बाल किशन साह उर्फ कटिंग साह पिता स्वर्गीय विश्वनाथ साह ग्राम हवाई अड्डा निवासी को चिन्हित किया गया। और अन्य लोगों को भी चिन्हित किया गया है। पूर्व में भी इस व्यक्ति पर अवैध खनन मामले में थाना कांड संख्या 36/23, 7/ 23 दर्ज है। अवैध खनन और परिवहन के कारण सरकार को 184188 रुपए की क्षति हुई है। इस बाबत पूछे जाने पर वाल्मीकि नगर थाना अध्यक्ष विजय प्रसाद राय ने बताया कि खनन निरीक्षक के आवेदन पर थाना कांड संख्या 46/ 24 दर्ज करते हुए अग्रेतर कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

भीषण गर्मी से व्याकुल हो कर वन्यजीव रिहायशी क्षेत्रों की ओर पलायन करने पर मजबूर

बगहा(दिवाकर)।वाल्मीकि टाइगर रिजर्व वन प्रमंडल दो के वाल्मीकि नगर क्षेत्र में पड़ रहे भीषण गर्मी से इंसान क्या जीव जंतु भी व्याकुल हो चला है। वाल्मीकि नगर शहरी क्षेत्र से सटे टाइगर रिजर्व क्षेत्र से जंगली बंदरों का झुंड पानी की तलाश में रिहायशी क्षेत्र की ओर भटक रहे हैं। हालांकि वन प्रशासन द्वारा वन क्षेत्र के अंदर शाकाहारी और मांसाहारी जीव जंतुओं के लिए भीषण गर्मी में पानी की कमी ना हो इसको लेकर कई वाटर होल बनाए गए हैं। किंतु बंदर प्रजाति के जीव खासकर रिहायशी क्षेत्र के निकट रहना पसंद करते हैं।और ज्यादातर रिहायशी क्षेत्र में चहलकदमी करते रहते हैं। बंदरों का झुंड घरों में लगे चापाकल के निकट में पानी और जहां भी पानी दिखाई दे रहा है। वहां पहुंचकर अपनी प्यास बुझाते नजर आ रहे हैं।वाल्मीकि नगर क्षेत्र में तापमान लगभग 42 डिग्री और उमस भरा मौसम होने के कारण लोगों की व्याकुलता बढ़ गई है। हालांकि राज्य सरकार के द्वारा स्कूलों के बंद करने के फरमान के बाद छात्रों और अभिभावकों में संतुष्टि का माहौल देखा जा रहा है।

चहक चहक कर बच्चों के अंतरात्मा को जागृत करते हुए कौशल और बौद्धिक विकास के साथ बच्चों का करें सर्वांगीण विकास:बीईओ

मझौलिया(प.च)।चहक चहक कर बच्चों के अंतरात्मा को जागृत करते हुए कौशल और बौद्धिक विकास के साथ बच्चों का सर्वांगीण विकास शिक्षा के क्षेत्र में करें।उक्त बातें प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी हाफिजुर रहमान ने बीआरसी भवन में प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के शिफ्ट वार शिक्षक शिक्षिकाओं का चहक प्रशिक्षण के तीसरे दिन कहीं।उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण 29 मई शुरू हुआ है जिसका समापन आज यानी 1जून को किया जाएगा ।उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण सुबह 9:30 बजे से संध्या 5:00 बजे तक आयोजित हो रहा है।चाय नाश्ता और भोजन की व्यवस्था भी की गई है ।इस प्रशिक्षण में विभिन्न विद्यालयों के वर्क प्रथम के नामित शिक्षक शिक्षिकाएं शामिल हैं जो प्रशिक्षण के उपरांत विद्यालय में बच्चों के शिक्षा के क्षेत्र में सर्वांगीण विकास के तहत बच्चों को कौशल और बौद्धिक ज्ञान देंगे। प्रशिक्षक के रूप में शिक्षक शशि रंजन चौबे एवं अनिल कुमार सिंह ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षकों में से हीं एक-एक शिक्षक और शिक्षिकाओं को शिक्षक के रूप में तथा कुछ शिक्षक को छात्र के रूप में प्रदर्शित करते हुए चहक प्रशिक्षण के गुण के बारे में जानकारी दी ।इस मौके पर प्रखंड साधन सेवी उपेंद्र कुमार शुक्ला, उमाशंकर सिंह समेत प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे।

किशोरों को तम्बाकू सेवन से बचाना है थीम के साथ सदर अस्पताल में मनाया विश्व तंबाकू निषेध दिवस

प्रात :किरण संवाददाता

मोतिहारी। जिले के सदर अस्पताल मोतिहारी सहित कई स्वास्थ्य संस्थानों में लोगों को जागरूक करते हुए विश्व तंबाकू निषेध दिवस स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा मनाया गया। मौके पर एसीएमओ डॉ. श्रवण कुमार पासवान एवं डीएस डॉ. अवधेश कुमार ने बताया कि जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में बैनर, पोस्टर के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया है। उन्होंने बताया कि किशोर किशोरियों, युवाओं व आम लोगों के द्वारा तम्बाकू का सेवन किया जाना बेहद खतरनाक है। इससे मुँह के कैंसर सहित अन्य बीमारियों का खतरा बना रहता है। इसलिए इन सभी बीमारियों से बचने के लिए तंबाकू का सेवन नहीं करना चाहिए। सदर अस्पताल के ओपीडी में इस अवसर पर कैंसर की स्क्रीनिंग की गईं। जिसमें 48 से ज्यादा लोगों की मुंह, दांत एवं ओरल कैंसर की जाँच चिकित्सकों द्वारा करते हुए तम्बाकू का उपयोग न करने की सलाह दी गईं।इस अवसर पर नर्सिंग स्टॉफ व अस्पताल कर्मियों ने तम्बाकू सेवन न करने का संकल्प लिया। अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ श्रवण कुमार पासवान ने बताया कि हर वर्ष 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाकर लोगों तक तम्बाकू का सेवन न करने का सन्देश पहुंचाया जाता है। इस मौके पर उन्होंने बताया कि तम्बाकू का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। युवा, मजदूर वर्ग व ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं भी धूम्रपान जैसे- बीड़ी, सिगरेट का उपयोग करतीं हैं। जिसके कारण फेफड़े, गले, दांत, प्रभावित होते हैं। वहीं लोगों को इन चीजों की लत भी हो जाती है। उन्होंने बताया कि तंबाकू सेवन करने वाली महिला या पुरुषों में टीबी होने का खतरा 3 गुना ज्यादा होता है। टीबी से होने वाली मृत्यु भी 3 से 4 गुना अधिक होती है। तंबाकू सेवन से कैंसर के साथ ही टीबी की बीमारी होने की संभावना ज्यादा रहती है। ड्डसार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करने पर लगेगा जुमार्ना तंबाकू पदार्थों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से विज्ञापन पर 01 से 05 वर्ष तक की कैद एवं 1000 से 5000 रुपए तक का जुमार्ना देय है।18 वर्ष से कम आयु वर्ग के अवयस्कों को तंबाकू पदार्थ बेचने पर 200 रुपए तक का जुमार्ना लग सकता है। बिना चित्रित या पैकेट के 85% भाग पर मुख्य रूप से न छपे वैधानिक चेतावनी के तंबाकू पदार्थ बेचने के जुर्म में 2 से 5 साल की कैद और 1000 से 10000 तक जुमार्ना भी लगाया जा सकता है।

इंडो नेपाल सीमा पर अवस्थित वाल्मीकिनगर में एक जून से 9 जून तक होगी संत मुरारी बापू की रामकथा

प्रात :किरण संवाददाता

बेतिया(प.च)।महर्षि वाल्मीकि की तपोभूमि और लवकुश की क्रीड़ा स्थली इंडो नेपाल सीमा स्थित वाल्मीकिनगर में विश्व प्रसिद्ध राम कथा वाचक श्री मुरारी बापू की 9 दिवसीय रामकथा का आयोजन होने जा रहा है। शनिवार से शुरू होने वाले इस कार्यक्रम का आयोजन गंडक बराज कंट्रोलरूम के समीप किया जा रहा है ,जो एक जून से 9 जून तक चलेगा। इस कार्यक्रम में देश विदेश से रामकथा श्रोता पहुंच रहे हैं,जिनके ठहरने के लिए वाल्मीकिनगर स्थित लगभग सभी होटलों को आरक्षित कर लिया गया है। वहीं आयोजन स्थल पर श्रोताओं के लिए पेयजल सहित शौचालय की व्यवस्था की गई है। साथ ही प्रतिदिन 15 हजार लोगों के लिए भंडारे का आयोजन की भी व्यवस्था की गई है। आयोजकों ने लोगों से अनुरोध किया है की ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर रामकथा सुने और प्रसाद ग्रहण करें। शनिवार को शाम चार बजे से रामकथा का शुभारंभ होगा जबकि बाकी दिन यह सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक चलेगा। कथा वाचक मुरारी बापू के लिए सुरक्षा के कड़े बन्दोवस्त किए गए हैं ताकि इन्हें किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हो।

रक्सौल की निर्भया को न्याय दिलाने हेतु सड़क पर बजरंग दल ने निकाला मशाल जुलूस

प्रात :किरण संवाददाता

रक्सौल। रक्सौल के निर्भया को न्याय दिलाने की मांग को लेकर बजरंग दल के पूर्व संयोजक दिग्विजय पार्थ के नेतृत्व में एवं गीता क्लास के सैकड़ो कार्यकताओं के द्वारा नगर के सभी लोगों के सहयोग से हजारों कि संख्या में शहर के त्रिलोकी नगर, कोरियाटोला वार्ड नंबर 25 स्थित पीड़िता के घर से उसके परिजनों के साथ कैंडल मार्च एवं विशाल मशाल जुलूस निकला जो पूरे रक्सौल नगर परिक्रमा के बाद पोस्ट ऑफिस चौक सभा करके समाप्त हो गया। इस दौरान इस घटना के फरार दोषी अभियुक्त को अविलंब गिरफ्तार करने की मांग की गई। सभा को संबोधित करते हुए दिग्विजय पार्थ ने बताया कि घटना के 21 दिन बीत चूका है, लेकिन अभी तक मुख्य आरोपी पुलिस के गिरफ्त से बाहर है, जो रक्सौल क्षेत्र वासियों के लिए चिंता का विषय है, इसलिए इस जुलूस के माध्यम से हम प्रशासन से डिमांड करते हैं कि आरोपियों को तुरंत गिरफ्तारी हो और उनको जल्द से जल्द फांसी पर चढ़ाया जाए। इस कार्यक्रम में गीता क्लास के सैकड़ो कार्यकताओं एवं स्थानीय निवासियों ने योगदान दिया। इस दौरान राधेश्याम कुमार, अरुण कुमार, जितेश राणा, सनी कुमार, विजय सिंह, मनोज सिंह, आनंद कुमार, मनीष कुमार, यश कुमार, सोनू कुमार,आशीष कुमार, प्रमोद कुमार, शंभू जी, मुकेश कुमार, संदीप कुमार, अजीत पांडे, शशि कुमार, प्रशांत कुमार, संतोष गुप्ता, आदि सहित सैकड़ो कार्यकताओं ने अपना सेवा और योगदान दिया।

बगहा पुलिस की कार्रवाई में 05 अभियुक्त गिरफ्तार, 03 मिट्टी लदा हुआ ट्रैक्टर व 01 मोटरसाईकिल बरामद

● बगहा पुलिस द्वारा वाहन जांच के दौरान 39,000 रुपए का लगाया जुमार्ना

प्रात :किरण संवाददाता

बगहा।बगहा पुलिस जिला में गुरुवार को विगत 24 घंटा में 05 अभियुक्त की गिरफ्तारी की गई है।कुल-01 अजमानतीय वारंट का निष्पादन किया गया है। उक्त जानकारी पुलिस अधीक्षक,बगहा सुशांत कुमार सरोज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके दिया।उन्होंने बताया कि बगहा थाना,पटखौली थाना,रामनगर थाना,लौकरिया थाना द्वारा शराब के काण्ड में 05 अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया साथ ही 03 ट्रैक्टर ट्राली मिट्टी लदा हुआ, एक ट्रैक्टर ट्राली एवं 02 जे०सी०बी० जब्त किया गया हैं।वही 21.5 लीटर देशी शराब एक मोटरसाईकिल भी बरामदगी की गई हैं।इस संबंध में संबंधित थाना द्वारा अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।एसपी एस.के सरोज ने बताया कि बगहा पुलिस द्वारा अपराध नियंत्रण हेतु वाहन जाँच किया गया।जाँच के क्रम में यातायात थाना द्वारा 16,500, रामनगर थाना द्वारा-10,500, धनहाँ थाना द्वारा-6,000, बगहा थाना द्वारा-4,000, चौतरवा थाना द्वारा-2,000 इस प्रकार कुल 39,000 रुपए का जुमार्ना लगाया गया।

बगहा नगर के ओमनगर कॉलोनी का उपसभापति रश्मि रंजन ने फीता काटकर किया उद्घाटन

प्रात :किरण संवाददाता

बगहा।बगहा नगर स्थित महिला थाना व एसीसी एसटी थाना के पास न्यू कॉलोनी ह्वओमनगरह्व का नगर परिषद,बगहा की उपसभापति रश्मि रंजन द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया।उपसभापति रश्मि रंजन को शिक्षक नेत्री नलीनी श्रीवास्तव ने माला व शॉल पहनकर सम्मानित किया गया।ह्वओमनगरह्व कॉलोनी के उद्घाटन विधिवत रूप से मंत्र उच्चारण व पूजा अर्चना के बाद रश्मि रंजन द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया। उद्घाटन के बाद सम्मान समारोह किया गया। जिसमें पंडित उमाशंकर महिला महाविद्यालय के प्राचार्य अरविंद तिवारी,सेवानिवृत्ति बगहा स्टेशन अधीक्षक सह रेल यूनियन नेता जयकुमार प्रसाद,राष्ट्रीय न्यायिक कर्मचारी संघ के संरक्षक डॉ शकील मोईन,डॉ कृष्ण मोहन राय, अमर सिंह, कामरान अजीज ,छोटे श्रीवास्तव,उत्कर्ष वर्मा,वार्ड पार्षद पप्पू राव,जितेंद्र तिवारी,प्राचार्य बीबीएन कॉलेज सुबोध श्रीवास्तव,बगहा स्टेशन अधीक्षक संतोष पांडेय , उपसभापति प्रतिनिधि पति रवि गुप्ता,शशि पांडे,अनुराग श्रीवास्तव आदि को सम्मानित किया गया। ओम नगर के इस उद्घाटन के बाद ओमनगर वासियों ने बगहा नगर द्वारा मिलनी वाली सुविधाओं जिम कूड़ा उठाओ, नाली, पानी और पीसीसी आदि की मांग उपसभापति से की गई है। जिस उपसभापति रश्मि रंजन ने आश्वासन दिया है कि नगर द्वारा मिलने वाली सुविधाएं ओम नगर वासियों मिलेगी। उद्घाटन में मौजूद लोगों ने न्यू कॉलोनी ह्वओमनगरह्व के उद्घाटन की ढेर सारी शुभकामनाएं नगर वासियों को दिए।

का. विष्णुदेव यादव नहीं रहे

प्रात :किरण संवाददाता

बेतिया मोहन सिंह। पार्टी राज्य कमिटी सदस्य का. विष्णुदेव प्रसाद यादव, बेलहियां, पूर्वी चंपारण का निधन कल लू लगने से 4.10 बजे अपराह्न में आरा सदर अस्पताल में हो गया। उनका अंतिम संस्कार आज उनके पैतृक गांव बेलहियां में उनके परिवार, परिजनों,पार्टी समर्थकों और भाकपा माले महासचिव कॉमरेड दीपंकर भट्टाचार्य, विधायक वीरेंद्र गुप्ता समेत सैकड़ों लोगों की उपस्थिति में श्रद्धांजलि सभा के साथ संपन्न हुआ। वे लोकसभा चुनाव की तैयारी में आरा लोकसभा के आरा विधान सभा क्षेत्र के धोबहां इलाके में कार्यरत थे। 3.30 बजे अपराह्न में वे पेशाब करने बाहर निकले और लू लगने से बेहोश होकर गिर गए। तुरत ही साथियों ने उन्हें आरा सदर अस्पताल लाया, जहां इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। कॉमरेड विष्णु देव यादव छात्र राजनीति से भाकपा माले से जुड़े और भाकपा माले के सक्रिय राजनीति में आ गए। पुर्वी और पश्चिम चंपारण में सामान्य रूप से काम किए हैं। मृदुभाषी और मिलनसार प्रवृत्ति के व्यक्तित्व के मालिक थे जिनसे मिलते उनपर अपनी छाप छोड़ दिया करते थे। संयुक्त चंपारण के आदापुर छौड़ादानो, मोतिहारी, बेतिया से लेकर बाल्मीकिनगर तक जनता के हर सुखदुख में शामिल हो भाकपा माले को बढ़ाने में बड़ी योगदान किये है। वर्ष 2010 में भाकपा माले के टिकट पर बाल्मीकिनगर विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशी के बतौर चुनाव भी लड़ा। वयक्तिगत तौर पर हमने राजनीतिक संघर्षों के साथी को खोया है।उनका अचानक असमय चले जाना अपने परिवार, पार्टी और समाज के लिए अपुरणीय क्षति है। हम भाकपा माले के तरफ से अश्रुपूरित नैनों से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इस दुख की घड़ी में उनके परिवार के साथ खड़े हैं। का. विष्णुदेव यादव को लाल सलाम !

संक्रमण से बचने के लिए माहवारी के वक्त सैनिटरी नैपकिन का करें प्रयोग : डीआईओ

एएनएम कॉलेज के छात्राओं का हुआ एक दिवसीय प्रशिक्षण

प्रात :किरण संवाददाता

मोतिहारी। जिले में माहवारी स्वच्छता के संदेश लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों व सामुदायिक स्थानों पर बैनर, पोस्टर, पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन करते हुए लोगों को जागरूक किया जा रहा है। ताकि छात्राएं, युवतियां व आम महिलाए भी माहवारी स्वच्छता के संदेश से परिचित हो सकें एवं साफ–सफाई न करने से इसके होने वाले दुष्प्रभाव को जान सकें। सदर अस्पताल मोतिहारी कैंपस स्थित एएनएम कॉलेज मे स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, सी श्री एवं पीरामल फाउंडेशन के सहयोग से माहवारी स्वच्छता सप्ताह के तहत सभी एएनएम छात्राओ को प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. श्रवण कुमार पासवान, डीआईओ डॉ. शरत चंद्र शर्मा, डीसीएम नंदन झा की उपस्थिति में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एएनएम छात्राओं के बीच जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी के द्वारा माहवारी से संबंधित जानकारी देते हुए बताया गया की माहवारी एक स्वाभाविक प्रक्रिया है जिससे घबराने या भयभीत होने ही आवश्यकता नहीं है, बल्कि इस समय हमे अपने निजी स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। माहवारी के समय संक्रमण से बचने हेतु सैनिटरी नैपकिन के प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु बताया। उन्होंने बताया की अब ये नैपकिन सस्ते दर पर जीविका समूह एवं अन्य संस्थानों के द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है। सभी छात्राओं को इस दौरान आने वाली सामान्य परेशानी के निदान के बारे में भी बताया गया। इस अवसर पर उपस्थित छात्राओं के बीच क्विज प्रतियोगिता, पहेली की सहेली, चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमे माहवारी से संबंधित सवालों को पूछा गया और अंत में विजेता की घोषणा की गई प्रथम स्थान सुरुचि कुमारी, द्वितीय स्थान ग्रुप चार और तृतीय पुरस्कार ग्रुप छः को प्रशस्ति पत्र और इनाम के रूप में पठन सामग्री का वितरण किया गया। इसके साथ उपस्थित सभी छात्राओं को एकदिवसीय प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए प्रशस्ति-पत्र दिया गया। इस अवसर पर सिविल सर्जन ने बच्चियों को संबोधित करते हुए बताया कि आपलोग चिकत्सा के क्षेत्र में भविष्य है और अपने घर में अपने से छोटे को माहवारी के विषय में जरूर जानकारी दें, ये हर एक किशोरियों के लिए अपने जीवन का पहला कठिन अनुभव होता है, सभी किशोरियों को किशोरावस्था में ही माहवारी की जानकारी होना आवश्यक है। कार्यक्रम में पिरामल फाउंडेशन के राणा फिरदौस, अरविन्द कुमार, सी श्री से आदित्य राज ने सहयोग किया।

बगहा में तेज आंधी से टूटे तार,13 घंटे ठप्प रहा बिजली,पानी की सप्लाई भी बाधित

प्रात :किरण संवाददाता

बगहा।बीते रात बगहा क्षेत्र में आंधी तूफान का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है।बगहा नगर मे गुरुवार के देर रात करीब सात बजकर पचास मिनट पर अचानक मौसम ने पलटा खाया और तेज तूफान के साथ करीब 1 घंटे तक बारिश हुई।बारिश के चलते सड़कों पर पानी बह निकला।वही बगहा एक ब्लॉक कैंपस में लगे एक आम पेड़ पर आंधी तूफान ढह गया तो वही दूसरा पेड़ भी छतिगस्त हो गया हैं वो कभी टूटकर गिर सकता हैं। अचानक आए आंधी तूफान से कई जगहों पर पेड़ टूटकर बिजली के तारों पर जा गिरा।जिसके चलते 33 केवी ग्रिड की लाइन क्षतिग्रस्त हो गई और पोल टूट कर क्षतिग्रस्त हो गए साथ ही कस्बे की बिजली आपूर्ति ठप हो गई।यह 13 घंटे बाद बहाल हो सकी।वही बिजली नहीं रहने बगहा ब्लॉक एक कैंपस में कार्य करने कर्मियों को काफी परेशानियां झेलनी पड़ी साथ ही गर्मी से लोग बेहाल रहें। बगहा बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता आलोक अमृतांशु,एसडीओ अमित कुमार,जेई शशिभूषण कुमार ने बताया कि अंधड़ के कारण 33 केवी की लाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण नगर की बिजली आपूर्ति ठप्प हो गई थी।जिसके बाद कर्मियों के प्रयास से शुक्रवार को 11 बजकर 30 मिनट पर लाइन को दुरुस्त कर आपूर्ति को बहाल कर दिया गया।बिजली आपूर्ति ठप्प होने से नगर में पेयजल आपूर्ति भी बाधित हो गई।जिसके कारण नगरवासी परेशान होते रहे।पेयजल के लिए नगर में हैंडपंप पर लोगों की भीड़ लगी रही। बिगड़े मौसम से परेशानी:- कस्बे सहित क्षेत्र मे गुरुवार को बिगड़े मौसम ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी।तेज आंधी और बारिश ने यहां व्यापक नुकसान किया।कई पेड़ सहित बिजली के पोल व तार टूट गए।जिससे गुरुवार को क्षेत्र में कई घंटे तक विद्युत आपूर्ति प्रभावित रही और लोगों को बिजली के साथ पेयजल समस्या का सामना करना पड़ा।पानी के लिए हैंडपंप पर भीड़ लगी रही।हालांकि बारिश से तापमान में कुछ कमी आई है।

रेमल आंधी का व्यापक असर कई जगहों से विधुत पोल और पेड़ उखड़े वाल्मीकिनगर परिक्षेत्रों में ब्लैक आउट हुआ

प्रात :किरण संवाददाता

बेतिया(प.च)। नेपाल और उत्तर प्रदेश की सीमा पर स्थित बगहा व वाल्मीकिनगर में रेमल तूफान का बड़ा असर देखने को मिला है। बीती रात से तेज आंधी के साथ हुई बारिश ने जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया है। हालांकि उमस भरी भीषण गर्मी से लोगों को हल्की राहत जरूर मिली है।

दरअसल तेज आंधी में कई जगहों पर पेड़ और हाईटेंशन तार गिर गए। वहीं कुछ लोगों की झोपड़िया भी उड़ गईं।

नगर थाना अंतर्गत एनएच 727 गोरखपुर बेतिया मुख्य सड़क से सटे डीएम एकेडमी चौक पर पेड़ गिरने से आवागमन घंटो बाधित रहा। दोनों तरफ जाम की स्थिति बन गई।

बतादें की चिलचिलाती धूप और उमस भरी गर्मी की तपिश से लोग बेचैन थे। इसी बीच रात तेज आंधी उठी और फिर बारिश हुई। जिसके बाद कई इलाकों में हाई टेंशन तार टूटकर गिर गए, वहीं कुछ जगहों पर पेड़ गिरने से बिजली के पोल तार टूट गए। लिहाजा रात से हीं विद्युत आपूर्ति बाधित है। भले हीं आंधी और बारिश से लोगों को गर्मी से मामूली राहत मिली हो लेकिन जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया।

इधर यूपी सीमा पर स्थित पिपरासी थाना क्षेत्र के मुडाडीह पंचायत के चनकुहा गांव में नल जल की पानी टंकी गिरने से एक युवती की दर्दनाक मौत हो गईं । तेज आंधी पानी से सागवान के सरकारी पेड़ भी गिर गया लिहाजा रास्ता अवरूद्ध हो गया । करीब चार किलोमीटर पैदल चलकर घटना स्थल पर पहुंचे पिपरासी थानाध्यक्ष अशोक कुमार शव के पोस्टमार्टम करवाने के लिए परिजनों को मनाने लगे लेकिन परिजन घटना से इंकार कर शव देने को राजी नहीं हुए।वहीं वाल्मीकिनगर के हॉस्पिटल कॉलोनी स्थित मेन रोड मुन्ना चाय दुक्सन के सामने आम के पेड़ की भाड़ी टहनी गिर गई।

मझौलिया में किसान नेता ने खरीफ महोत्सव की खानापूर्ति का लगाया आरोप

● जागरूकता के अभाव में महंगे दामों पर धान बीज खरीदने को विवश है किसान

प्रात :किरण संवाददाता

बेतिया(मोहन सिंह)।मझौलिया निवासी सह जिला किसान नेता अशोक मिश्रा ने खरीफ महोत्सव को खाना पूर्ति बताते हुए जिला पदाधिकारी से जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि प्रखंड कृषि कार्यालय द्वारा लोगों के बीच जागरूकता के अभाव में धान समेत अन्य बीज को ग्रामीण क्षेत्र के किसान महंगे दर बीज खरीदने को विवश हैं।किसान आर्थिक एवं शारीरिक तंगी से जूझ रहे हैं इसके बावजूद भी छोटे-छोटे किसानों को धान का बीज नहीं मिल पा रहा है।प्रखंड मुख्यालय में केवल खरीफ महोत्सव की खानापूर्ति कर अपने चहेते किसान या बड़े-बड़े किसानों को ऑनलाइन आवेदन कराकर बीजों का बंदरबांट कर रहे हैं जो किसान के लिए चुनौती का विषय है।क्षेत्र में अधिकतर किसान सलाहकार किसान समन्वयक नहीं जाकर इसकी जानकारी किसानों के बीच देते हैं ।जब इसके बारे में प्रखंड कृषि कार्यालय से जानकारी ली गई तो बताया गया कि प्रखंड कृषि पदाधिकारी के घर शादी है।प्रखंड कृषि कर्मी इस संबंध में ऑनलाइन आवेदन करने की बात कह कर कुछ भी बताने से इनकार कर रहे हैं ।वही किसान नेता ने बताया कि समय रहते किसानों को बीज नहीं मिल पाता है तो किसानों के सामने भुखमरी की संकट उत्पन्न हो जाएगी। इस संदर्भ में प्रखंड कृषि पदाधिकारी का मोबाइल स्विच ऑफ होने के कारण पक्ष नहीं लिया जा सका है।

अलर्ट मोड में पोषक क्षेत्र में पहुंचकर अपने कर्तव्य एवं दायित्वों का करें निर्वहन:अंचलाधिकारी

प्रात :किरण संवाददाता

मझौलिया(प.च)।लोक सभा चुनाव का समय बीत गया अब राजस्व संबंधित कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं चलेगी अबअलर्ट मूड में पोषक क्षेत्र में पहुंचकर अपने कर्तव्य एवं दायित्वों का निर्वहन निष्ठा पूर्वक करें।उक्त बातें अंचलाधिकारी राजीव रंजन ने शुक्रवार को अंचल कार्यालय में राजस्व कर्मचारियों की सप्ताहिक की बैठक की समीक्षा के दौरान कही ।उन्होंने बैठक के दौरान निर्देश दिया की किसानों का आधार सीडिंग का कार्य लक्ष्य के काफी पीछे चल रहा है उसे हर हाल में पूरा करें। वही आरटीपीएस अनुमंडल एवं जिला लोक शिकायत निवारण दाखिल खारिज परिमार्जन एवं आम जनता द्वारा दिया गया आवेदन की जांच रिपोर्ट समय पर दें।उन्होंने पंचायत वार राजस्व कार्यो का समीक्षा करते हुए गाइड लाइन जारी की इस बैठक में सभी राजस्व कर्मचारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

हॉनरेबल जस्टिस अपने धर्मपत्नी के साथ किया माता आरन देवी का दर्शन

आरा। माता अरण्य देवी के मंदिर प्रांगण में हॉनरेबल जस्टिस अनिल कुमार सिंह अपने धर्मपत्नी के साथ आकर मां के पूजा अर्चना किया इसके उपरांत माता अरण्य देवी मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों के द्वारा उन्हें मां का चित्र और चुनरी देकर सम्मानित किया गया इस मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष राधा चरण सेठ के सुपुत्र समाजसेवी कन्हैया कुमार सचिव अरविंद पांडे , अशोक कुमार सिंह , संतोष कुमार सिंह गजेंद्र सिंह , श्रवण जलान , गोलू बाबा, मनोज बाबा ,सोनू गुप्ता ,अमित , अंकित , छोटू सहित सभी लोग मौजूद थे

31 मई को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर सेमिनार का आयोजन किया गया

आरा : 31 मई को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर सदर अस्पताल, आरा के जी.एन.एम भवन में एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस मौके पर डॉ. प्रवीण कुमार सिन्हा, एन.सी.डी.ओ. ने तम्बाकू के दुष्परिणामों की चर्चा की, साथ ही साथ सभी उपस्थित प्रतिभागियों को कोटपा 2003 के संबंध में धारा- 4, धारा- 6अ, धारा- 6इ, धारा -5 एवं धारा -7 को विस्तार पूर्वक जानकारियों से लोगों को अवगत कराया और सभी को संयुक्त रूप से तम्बाकू का सेवन नहीं करने की शपथ दिलाई। तम्बाकू के दुष्परिणामों में कैंसर, हार्टअटैक, ब्रेन अटैक, नपुंसकता, रेसपारेट्री फैल्युर और कार्डियक फैल्युर आदि के बारे में गंभीरता पूर्वक तम्बाकू के निषेध पर बल दिया। तम्बाकू के कोटपा 2003 के धारा- 4, धारा 6अ धारा-6इ, धारा -5 और धारा -7 के संबंध में जानकारियां साझा किया। पब्लिक प्लेस पर तम्बाकू सेवन करना वर्जित है, 18 वर्षो से कम के युवाओं को तम्बाकू की खरीद बिक्री पर प्रतिबंधित है, स्कूल व कॉलेज परिसर से 100 यार्ड के अंदर तम्बाकू बेचने की अनुमति नहीं है, इस बात पर जोर दिया।

गरीबनाथ मंदिर धनौरा में अखंड अष्टयाम शूरू

जिले के गरीबनाथ मंदिर धनौरा परिसर मे मंदिर निर्माण एवं रूद्र महायज्ञ के वार्षिकोत्सव के शुभ अवसर पर अखंड अष्टयाम का आयोजन किया गया।जिले के सुप्रसिद्ध भोजपुरी लोक गायक पूर्व मुख्यमंत्री दरोगा प्रसाद रामायण कीर्तन एवम् अष्टयाम मंडली के बयास रासबिहारी राय के नेतृत्व मे श्रीराम जय राम जय जय राम,गौरीशंकर सीताराम के मधुर धुन से कोठियां-नरांव का क्षेत्र गुंजायमान हो रहा है। अष्टयाम का आयोजन मंदिर सेवा समिति एवं ग्रामीणो के सहयोग से हो रहा है जिसमे मुख्य आचार्य नंदकिशोर ओझा एवं मंदिर पुजारी ललन उपाध्याय मुख्य रहे।

मतगणना के दिन जश्न मनाने वालो पर प्रशासन की रहेगी पैनी नजर

पानापुर(सारण)आगामी 4 जून को मतगणना के दिन थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए शुक्रवार को स्थानीय थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी बैठक में उपस्थित बीडीओ राकेश रौशन ,सीओ अभिजीत कुमार एवं थानाध्यक्ष विश्वमोहन राम ने शख्त हिदायत देते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के माध्यम से ऐसा कमेंट न करे जिससे समाज मे कटुता एवं वैमनस्य की भावना उत्पन्न हो उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के इस महापर्व में किसी की जीत या हार वास्तव में लोकतंत्र की जीत होती है इसलिए सभी लोग इसे संयम के साथ स्वीकार करें उन्होंने कहा कि अनर्गल पोस्ट करनेवालों एवं माहौल बिगाड़ने वालो पर प्रशासन की पैनी नजर रहेगी।

चंडीगढ जा रहे मां व पुत्र के अत्यधिक गर्मी के कारण ट्रेन में हुई मौत

परसा:-हरिहरनाथ एक्सप्रेस ट्रेन से चंडीगढ़ जाने के क्रम में सुल्तानपुर स्टेशन के समीप अत्यधिक गर्मी के कारण परसा के मा बेटा की मौत की खबर पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया है।मृतका परसा थाना क्षेत्र के अन्याय निवासी स्व राजेंद्र महतो की पत्नी 54 वर्षीया किशोरी देवी बताई गई है व पुत्र 37 वर्षीय प्रदीप कुमार बताया गया है।इधर मा बेटा की मौत खबर मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर है।हालाकि घर में ताला बंद पड़ा है और लोग घर के बाहर ही खड़े होकर दोनो की मौत की चर्चा करते है।घटना को लेकर भाई दीपक महतो ने बताया कि गुरुवार को मां भाई व बहन तीनों लोग हरिहरनाथ एक्सप्रेस गाड़ी से चंडीगढ़ जा रहे थे।

हिट स्ट्राइक के 130 बेड पूरी तरह चालू स्थिति में रखने के निर्देश : जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

गया। विगत कुछ दिनों से गया जिला का तापमान 45 डिग्री से ऊपर रह रहा है, जिसके कारण हीट वेव का पूवार्नुमान मौसम विभाग द्वारा अलर्ट जारी है। हीट वेव को लेकर मगध मेडिकल अस्पताल में हीट वेव से जुड़े मरीजों को क्या-क्या सुविधा दिए जा रहे हैं इस संदर्भ में मगध मेडिकल अस्पताल का औचक निरीक्षण जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम द्वारा किया गया है।अभी के समय में मगध मेडिकल अस्पताल के हीट स्टॉक वार्ड में 32 मरीज भर्ती हैं इसके अलावा प्रत्येक पाली में दो डॉक्टर तथा 6 वार्ड अटेंडेंट तथा 6 नर्स प्रतिनियुक्त हैं। जिला पदाधिकारी ने नाराजगी के व्यक्त करते हुए अधीक्षक मगध मेडिकल को कहा कि वर्तमान समय में हीट वेव की पूरी संभावना है और अनुमान है कि मरीजों की संख्या में एकाएक बढ़ोतरी होगी। उक्त परिपेक्ष में शिफ्ट वार चिकित्सकों की संख्या को बढ़ावे। इसके अलावा प्रत्येक बेड पर नर्सिंग स्टूडेंट्स को लगाकर मरीजों को देखभाल करावे। उन्होंने निर्देश दिया कि सलाइन एवं आइस पैक की पूरी व्यवस्था रखें। पारा मेडिकल स्टाफ का आकलन कर शिफ्ट वर 12-12 की संख्या में हीट स्ट्रोक वार्ड में डिपयूट करें। डीएम ने निर्देश दिया कि मरीज को देखते हुए चिकित्सक यह आकलन करने की मरीज हीट स्ट्रोक से संबंधित है या नहीं, हीट स्ट्रोक से संबंधित मरीज रहने पर उसे तुरंत हीट स्ट्रोक वार्ड में भेजे, ना की इमरजेंसी वार्ड में रखकर उन्हें उपचार करें। हीट स्ट्रोक वार्ड में कुल 96 बेड है, उसे पूरी तरह चालू करवाये। इसके अलावा ट्रामा सेंटर, मेडिसिन वार्ड, लेक्चर वार्ड को भी पूरी तरह तैयार करके रखें ताकि मरीजों की संख्या बढ़ने पर इस प्रयोग में लाया जा सके। हीट स्ट्रोक से आने वाले सभी मरीजों का प्रॉपर ट्रीटमेंट करना मगध मेडिकल अस्पताल का पहली प्राथमिकता है।हीट स्ट्रोक वार्ड के बाहर सुरक्षा में लगे सिक्योरिटी के कर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि अनधिकृत रूप से कोई भी व्यक्ति इस वार्ड में प्रवेश न करें इसे हर हाल में सुनिश्चित करावे। वार्ड के बाहर मरीज के परिजन की भीड़ को देखकर जिला पदाधिकारी ने बारी बारी से उनसे जानकारी लिया कि कहां से आए हैं कब और कहां पर हीट स्ट्रोक की घटना हुई, वर्तमान समय में इलाज कैसा चल रहा है। उनके मरीज रिकवर कर रहे हैं या नहीं इत्यादि की पूरी जानकारी ली गई है। परिजन ने डीएम को अस्वस्थय कराया कि मरीज का इलाज काफी अच्छे से यहां हो रहा है। मरीज को कोई असुविधा नहीं हो इसे अच्छे से सुनिश्चित करवाये। इमरजेंसी टाइप वाले मरीज अर्थात वैसे मैरिज जिसे तुरंत ही इलाज की आवश्यकता है उसे टाइप के मरीजों को काफी संवेदनशीलता एवं प्रायरिटी से ट्रीटमेंट करना होगा।डीएम ने कहा कि पीडिया वार्ड को तुरंत फंक्शनल बनाएं और सर्जरी के पश्चात भर्ती मरीजों को पीडिया वार्ड में भर्ती करावे ताकि सर्जरी वार्ड को हीट स्ट्रोक के रूप में प्रयोग कर सके। इमरजेंसी वार्ड में गर्मी को देखते हुए कोई तैयारी नहीं देखने पर जिला पदाधिकारी ने हॉस्पिटल मैनेजर को निर्देश दिया कि आज ही रेंट पर टावर एसी लगवाएं ताकि मरीजों को राहत मिल सके।लेक्चर वार्ड में काम से कम 25 बेड लगाने के लिए व्यवस्था करावे, इसके अलावा मरीज के इलाज के लिए विभिन्न प्रकार की व्यवस्थाएं को पूरी तरह दुरुस्त अगले 24 घंटे के अंदर करवाने को कहा है।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया है कि मगध मेडिकल अस्पताल में हीट स्ट्रोक से संबंधित एक साथ 130 मरीज के उपचार की व्यवस्था के अनुरूप ही पूरी तैयारी करें हर हाल में 130 बेड पूरी तरह चालू स्थिति में रखें। जिला पदाधिकारी ने अपर समाहर्ता आपदा को निर्देश दिया है कि प्रतिदिन मगध मेडिकल अस्पताल के हीट स्ट्रोक वार्ड का निरीक्षण करेंगे। इसके अलावा उन्होंने अधीक्षक मगध मेडिकल को निर्देश दिया है कि प्रतिदिन संध्या को हीट वेव संबंधित बुलेटिन जारी करना सुनिश्चित करें ताकि आम जनता को भी स्पष्ट जानकारी मिल सके।इस निरीक्षण के क्रम में सिविल सर्जन गया, डीपीएम स्वास्थ्य, नोडल पदाधिकारी हीट वेब सहित अन्य पदाधिकारी एव डॉक्टर, नर्स उपस्थित थे।

लू से मचा कोहराम, इलेक्शन ड्यूटी में तीन कमार्चारियों समेत पांच की गई जान

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। बिहार में हिट वेव का कहर जारी है। भोजपुर जिले में आरा लोकसभा के साथ-साथ अगिआंव विधानसभा उपचुनाव के लिए 1 जून को वोट डाले जाने हैं। इसको लेकर चुनाव में कर्मियों की ड्यूटी लगी हुई है लेकिन अचानक इस हीट वेव की चपेट में आने से गुरुवार को पांच लोगों की मौत हो गई जिसमें तीन चुनावकर्मी शामिल हैं। भोजपुर जिलाधिकारी महेंद्र कुमार सदर अस्पताल पहुंचकर इलाजरत मतदानकर्मियों को देख रहे हैं।

अचानक कर्मचारियों की तबीयत बिगड़ने के बाद आननफानन में उनको सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना को लेकर काफी देर तक अफरातफरी का माहौल कायम रहा। इसमें चुनाव कार्य में लगे आरा के शिवगंज अंबेडकर कॉलोनी निवासी राजेश राम, गोपालगंज से आए हुए होमगार्ड जवान धनराज सिंह, आरा के नाला रोड निवासी कर्मचारी रविंद्र भूषण, आरा के नवादा रोड के रहने वाले कर्मचारी एमडी आसीन और मुजफ्फरपुर के सिंचाई विभाग के कर्मी संजय कुमार सिंह शामिल हैं।इसके अलावा आधा दर्जन से ज्यादा कर्मचारियों की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है. कुछ का इलाज आरा के सदर अस्पताल में कराया जा रहा है. जबकि कुछ की गंभीर स्थिति को देखते हुए पीएमसीएच रेफर कर दिया गया है. इसमें सिपाही विजय कुमार, होमगार्ड जमाना रविंद्र शर्मा, बड़ा बाबू के पोस्ट पर तैनात नालंदा जिला निवासी अमरेंद्र कुमार, चतुर्थ वर्गीय कोईलवर के रहने वाले कर्मचारी राजकुमार प्रसाद शामिल हैं। इस संदर्भ में भोजपुर के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी महेंद्र कुमार ने बताया कि निर्वाचन कार्य में लगे तीन कर्मियों की हिट वेव से मौत हुई है। उनको अस्पताल ले जाया गया था लेकिन उनको बचाया नहीं जा सका। लोकसभा चुनाव को लेकर मतदान केंद्रों पर मेडिकल किट के साथ स्वास्थ्यकर्मियों की व्यवस्था की गई है ताकि किसी भी प्रकार की स्थिति से निपटा जा सके। लोकसभा का चुनाव भी कराना जरूरी है।

नारी शक्ति जनकल्याण को प्रोत्साहित करने वाली लोकमाता देवी थी अहिल्या बाई

प्रात : किरण संवाददाता

गया।राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के बिहार प्रदेश के अध्यक्ष डॉ मनीष पंकज मिश्रा के द्वारा देवी अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जयंती राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन कार्यालय में मनाई गई।सर्वप्रथम उनके चित्र पर माला पुष्प चढ़ाकर श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन की गई। इस अवसर पर डॉ मनीष पंकज मिश्रा ने कहा नारी शक्ति की प्रतिमूर्ति एवं शासन व्यवस्था में जनकल्याण को प्रोत्साहित करने वाली लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर भारतीय इतिहास को स्वर्ण अक्षर से लिखने वाली व्यक्ति थीं। उन्होंने मराठा साम्राज्य की, पेशवा के राजनीतिक और साम्राज्यिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अहिल्याबाई का जन्म 1725 ईसा पूर्व मध्य भारत के मालवा में हुआ था।अहिल्याबाई के पति श्रीमंत राजा शिंदे थे, जो इंदौर के महाराजा थे। उनके पति की मृत्यु के बाद, अहिल्याबाई ने राजनीतिक मामलों में सक्रिय भूमिका निभाई और मराठा साम्राज्य को विस्तारित करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने महाराष्ट्र के प्रमुख बालाजी बाजीराव के साथ सहयोग किया और उनकी सेना में समर्थ ताकत बनाई है।अहिल्याबाई का शासनकाल उनके नेतृत्व और साहस की कहानी है। उन्होंने नागपुर, इंदौर, ग्वालियर, और जबलपुर जैसे क्षेत्रों में अपना शासन स्थापित किया। अहिल्याबाई की महानता उनके नेतृत्व, साहस, और देशभक्ति में थी। विश्व प्रसिद्ध मंदिर विष्णुपद गया जी की संरचना महारानी अहिल्याबाई होलकर के द्वारा 1787 में कराई गई थी अहिल्याबाई होलकर धार्मिक और सामाजिक उत्साह के कारण धार्मिक स्थलों का निर्माण करतीं थी और उनके द्वारा बनाए गए धार्मिक स्थल आज विश्व प्रसिद्ध मंदिरों के श्रेणी में गिने जाते हैं।देवी अहिल्याबाई का 18 अप्रैल 1795 को नागपुर में निधन हुआ। उनकी उपलब्धियों और साहसिकता की यादें आज भी भारतीय जनता के दिलों में जीवित हैं। उनकी 300 वीं जयंती पर हम सभी उनके योगदान को समर्पित करते हैं और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उनकी जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष राणा रणजीत सिंह , महेश यादव जिला मीडिया प्रभारी संतोष ठाकुर,मंटू कुमार,बबलू गुप्ता आदि जन शामिल होकर नमन किया है।

जिलाधिकारी ने गाँव मे जाकर ग्रामीणों से निर्भिक होकर मतदान करने का आह्वान किए

प्रात : किरण संवाददाता

गया।लोकसभा आम निर्वाचन चुनाव की अंतिम चरण कल मतदान कल होना है, उसमे जहानाबाद संसदीय क्षेत्र के गया जिला अंतर्गत अतरी विधानसभा पड़ता है, इस क्षेत्र का भी चुनाव कल ही होना है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम ने पोलिंग पार्टी डिस्पैच एवं डिस्पैच का कार्य करवाते हुए के बीच ही अतरी विधानसभा के अनेको दूरस्थ टोलों का घूम कर निरीक्षण किया गया है।

एव ग्रामीणों से बात चीत करते रहे कि वोट देने में कही कोई समस्या है या नही। डीएम ने चिलचिलाती दोपहर को स्वमं गया जिला मुख्यालय से 70 किलोमीटर दूर नीमचक बथानी प्रखंड पहुच कर अनेको गाँव, टोलो का विजिट किया गया है। और ग्रामीणों से मतदान से संबंधित कोई समस्या हो रही है अथवा नही, इसकी जानकारी भी लेते रहे हैं।ग्रामीणों से बताया कि अपनी स्वेच्छा से मत का प्रयोग करेंगे।

कही कोई समस्या नही है। डीएम ने कहा कि आप सभी पूरी निर्भीक होकर अपना मतदान करे। आप सभी के लिये शांति पूर्ण वातावरण में चुनाव कार्य हो इसके लिये हर स्तर पर तैयारी की गई है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर किया गया शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

भोजपुर। आरा सिविल कोर्ट में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वाधान में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार ने उपस्थित सभी पैनल अधिवक्ता एवं पारा विधिक स्वयंसेवकों के साथ तंबाकू का सेवन नहीं करने हेतु सभी के साथ सामूहिक शपथ लेते हुए कहा कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस के इस अवसर पर हम सभी यह शपथ लेते हैं कि मैं कभी भी धूम्रपान व अन्य किसी भी प्रकार के तंबाकू उत्पादों का सेवन नहीं करूंगा एवं अपने परिजनों या परिचितों को भी धूम्रपान व अन्य तंबाकू उत्पादों का सेवन नहीं करने के लिए प्रेरित करूंगा। मैं अपने कार्यालय परिसर को तंबाकू मुक्त रखूंगा और अपने सहयोगियों को भी इसके लिए प्रेरित करूंगा।अवर न्यायाधीश सह अपर मुख्य न्यायाधीश अधिकारी सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार गौतम कुमार के अध्यक्षता में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। पैनल अधिवक्ता कृष्ण गोपाल मिश्रा, कुमार रोशन, अमृत आनंद, रूबी कुमारी, सीताराम ठाकुर, सुनील कुमार चौधरी, अवनींद्र कुमार त्रिपाठी एवं अन्य लोगों उपस्थित थे।

भोजपुर की जनता किसको पहनाती है ताज

प्रात : किरण संवाददाता

भोजपुर। आरा लोक सभा क्षेत्र गंगा और सोन नदी से गिरा हुआ है। इसके पूरब में सोन नदी है तो उत्तर में पावन गंगा नदी। सोन और गंगा का पवित्र संगम स्थल भी इसी क्षेत्र के अंतर्गत आता है। आरा लोक सभा क्षेत्र बिहार के उन लोकसभा क्षेत्रों में शामिल है जिनके अंतर्गत सात विधान सभा क्षेत्र आते हैं। इनमें आरा विधान सभा क्षेत्र, बड़हरा विधान सभा क्षेत्र, शाहपुर विधान सभा क्षेत्र, जगदीशपुर विधान सभा क्षेत्र, संदेश विधान सभा क्षेत्र, अगियॉव विधान सभा क्षेत्र और तरारी विधान सभा क्षेत्र शामिल हैं। आरा लोक सभा क्षेत्र 1977 में अस्तित्व में आया। आरा लोक सभा क्षेत्र में एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच आमने-सामने की लड़ाई है। एनडीए से केंद्रीय मंत्री तथा सांसद आरके सिंह तो वहीं इंडिया गठबंधन की तरफ से भाकपा(माले) के सुदामा प्रसाद चुनावी रण में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। वर्ष 2014 के लोक सभा चुनाव में भाजपा के आरके सिंह ने राजद के श्रीभगवान सिंह कुशवाहा को हराकर चुनावी बाजी जीती थी। आरके सिंह को कुल 3.91 लाख मत मिले तो वहीं श्रीभगवान सिंह कुशवाहा को 2.55 लाख मतों से ही संतोष करना पड़ा था। दुबारा वर्ष 2019 के लोक सभा चुनाव में भाजपा के आरके सिंह 5.66 लाख मत पाकर विजयी घोषित हुए जबकि भाकपा(माले) के राजू यादव को 4.19 लाख मत प्राप्त हुए थे। वर्ष 2014 और 2019 के लोक सभा चुनाव में आरा लोक सभा क्षेत्र की जनता ने 1975 बैच के आइएएस अधिकारी और देश के गृह सचिव रह चुके राजकुमार सिंह (आर के सिंह) को सर आंखों पर बिठाया था। अब देखना है कि वर्ष 2024 में आरा लोक सभा क्षेत्र की जनता आरके सिंह को जीत का हैट्रिक लगवाती है या तरारी विधान सभा क्षेत्र के विधायक एवं इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार सुदामा प्रसाद को ताज पहनाती है। सुदामा प्रसाद तरारी विधान सभा क्षेत्र से भाकपा(माले) के विधायक हैं। उन्होंने वर्ष 2015 में पहली बार तरारी सीट पर जीत हासिल की थी। वर्ष 2020 के विधान सभा चुनाव में भी वे दुबारा निर्वाचित घोषित हुए। बहरहाल किसके सिर पर होगा ताज और कौन होगा बेताज, यह तो 4 जून को ही पता चलेगा।

केंद्रीय मंत्री आरके सिंह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के विकास और देश को विकसित राष्ट्र बनाने की बात करते हैं। कोईलवर में सोन नदी पर सिक्स लेन पुल, पटना-बक्सर फोरलेन, आरा स्टेशन का पुनरुद्धार सहित विकास के अनेकों कार्य को गिनाते हैं। वहीं इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी एवं तरारी विधान सभा क्षेत्र से भाकपा(माले) के विधायक सुदामा प्रसाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के दौरान बढी बेतहाशा महंगाई, बेरोजगारी, लॉकडाउन और नोटबंदी से देश की खराब हुई आर्थिक स्थिति की तरफ लोगों का ध्यान आकृष्ट कर रहे हैं। वे चुनावी बांड में सत्ताधारी दल भाजपा द्वारा की गई धांधली एवं लूट के साथ-साथ देश के भ्रष्ट नेताओं को भाजपा में मिलाकर उन्हें पाक साफ बनाने का आरोप नरेंद्र मोदी सरकार पर लगा रहे हैं। शाहपुर विधान सभा क्षेत्र के लोगों में आरा-बक्सर फोरलेन पर बिहिया चौरास्ता, बिलौटी, शाहपुर और कुंडेश्वर में अंडर पास नहीं देने से नाराजगी दिख रही है। इन जगहों पर आये दिन सड़क दुर्घटना में लोगों की असमय मौत हो रही है। इसकी शिकायत भी लोगों ने केंद्रीय मंत्री तथा स्थानीय सांसद आर के सिंह से की थी। शाहपुर-बनाही सड़क पर फोरलेन पर अंडरपास तो बना है लेकिन यहाँ पर फोरलेन पर चढ़ने के लिए सड़क नहीं बनी है। यही स्थिति आरा के पास रतनपुर गांव की है। रतनपुर गांव के उत्तर से फोरलेन गया है जहां अंडरपास तो बना हुआ है लेकिन फोरलेन पर चढ़ने के लिए सड़क नहीं बन सका है। यहाँ पर फोरलेन पर चढ़ने के लिए मिट्टी तो भरा गया है परंतु उसको व्यवस्थित करके सड़क का कालीकरण नहीं किया गया है। बनाही स्टेशन पर पहले उद्यान-आभा तूफान एक्सप्रेस, हावडा-अमृतसर बनारस एक्सप्रेस, फरक्का एक्सप्रेस जैसी गाड़ियाँ रुकती थीं। परंतु लॉकडाउन के बाद से इन गाड़ियों का ठहराव बंद कर दिया गया। लोगों ने बनाही स्टेशन पर इन गाड़ियों को पुनः रुकवाने की मांग स्थानीय सांसद तथा केंद्रीय मंत्री आरके सिंह से की थी। लॉकडाउन के बाद से पटना जाने और आने वाले पैसेंजर ट्रेनों का भाड़ा बढ़ाकर एक्सप्रेस ट्रेन के बराबर कर दिया गया है। इसकी भी नाराजगी लोगों में है।

दो पलानीनुमा घरों में अचानक लगी आग

प्रात : किरण संवाददाता

दिघवारा नगर।थाना क्षेत्र के मानूपुर पंचायत अधीन उत्क्रमित मध्य विद्यालय ईशुपुर के समीप शुक्रवार की सुबह दो पलानीनुमा घरों में अचानक आग लग गई और देखते ही देखते आग की लपटों ने विकराल रूप धारण कर लिया और दोनों घरों में रखा सब सामान आग की भेंट चढ़ गया।इसमें लाखों रुपए मूल्य के सामान जलकर राख हो गया।पीड़ित परिवारों की पहचान दिघवारा थाना क्षेत्र के ईशुपुर गांव निवासी बालगोविंद राय और नन्हक राय के रूप में हुई है।अगलगी की घटना के बाद दोनों परिवारों के परिजनों का रोते रोते बुरा हाल था।सबों के अंदर कीमती सामानों के जलकर राख हो जाने का दर्द था।मिली जानकारी के मुताबिक बाल गोविंद राय के घर में अचानक आग की लपटें उठी और इन लपटों को देखकर आसपास के ग्रामीण उसके घरों की तरफ दौड़े और अपने अपने स्तर से आग को बुझाने का प्रयास किया।सबसे पहले घर में मौजूद तीन चार बच्चों को तुरंत निकाला गया वरना एक बड़ा हादसा हो जाता। इसी घटना में घर के पास बंधा मवेशी का एक बच्चा गंभीर रूप से झुलस गया तो वहीं नन्हक राय के घर में भी आग ने सब कुछ जलाकर राख कर दिया।दोनों घरों में कीमती सामानों के अलावा कपड़े,जरूरी कागजात आग की भेंट चढ़ गए।सैकड़ों ग्रामीणों की तत्परता से आग पर जल्दी काबू पाया लिया गया।ऐसा नहीं होने पर तेज हवा के बीच उक्त बस्ती के कई और घर आग की भेंट चढ़ जाते।

4 जून को मतगणना का परिणाम किसी दल के पक्ष में आयें आपसी भाईचारा कायम रखें : सीओ

एकमा। लोक सभा चुनाव के पश्चात मतगणना को लेकर शांति समिति की बैठक थाना परिसर सीओ कि अध्यक्षता में संपन्न हुई । इस बैठक में मुख्य रूप से पार्टी के विभिन्न दल अध्यक्ष व उपाध्यक्ष कार्यक्रता एवं पंचायत जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई । इस दौरान सीओ राहुल शंकर ने कहा कि 4 जून को चुनाव का परिणाम आयेगा लेकिन किसी भी दल के पक्ष में आए आप सभी लोग आपस में शांति सदभाव भाईचारा कायम रखने के लिए अपील किया । 21 मई को छपरा में हुई घटना कि निंदा करते हुए अधिकारी व पुलिस पदाधिकारी प्रशासन को हर संभव सहयोग करने के लिए आग्रह किया ।उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी गांव व कस्बों में जातीय उन्माद फैलाने वाले लोगों को चिन्हित कर इसकी सूचना प्रशासन को अवश्य दें। जिससे उसपर काबू पाया जा सके । वही बीडीओ डॉ सत्येंद्र पाराशर ने कहा कि चुनाव का परिणाम के पश्चात किसी तरह का जुलूस पर पाबंदी रहेगी । मतगणना में राजनीतिक या दल से एजेंट नहीं बनेंगे । साथ ही 15 16 18 साल के बच्चों पर अभिभावक कड़ी नजर रखे ताकि किसी तरह का वाद विवाद उत्पन्न नहीं करें। इस मौके पर थाना अध्यक्ष उदय कुमार भाजपा जिला उपाध्यक्ष चैतेन्दर नाथ सिंह रोशन सिंह सुरेश राय योगेन्द्र शर्मा जितेंद्र सिंह पवन कुमार चितरंजन सिंह प्रमोद सिंह मौला जिम अंसारी शंभू नाथ मिश्रा आदि काफी संख्या में लोग उपस्थित थे ।

ट्रक के तहखाना में छुपाकर रखा गया भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब को पुलिस ने किया जब्त

प्रात : किरण संवाददाता

अमनौर। स्थानीय थाना क्षेत्र के बिशुनपुर प्रताप अंकित चिमनी के निकट खड़ी ट्रक से पुलिस ने भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद किया।बीते गुरुवार को चिमनी के पास लावारिस स्थिति में एक ट्रक खड़ी थी।चिमनी मालिक ने इसकी सूचना पुलिस को दिया।पुलिस दिवा गस्ती में पोखरा के पास खड़ी थी।सूचना मिलते ही पुलिस पहुँची।पुलिस को देख एक ब्यक्ति उतरकर मोटरसाइकिल से भागने लगा।पुलिस पकड़ने की कोशिश किया पर वे असफल रहे।ये ट्रक की तहकीकात शुरू कर दिया।शराब माफिया ट्रक में तहखाना बनाकर अंदर रख शराब छुपाया था।जिसे पुलिस ऊपरी चदरा को काट कर हटवाया।पुलिस भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब देख भौचक हो गए।थाना अध्यक्ष पिन्टू कुमार ने बताया कि ट्रक से ऑफिसर च्वाइस विसकी -180 'का 44 कार्टन अंग्रेजी शराब बरामद किया।प्रत्येक कार्टन में 48 पीस बोतल पाया गया।बोतल पर सेल फॉर उत्तरप्रदेश लिखा हुआ था।जिससे पता चलता है कि यह माल उतर प्रदेश से लाया गया है।रात्री में डिलवरी की योजना थी लेकिन पुलिस के हाथों चढ़ गए।380.160 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद हुई है।इस मामले में पुलिस करवाई करते हुए भागे हुए ब्यक्ति अमनौर के सुल्तानगंज निवासी गोविंद कुमार समेत ट्रक के चालक व मालिक के बीरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की करवाई की है।पुलिस के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है।

माँझी के अलग अलग गाँवों में लू लगने के कारण एक महिला समेत तीन लोगों की मौत

प्रात : किरण संवाददाता

माँझी। माँझी थाना क्षेत्र के तीन अलग अलग गाँवों में लू लगने के कारण एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पहली घटना माँझी के मियां पट्टी की है जहाँ एक महिला लू लगने से बेहोश हो गई जिसे माँझी सीएचसी में लाया गया तथा बाद में चिकित्सकों ने उसे चिन्ताजनक हालत में छपरा रेफर कर दिया। हालाँकि छपरा में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। शुक्रवार को शव घर पहुंचते ही चीख पुकार मच गई। मृतका मियां पट्टी निवासी शमसुद्दीन मियां की पुत्री बेबी खातून उम्र 25 वर्ष बताई जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि गुरुवार को अपनी मां नजमा खातून के साथ बेटी बेबी खातून सुघर छपरा से दोपहर में घर लौट रही थी। तभी रास्ते में उन्हें चक्कर आ गया और दोनों कुंअर टोली के समीप चकरा कर गिर पड़ी। सूचना मिलने पर ग्रामीणों के सहयोग से उन्हें मांझी सीएचसी में लाया गया गया। शुक्रवार को शव पहुंचते ही चीख पुकार मच गई एवं देखने वालों की भी उमड़ पड़ी। उधर शुक्रवार को ही माँझी नगर पँचायत के चैनपुर गाँव निवासी अमरनाथ यादव उम्र 45 वर्ष की लू लगने से मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि मृतक माँझी चट्टी स्थित अपनी दुकान पर बैठा था तभी अचानक उसे चक्कर आ गया तथा वहीं पर गिरकर बेहोश हो गया। दुकानदारों ने उसे आनन फानन में माँझी सीएचसी पहुँचाया जहाँ इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। तीसरी घटना माँझी के धरहरा गाँव की है जहाँ कल गुरुवार की दोपहर पैदल आ रहे भरत प्रसाद उम्र 50 वर्ष अचानक गिरकर बेहोश हो गए तथा उल्टी होने लगी। बाद में दुकानदारों द्वारा माँझी सीएचसी में लाये जाने के दौरान रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। माँझी में लू लगने से तीन लोगों की मौत की खबर के बाद ग्रामीणों में दहशत ब्याप्त है। मंगलवार को माँझी बनवार पथ पर कृषि विज्ञान केन्द्र के समीप दो बाइक की आमने सामने हुई टक्कर में गम्भीर रूप से जख्मी माँझी के पटखौली गाँव निवासी जवाहर साह के पुत्र बीरेन्द्र साह की शुक्रवार को पटना में इलाज के क्रम में मौत हो गई। यह जानकारी स्थानीय मुखिया मुन्ना साह ने दी।

हरिकिशोर पाण्डेय के निधन पर श्रद्धान्जलि सभा

प्रात : किरण संवाददाता

हिन्दी, भोजपुरी और अंग्रेजी के विद्वान लेखक, कवि और समीक्षक प्रो. हरि किशोर पाण्डेय के निधन से साहित्य प्रेमियों में शोक की लहर छा गई है। 92 वर्षीय लेखक का छपरा स्थित आवास पर मंगलवार को निधन हो गया था। उनके निधन की खबर से जिले के साहित्यक जगत और साहित्यकार मर्माहत हैं। अन्तर्राष्ट्रीय संस्था सारण्य महोत्सव के कार्यालय पर श्रद्धान्जलि सभा का आयोजन शुक्रवार को किया गया। अध्यक्षता अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन के राष्ट्रीय प्रकाशन मंत्री ज्योतिष पाण्डेय ने किया। संचालन सारण्य महोत्सव अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश राज ने किया।सारण्य महोत्सव के अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश राज ने उन्हें नमन करते हुए कहा हिन्दी, भोजपुरी-अंग्रेजी के विद्वान लेखक, कवि और समीक्षक थे। उनका सहज, सरल और हसमुख व्यक्तित्व हमेशा याद रहेगा। सारण्य महोत्सव के महासचिव श्याम बिहारी अग्रवाल ने श्रद्धान्जलि देते हुए कहा प्रो. हरि किशोर पाण्डेय के निधन से आई कमी को पूरा करना अभी असंभव प्रतीत होता है। उनकी विद्वता के साथ उनका सहज, सरल व हसमुख व्यक्तित्व हमेशा याद किया जायेगा। ऐसे विद्वान मनीषी को खोकर हम सभी मर्माहत हैं। छपरा के धरोहर गायक कृष्ण मेनन ने प्रो हरि किशोर पाण्डेय द्वारा रचित भोजपुरी गीत गाकर उन्हें श्रद्धान्जलि दीं। सारण्य महोत्सव अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश राज, महासचिव श्याम बिहारी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष डॉक्टर देवेश कुमार, उपाध्यक्ष सुभाष ओझा, कृष्ण मेनन, ज्योतिष पाण्डेय, विनोद ओझा आदि ने साहित्यकार प्रो. हरि किशोर पाण्डेय के निधन पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धान्जलि दिया।

कपिल के साथ फिर जमेगी अली असगर की जोड़ी! द ग्रेट इंडियन कपिल शो में करेंगे वापसी?

कॉमेडी किंग कपिल शर्मा का शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है। शो में कई मशहूर हस्तियां अपने काम और निजी जिंदगी से जुड़े अनुभव साझा करते हुए नजर आती हैं। अब हाल ही में, खबर आ रही है कि अली असगर भी जल्द ही इस शो का हिस्सा बनने वाले हैं।

हाल ही में, एक इंटरव्यू में जब अली असगर से पूछा गया कि क्या वह द ग्रेट इंडियन कपिल शो का हिस्सा बनने वाले हैं तो इस पर कॉमेडियन ने कहा कि उन्होंने कपिल का द ग्रेट इंडियन कपिल शो नहीं देखा है क्योंकि वह बहुत यात्रा कर रहे हैं, कुछ फिल्मों पर काम कर रहे हैं और लंबे दौरे पर जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चूंकि यह सबसे अच्छी टीमों में से एक है, इसलिए शो वास्तव में अच्छा होगा। कपिल शर्मा के साथ फिर से जुड़ने के बारे में बात करते हुए अली ने कहा, ये तो दर्शकों का प्यार है कि वे हमेशा लिखते रहते हैं कि वे मुझे शो में वापस देखना चाहते हैं। मैं भगवान का और दर्शकों का शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मेरा काम पसंद किया। मैं कपिल का भी शुक्रगुजार हूं कि मैं ऐसे शो का हिस्सा था। मुझे भविष्य के बारे में नहीं पता, लेकिन अभी मैं अपने चैट शो चड्डी बडी में व्यस्त हूं। यह दोस्त (बख्तियार ईरानी) मुझे छोड़ता नहीं है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह कपिल शर्मा शो के अपने दोस्तों को अपने चैट शो चुड्डी बडी पर आमंत्रित करेंगे, तो अली ने कहा, हां, क्यों नहीं। हम कृष्णा अभिषेक-सुदेश लहरी, कीकू शारदा-राजीव ठाकुर को अपने साथ देखना पसंद करेंगे। वे सभी दोस्त हैं। अली ने 2017 में कपिल के मशहूर कॉमेडी शो द कपिल शर्मा शो को छोड़ दिया था । उन्होंने शो छोड़ने का कारण क्रिएटिव डिफरेंस बताया था। अली द कपिल शर्मा शो का एक लोकप्रिय हिस्सा थे। शो में वह नानी और दादी के किरदार में नजर आए थे।

मैं काम को घर नहीं लाती

सुमोना चक्रवर्ती, टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस, जिन्होंने कई सीरीयल्स में काम किया है। कपिल शर्मा के शो में कई तरह के किरदार निभाकर लोगों को हंसाया है। खुद का मजाक बनवाया है। और अब वह खतरों के खिलाड़ी 14 में नजर आएंगी।

फिल्म और टीवी कलाकारों को लेकर लोगों की आम धारणा होती है कि उनकी जिंदगी तो खूब ग्लैमरस और चमक-दमक से भरी होती है मगर सच कई बार अलग भी होता है। यह कहना है कमीडियन कपिल शर्मा की ऑनस्क्रीन पत्नी बिंदु और भूरी के रूप में मशहूर रहीं सुमोना चक्रवर्ती का। निजी ज़िंदगी में वे कोविड महामारी के दौर को अपने लिए सबसे मुश्किल समय मानती हैं, जब बिना काम के घर पर बैठने के चलते उन्हें कई आर्थिक समझौते करने पड़े थे।

एडवेंचर स्पोर्ट पर कर चुकी हूं शो

सुमोना खतरों के खिलाड़ी जैसे स्टंट शो का हिस्सा बनने जा रही हैं। वह खुद कितनी एडवेंचरस हैं? इस पर उन्होंने बताया, मुझे एडवेंचर बहुत पसंद है। मुझे ट्रैवलिंग पसंद है। मैंने बंजी जंपिंग, स्काई डाइविंग सब कर चुकी हूं। मैंने असल में एडवेंचर स्पोर्ट पर स्विट्जरलैंड में एक पूरा शो किया था। इसलिए मैंने खतरों के खिलाड़ी के लिए हामी भरी क्योंकि अभी मेरे पास वक्त था तो सोचा कि चलो, कर लेते हैं।

कपिल के शो को करती हैं मिस?

लंबे समय तक कपिल शर्मा के शो का हिस्सा रहीं सुमोना क्या उस शो और उन साथियों को मिस करती हैं? यह पूछने पर उन्होंने कहा, वो कमाल के दस साल रहे। हमारा एक प्रॉजेक्ट खत्म हुआ, तो उसने (कपिल) आगे जाकर दूसरा प्रॉजेक्ट किया और मैं दूसरा प्रॉजेक्ट कर रही हूं। इतनी सी बात है। रही मिस करने की बात तो वे मेरे कलीग्स हैं, मगर मैंने काम और पर्सनल लाइफ को बहुत अलग रखा है। मैं काम को घर और घर को काम पर लेकर नहीं जाती।

मैंने आलोचना सहकर अपना करियर बनाया है

बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा खान अपनी प्रोफेशनल लाइफ को अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। हालांकि, कई बार मलाइका अपने जिम वीडियोज को लेकर ट्रोल भी हो जाती हैं। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने दावा किया है कि लोगों की ट्रोलिंग ने उन्हें उनका करियर आगे बढ़ाने में मदद की है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

एक साक्षात्कार में, जब उनसे पूछा गया कि वह सभी ट्रोलिंग पर कैसे प्रतिक्रिया देती हैं, तो अभिनेत्री ने कहा, हर कोई बहुत मेहनत करता है और अपने ब्रांड को बनाने के लिए बहुत प्रयास करता है, और कोई भी शॉर्टकट नहीं ढूंढता है, लेकिन अगर आप मेरे पूरे करियर को देखें, तो मैंने हमेशा अपनी पसंद की चीज ही की है, मैं जैसी हूं और मैं जो पहनती हूं, हर चीज के लिए मेरी आलोचना होती है। मुझे लगता है कि मैंने ट्रोलिंग को अपना करियर बनाया है। इसलिए, यह मेरे पूरे करियर का एक हिस्सा रहा है।

मलाइका ने आगे कहा, स्टाइल एक ऐसी चीज है, जो हर किसी में होती है। बेशक, आप अपने आस-पास की चीजों की वजह से अपने जीवन में थोड़ा बहुत स्टाइल तो अपना ही सकते हैं, जो आपको खास तरह से प्रभावित करती हैं। इसलिए, हर किसी की एक व्यक्तिगत शैली होती है, और आपको उसे बनाए रखना होता है। यह पूछे जाने पर कि वह अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर ज्यादातर भद्दे कमेंट्स को नजरअंदाज क्यों करती हैं और ट्रोल्स को कभी जवाब नहीं देती हैं, मलाइका ने कहा कि वह सभी नकारात्मकता से दूर रहना पसंद करती हैं। अभिनेत्री ने कहा, मैं उनसे (ट्रोल्स) उस दिन बात करूंगी, जब मुझे लगेगा कि इसे संबोधित करने की जरूरत है और अगर मुझे लगता है कि कोई मेरे किसी करीबी या मेरे दोस्तों के पीछे पड़ा है। तब मैं जरूर कहूंगी। अभिनेत्री ने आगे कहा, मेरे पास चिंता करने के लिए दूसरे काम हैं। मुझे किसी को कुछ भी सही ठहराने की जरूरत नहीं है, चाहे वह मेरा निजी या पेशेवर जीवन हो। मुझे किसी को कोई स्पष्टीकरण देने की जरूरत नहीं है।

पौरशपुर 3 में बोल्ड सीन्स देने पर खुलकर बोलीं शर्लिन चोपड़ा

अपने बोल्ड अवतार के लिए मशहूर अभिनेत्री शर्लिन चोपड़ा ने फैंटेसी पीरियड ड्रामा पौरशपुर 3 में बोल्ड सीन्स देने को लेकर कई खुलासे किए। बोल्ड दृश्यों की शूटिंग के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि इन सीन्स को बेहतर तरीके से शूट किया गया था। शो में महारानी स्नेहलता और विषकन्या भौमिका का किरदार निभाने वाली शर्लिन ने बताया, पौरशपुर में बोल्ड सीन को बहुत ही खूबसूरती के साथ शूट किया गया था। बोल्ड सीन शूट करते समय सेट पर केवल वही तकनीशियन मौजूद रहते हैं जिनकी वास्तव में जरूरत होती है, साथ ही महिला सहायक निर्देशक और महिला स्टाइलिस्ट भी मौजूद रहती थी।

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए बिग बॉस 3 का हिस्सा रही शर्लिन ने कहा, पौरशपुर 2 में मैंने महारानी स्नेहलता की भूमिका निभाई थी, जिसे पौरषपुर के सिंहासन के लिए अंतिम दावेदार के रूप में दिखाया गया था। तीसरे सीजन में मैं न केवल स्नेहलता की भूमिका निभा रही हूं, बल्कि विषकन्या भौमिका की भूमिका में भी नजर आ रही हूं,जो स्नेहलता से बहुत मिलती-जुलती है। दोनों ही किरदारों में धैर्य, लचीलापन और दृढ़ इच्छाशक्ति है। शो में काजोल त्यागी, अनुभव श्रीवास्तव, पायल राहा और प्राजक्ता दुसाने भी हैं।

शर्लिन ने टाइम पास, दोस्ती- फ्रेंड्स फॉरएवर, इमरान हाशमी अभिनीत जवानी दीवानी, शरमन जोशी और जिमी शेरगिल अभिनीत रकीब, शाहिद कपूर और रानी मुखर्जी अभिनीत दिल बोले हड़िप्पा और 2018 की फिल्म चमेली जैसी हिंदी फिल्मों में अभिनय किया है। पौरशपुर का ट्रेलर भी काफी दिलचस्प और जबरदस्त था। जिसमें शर्लिन चोपड़ा महारानी स्नेहलता के रूप में सेंटर स्टेज दिखाई दे रही थी। जिसमें वह अपनी बेटी को रानी बनाने के लिए प्रयास कर रही थीं। केसी द्वारा निर्देशित और सचिन मोहिते द्वारा निर्मित यह शो बालाजी के एएलटीटी पर स्ट्रीम हो रहा है। जो दर्शकों को राज्य पर शासन करने वाली महाकाव्य की लड़ाई से जोड़ता है। पौरशपुर के इससे पहले 2 सीजन आ चुके हैं। जिन्हें दर्शकों ने काफी सराहा। बड़े पर्दे के अलावा एक्ट्रेस शर्लिन छोटे पर्दे पर भी काम कर चुकी हैं। वह कलर्स के फेमस और विवादित शो बिग बॉस सीजन 3 का हिस्सा भी रह चुकीं हैं।

कार्तिक-तृप्ति डिमरी के साथ भूषण कुमार की एक और फिल्म, अनुराग बसु होंगे निर्देशक

एक्टर कार्तिक आर्यन इस समय बॉलीवुड के सबसे लोकप्रिय एक्टर्स में से एक हैं। कार्तिक की जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। लोग उनकी हर फिल्म का बेसब्री से इंतजार करते हैं। कार्तिक फिलहाल अपनी आगामी फिल्म चंदू चैंपियन के प्रमोशन में बिजी हैं। यह फिल्म 14 जून को सिनेमाघरों में पहुंचेगी। इसके बाद कार्तिक 'भूल भुलैया' फ्रेंचाइजी के तीसरे पार्ट भूल भुलैया 3 में नजर आएंगे, जिसकी शूटिंग जारी है। इसमें कार्तिक की जोड़ी पहली बार एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी के साथ बनी है। तृप्ति पिछले साल रणबीर कपूर की सुपरहिट फिल्म 'एनिमल' में नजर आई थीं और तबसे ही हर ओर उनकी चर्चा है। सोशल मीडिया पर उन्हें नेशनल क्रश का टैग मिल चुका है। इस बीच कार्तिक और तृप्ति ने साथ में एक और फिल्म करने के लिए रजामंदी दे दी है। उन्हें फिल्म की कहानी पसंद आ गई है। इस रोमांटिक फिल्म का डायरेक्शन अनुराग बसु करेंगे और प्रोडयूसर भूषण कुमार हैं। पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक शूटिंग अगस्त में शुरू हो जाएगी। चर्चा है कि यह अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। बता दें कि कार्तिक की पिछली फिल्म पिछले साल आई 'सत्यप्रेम की कथा' थी, जिसमें उन्हें कियारा आडवाणी के साथ रोमांस करते देखा गया था।

नागा चैतन्य ने अपनी आने वाली फिल्म थंडेल के बारे में बात करते हुए कहा कि इसकी कहानी प्रेरणादायक है। उन्होंने इसे अपने अब तक के करियर की सबसे बड़ी फिल्म भी करार दिया।

नागा चैतन्य ने थंडेल को बताया प्रेरणादायक कहानी

दक्षिण भारतीय अभिनेता नागा चैतन्य अपनी आने वाली फिल्म थंडेल की तैयारी में काफी व्यस्त हैं। वो लगातार इस फिल्म को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। थंडेल में नागा के साथ साई पल्लवी भी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी। फिल्म पर तेजी के साथ काम किया जा रहा है। इसी बीच, नागा चैतन्य ने फिल्म के बारे में कुछ बातें साझा की है।

थंडेल की कहानी प्रेरणादायक है

हाल ही में, मीडिया से बातचीत करते हुए नागा ने कहा कि थंडेल की कहानी प्रेरणादायक है। उन्होंने इसे अपने अब तक के करियर की सबसे बड़ी फिल्म भी करार दिया। नागा ने कहा कि विजुअल फिल्मों में दर्शकों को सिनेमाघरों तक लाने की क्षमता होती हैं और इसीलिए इनका निर्माण सही तरीके से होना चाहिए।

किरदार तैयार करने में लगे नौ महीने

थंडेल की कहानी सच्ची घटना पर आधारित है। इसका निर्देशन चंदू मोंदेती कर रहे हैं। नागा ने बताया कि उन्होंने अपने किरदार को तैयार करने में लगभग नौ महीने काम किया था। बता दें कि गीता आर्ट्स द्वारा फिल्म का निर्माण किया जा रहा है, जिसे संगीतकार देवी श्री प्रसाद ने अपनी धुनों से सजाया है। फिल्म में दिखेगी मछुआरों की कहानी थंडेल की कहानी साल 2018 में हुई घटना पर आधारित है, जिसमें आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम के कुछ मछुआरे गलती से पाकिस्तान की सीमा में चले गए थे, जहां उन्हें हिरासत में ले लिया गया था।

दूसरी बार काम कर रहे हैं नागा और साई

कुछ दिन पहले ही, जब अभिनेत्री साई पल्लवी का 32वां जन्मदिन था तो फिल्म निर्माताओं ने एक वीडियो जारी किया था। उस वीडियो में थंडेल के सेट से साई पल्लवी की झलक दर्शकों के सामने पेश की गई थी। यह दूसरा मौका है, जब साई पल्लवी और नागा चैतन्य दूसरी बार साथ में काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों ने साल 2021 में रिलीज हुई फिल्म लव स्टोरी में अभिनय किया था।

द ताज स्टोरी में अभिनय का जलवा दिखाएंगे परेश रावल

अपनी अदाकारी से लाखों दिलों पर राज करने वाले परेश रावल जल्द ही द ताज स्टोरी नाम की फिल्म में नजर आने वाले हैं। अभिनेता ने खुद इस बात की जानकारी सोशल मीडिया पर दी है। फिल्म के नाम के साथ उन्होंने इसका पोस्टर जारी करते हुए शूटिंग शुरू होने की तारीख का भी एलान किया है।

परेश रावल ने किया एलान

परेश रावल ने अपने एक्स पर फिल्म का एक पोस्टर जारी करते हुए लिखा, अपनी आने वाली फिल्म द ताज स्टोरी की घोषणा कर रहा हूं, शूटिंग 20 जुलाई 2024 से शुरू होगी। इस पोस्ट में उन्होंने निर्माताओं और निर्देशक की भी जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि फिल्म का निर्माण सीए सुरेश झा कर रहे हैं। वहीं, इसके लेखक और निर्देशक तुषार अमरीश गोयल और क्रिएटिव प्रोड्यूसर विकास राधेशाम हैं। ताज महल की कहानी बयां करेगी फिल्म द ताज स्टोरी की बात करें तो फिल्म की कहानी ताजमहल के इतिहास और इसके महत्व पर प्रकाश डालती नजर आएगी। कहा जा रहा है कि यह फिल्म भारत के सबसे प्रिय स्थलों में से एक को श्रद्धांजलि होगी। वर्क फ्रंट की बात करें तो इस फिल्म के अलावा परेश रावल वाणी कपूर अभिनीत आने वाली बॉलीवुड ड्रामा-कॉमेडी बदतमीज गिल में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी बरेली और लंदन की एक लड़की और उसके परिवार के बारे में है।

सेंसेक्स
73961.31 पर बंद
निफ्टी
22530.70 पर बंद

सोना
72254
चांदी
93793

संक्षिप्त समाचार

9 बार बोनस शेयर का तोहफा, इस मल्टीबैगर ने 1 लाख रुपये के बना दिए 2.5 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑटो कंपोनेंट्स एंड इक्विपमेंट्स इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल ने लंबी अवधि का नजरिया रखने वाले निवेशकों को मालामाल कर दिया है। संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल ने साल 2000 से लेकर अब तक इनवेस्टर्स को 9 बार बोनस शेयर का तोहफा दिया है। वहीं, संवर्धन मदरसन ने पिछले 15 साल में लोगों को 6 बार बोनस शेयर दिए हैं। ऑटो इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल ने पिछले 15 साल में ही 1 लाख रुपये के इनवेस्टमेंट को 2.5 करोड़ रुपये से ज्यादा बना दिया है। संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल ने साल 2000 से लेकर अब तक 9 बार बोनस शेयर दिए हैं। हमने पिछले 15 साल का डेटा लिया है। संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल के शेयर 29 मई 2009 को 6.80 रुपये पर शेयर थे। अगर किसी व्यक्ति ने 29 मई 2009 को कंपनी के शेयरों में 1 लाख रुपये का निवेश किया होता तो उसे संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल के 14704 शेयर मिलते। कंपनी ने साल 2009 से लेकर अब तक 6 बार बोनस शेयर दिए हैं। कंपनी ने अक्टूबर 2012, दिसंबर 2013, जुलाई 2015, जुलाई 2017, अक्टूबर 2018 और अक्टूबर 2022 में 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर दिए हैं। यानी, कंपनी ने हर 2 शेयर पर 1 बोनस शेयर दिया है। अगर 6 बार में दिए गए बोनस शेयरों को जोड़ें तो 1 लाख रुपये से खरीदे गए कुल शेयरों की संख्या बढ़कर 167487 शेयर हो जाती है। संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल के शेयर 31 मई 2024 को 152.25 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं। करेंट शेयर प्राइस के हिसाब से 167487 शेयरों की मौजूदा वैल्यू 2.5 करोड़ रुपये होती। हमने अपने कैलकुलेशन में कंपनी के स्टॉक स्प्लिट को शामिल नहीं किया है।

टाइम मैगजीन की 100 प्रभावशाली कंपनियों में भारत का दबदबा

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा समूह को फेमस मैगजीन टाइम की वर्ष 2024 की दुनिया की 100 सबसे प्रभावशाली कंपनियों की लिस्ट में जगह मिली है। टाइम की लिस्ट में रिलायंस को दूसरी बार जगह दी गई है। समूह की डिजिटल संपत्तियों को रखने

वाली फर्म जियो प्लेटफॉर्म्स को 2021 में आई पहली टाइम 100 सबसे प्रभावशाली कंपनियों की सूची में शामिल किया गया था।

टीका बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टिट्यूट इस सूची में शामिल एक अन्य भारतीय कंपनी है। टाइम ने रिलायंस को 'टाइटन' कैटेगरी में लिस्ट किया है। सूची की पांच कैटेगरीज में लीडर, डिसरप्टर, इनोवेटर और पायनियर भी शामिल हैं। टाटा को भी टाइटन कैटेगरी में लिस्ट किया गया है जबकि सीरम इंस्टिट्यूट को 'पायनियर' कैटेगरी में जगह दी गई है।

इस वजह से मिली लिस्ट में जगह

टाइम ने रिलायंस को भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी बताते हुए कहा है कि मुकेश अंबानी की अगुवाई में इसने ऊर्जा, खुदरा और दूरसंचार क्षेत्रों में भी कदम रखते हुए अपना विस्तार किया है।

एलन मस्क ने कभी जिस कार का उड़ाया था मजाक, आज वही निकाल रही है टेस्ला का पसीना

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे के निवेश वाली चीन की ऑटो कंपनी बीवाईडी ने एलन मस्क की टेस्ला की रातों की नींद हराम कर रखी है। पिछले साल की चौथी तिमाही में चीन की इस कंपनी ने सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक कार बनाने के मामले में टेस्ला को पछाड़ दिया था। हालांकि इस साल की पहली तिमाही में टेस्ला फिर आगे निकल गई है। लेकिन दोनों के बीच कांटे की टक्कर चल रही है। बीवाईडी अब जापानी कंपनी टोयोटा के भी पसीने छुड़ा रही है। उसने हाल में एक नई हाइब्रिड गाड़ी निकाली है जो एक बार फ्यूल भरने पर 1,300 मील (करीब 2000 किमी) तक चल सकती है। यह दूरी लगभग दिल्ली से चेन्नई के बराबर है। एक जमाना ऐसा भी था जब टेस्ला और अमेरिका के अधिकारियों ने बीवाईडी का जमकर मजाक उडाया था।

यह बात साल 2007 की है। बैटरी बनाने वाली चीन की कंपनी बीवाईडी कार मैन्यूफैक्चरिंग में हाथ आजमा रही थी। उसने अपना सबसे नया मॉडल ग्वांगझू ऑटो शो में प्रदर्शनी के लिए रखा था। तब अमेरिकी अधिकारियों ने इसका काफी मजाक उड़ाया था। इसकी वजह यह थी कि उस कार पर पेंट भी ठीक ढंग से नहीं हुआ था और उसका दरवाजा भी फिट नहीं बैठ रहा था। इसी तरह मस्क ने भी 2011 में

एक इंटरव्यू में बीवाईडी का मजाक उड़ाया था। जब उनसे बीवाईडी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा था, क्या आपने उनकी कार देखी है। उनका प्रॉडक्ट आकर्षक नहीं है और तकनीक भी मजबूत नहीं है। लेकिन तबसे स्थितियां काफी बदल चुकी हैं। बीवाईडी ने दुनियाभर में अपना लोहा मनवाया है।

टेस्ला को टक्कर- जनवरी में मस्क ने कहा था कि अगर चीन की ईवी कंपनियों को नहीं रोका गया तो वे दुनिया की बाकी कार कंपनियों को बर्बाद कर देंगी। बीवाईडी ने टेस्ला की नाम में दम कर रखा है। टेस्ला अमेरिका की बेस्ट सेलिंग ईवी है लेकिन अब उसे विदेशी कंपनियों खासकर बीवाईडी से कड़ी चुनौती मिल रही है। इसकी वजह यह है कि टेस्ला के मुकाबले उसकी कारें काफी सस्ती हैं। दूसरी वजह यह है कि टेस्ला ने हाल के वर्षों में कई बड़ा इनोवेशन नहीं किया है। दूसरी ओर बीवाईडी ईवी के साथ-साथ हाइब्रिड भी बना रही है और टेस्ला के बाजार में सेंध लगा चुकी है। चीन की यह कंपनी ब्राजील, हंगरी, थाईलैंड और उजबेकिस्तान में असेंबली लाइन बना रही है। साथ ही उसकी इंडोनेशिया और मेक्सिको में भी असेंबली लाइन खोलने की योजना है।

अमेरिका में लोग ईवी के बजाय हाइब्रिड मॉडल पसंद कर रहे हैं। बीवाईडी की हाइब्रिड कार की कीमत 14,000 डॉलर है जबकि अमेरिका की बेस्ट सेलिंग कार टोयोटा प्रियस की कीमत 28,000 डॉलर से शुरू होती है। अमेरिका में ईवी के लिए पर्याप्त संख्या में चार्जिंग स्टेशन नहीं हैं। अभी टेस्ला और अमेरिका की दूसरी कार कंपनियों से ज्यादा खतरा नहीं है। इसकी वजह यह है कि अमेरिका ने चीनी की कंपनियों पर कई पाबंदियां और टैक्स लगा रखे हैं। लेकिन देर-सबेर अमेरिका को सस्ती गाड़ियों को अपने यहां एंट्री देनी ही होगी।

इनोवेशन का कमाल- कंपनी ने लीथियम बैटरीज में निकल, कोबाल्ट और मैगनीज जैसे महंगे रसायनों के बजाय आयरन और फॉस्फेट का इस्तेमाल किया। लेकिन यह तरकीब काम नहीं आई। क्योंकि इसकी रेंज बहुत कम थी। बीवाईडी 2020 में ब्लेड बैटरीज लेकर आई। इससे रेंज की समस्या काफी हद तक दूर हो गई। इनकी कीमत भी निकल-कोबाल्ट की तुलना में काफी कम थी। टेस्ला ने उसी साल चीन में कार बनाना और बेचना शुरू किया था। देश में इलेक्ट्रिक कारों के प्रति गजब का उत्साह था। बीवाईडी अब भी ज्यादातर सस्ती कारें बेचती है जबकि टेस्ला के पास ज्यादा बड़ी रेंज के साथ महंगी कारें हैं।

कैसे हुई शुरुआत

पिछले साल के अंत में बीवाईडी ने वैश्विक बिक्री के मामले में टेस्ला को पछाड़ दिया था। कंपनी यूरोप में अपना विस्तार कर रही है। कंपनी की 80 प्रतिशत बिक्री चीन में ही होती है। पिछले दो साल में कंपनी की बिक्री में हर साल 10 लाख यूनिट का इजाफा हुआ है। इससे पहले यह उपलब्धि केवल अमेरिका की जनरल मोटर्स को हासिल थी। कंपनी ने साल 1946 में यह कारनामा किया था। इसकी वजह यह थी कि कंपनी ने दूसरे विश्व युद्ध के कारण चार साल तक पैसेंजर कारों की बिक्री नहीं की थी। बीवाईडी का हेडक्वार्टर चीन के शेनजेन में है जो कि देश की इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री का हब है। इसकी स्थापना 1995 में वांग चुआनफू ने की थी। शुरुआत में यह कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों के लिए बैटरी बनाती थी। 2003 में कंपनी ने कार बनाने वाली एक फैक्ट्री खरीदी।

शुरुआत में उसे काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लेकिन 2008 में कंपनी की बिक्री में तेजी आई। 2012 तक डिमांड बढ़ने से प्रॉडक्शन बढ़ने लगा। लेकिन कंपनी के पास सीमित मॉडल थे जबकि विदेशी कंपनियों के पास कई आकर्षक मॉडल थे। इससे कंपनी की बिक्री और शेयरों की कीमत प्रभावित हुई। 2016 में कंपनी ने ऑडी के जाने माने डिजाइनर वूल्फगैंग ईगर को अपने साथ मिलाया। ईगर ने सैकड़ों कार इंजीनियर्स को अपने साथ जोड़ा और फिर उन्होंने बीवाईडी के मॉडलों की तस्वीर पूरी तरह बदल दी।

परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत चार वर्षों में 2.4 प्रतिशत घटकर 5.2 फीसदी पहुंची, बैंकों पर 86 करोड़ जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत पिछले चार वर्षों में 2.4 फीसदी घट गई है। हालांकि, उनकी भौतिक संपत्तियों में तेजी आई है। आरबीआई की सालाना रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2019-20 में परिवारों की सकल वित्तीय बचत ग्रॉस नेशनल डिस्पोजेबल इनकम (जीएनडीआई) की तुलना में 11.4 फीसदी थी जो 2023-24 में घटकर 10.9 फीसदी रह गई। इसी दौरान शुद्ध वित्तीय बचत भी 7.6 फीसदी से घटकर 5.2 फीसदी पर आ गई।

रिपोर्ट के अनुसार, सकल वित्तीय बचत 2020-21 में 15.2 फीसदी रही जबकि 2021-22 में यह घटकर 10.9 फीसदी रह गई थी। शुद्ध वित्तीय बचत भी इसी दौरान 11.6 फीसदी से घटकर 7.2

फीसदी पर रह गई। भौतिक संपत्तियों में बचत 2019-20 में जीएनडीआई का 11 फीसदी रही जो 2020-21 में घटकर 10.6 फीसदी रह गई। 2021-22 में यह बढ़कर 12.4 फीसदी और पिछले वित्त वर्ष में 12.7 फीसदी पर पहुंच गई।

बैंकों पर 281 मामलों में 86 करोड़ जुर्माना- आरबीआई ने तमाम नियमों के उल्लंघन के मामले में 2023-24 में बैंकों पर 281 बार कार्रवाई की है। इसके एवज में 86.11 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। 16 बार सरकारी बैंकों पर हुई। इन पर जुर्माना 23.68 करोड़ रुपये लगा। निजी बैंकों पर 12 बार कार्रवाई हुई, लेकिन जुर्माने की रकम 24.90 करोड़ रुपये रही। सहकारी बैंकों पर 215 बार कार्रवाई की गई और 12 करोड़ का दंड लगाया गया। एनबीएफसी पर 22 कार्रवाई में 11.53 करोड़ रुपये का जुर्माना लगा।

किसान क्रेडिट कार्ड का बकाया 10.9 प्रतिशत बढ़ा- सक्रिय किसान क्रेडिट कार्ड की कुल संख्या 2022-23 में 2.83 करोड़ थी, जो 2023-24 में बढ़कर 2.98 करोड़ पर पहुंच गई। इसी दौरान इस पर बकाया रकम 5.19 लाख करोड़ से 10.9 फीसदी बढ़कर 5.75 लाख करोड़ रुपये हो गई।

बैंकों में धोखाधड़ी के मामले ढाई गुना बढ़े, प्राइवेट में ऑनलाइन और पीएसयू में लोन संबंधी जालसाजी अधिक

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंकों से जुड़े धोखाधड़ी के मामले बीते वित्त वर्ष (2023-24) में ढाई गुना से अधिक बढ़कर 36,075 रहे। हालांकि, इस दौरान धोखाधड़ी वाली राशि 46.7 प्रतिशत घटकर 13,930 करोड़ रुपये रही। भारतीय रिजर्व बैंक की सालाना रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान धोखाधड़ी के मामलों की संख्या 36,075 हो गई, जो एक साल पहले 13,564 थी।

वहीं, धोखाधड़ी में शामिल राशि 13,930 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले 26,127 करोड़ रुपये थी। मूल्य के संदर्भ में पिछले वित्त वर्ष में हुई धोखाधड़ी में शामिल राशि 2022-23 में रिपोर्ट की गई धोखाधड़ी का 94 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार, संख्या के संदर्भ में धोखाधड़ी मुख्य रूप से कार्ड/इंटरनेट जैसे डिजिटल भुगतान श्रेणी में हुई। वहीं, मूल्य के संदर्भ में, धोखाधड़ी मुख्य रूप से कर्ज (अग्रिम श्रेणी) के मामले में रही।

पिछले तीन साल में धोखाधड़ी के मामलों के आकलन से पता चलता है कि निजी क्षेत्र के बैंकों ने सबसे ज्यादा धोखाधड़ी के मामलों की सूचना दी। वहीं, धोखाधड़ी में शामिल राशि के मामले में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का योगदान पहले की तरह सबसे ज्यादा रहा। छोटी राशि के कार्ड/इंटरनेट धोखाधड़ी के मामले में निजी क्षेत्र के बैंकों में सबसे ज्यादा मामले आये। वहीं, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में धोखाधड़ी मुख्य रूप से कर्ज श्रेणी में रही। इसके अलावा, 2022-23 और 2023-24 के दौरान रिपोर्ट की गई धोखाधड़ी की घटनाओं का विश्लेषण करने से पता चलता है कि धोखाधड़ी की घटना की तारीख और उसका पता लगाने के बीच एक महत्वपूर्ण समय-अंतराल दिखता है। यानी फ्रॉड को पकड़ने में काफी वक्त लगता है।

आरबीआई के अनुसार, ऑनलाइन राशि पाने या भेजने के लिए रियल टाइम वेरीफिकेशन लागू किया जा सकता है। इस संभावना को टटोला जा रहा है। इसका मकसद धोखाधड़ी पर अंकुश लगाना व भुगतान अनुभव को और बेहतर बनाना है। इस व्यवस्था को नए अधिनियम डिजिटल व्यक्तिगत सूचना संरक्षण कानून, 2023 के अनुपालन के तहत लागू किया जा सकता है। इसके जरिए राशि भेजने से पहले उसे प्राप्त करने वाले के नाम का रियल टाइम यानी उसी वक्त सत्यापन किया जाएगा।

खुल गया है दमदार कंपनी टीबीआई कॉर्न का आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। टीबीआई कॉर्न आईपीओ निवेशकों के लिए ओपन हो गया है। इस आईपीओ का साइज 44.94 करोड़ रुपये का है। कंपनी ग्रे मार्केट में शानदार प्रदर्शन कर रही है। इससे निवेशकों को उम्मीद है कि पहले दिन ही पैसा डबल हो जाएगा। बता दें, आईपीओ के जरिए कंपनी 47.81 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी।

4 जून तक खुला रहेगा आईपीओ- टीबीआई कॉर्न आईपीओ 31 मई से 4 जून तक खुला रहेगा। कंपनी के आईपीओ पर दांव लगाने वाले निवेशकों को 5 जून को शेयरों का अलॉटमेंट किया जा सकता है। वहीं, एनएसई एसएमई में कंपनी की लिस्टिंग 7 जून, दिन शुक्रवार को हो सकती है।

इस आईपीओ का प्राइस बैंड 90 रुपये से 94 रुपये प्रति शेयर है। टीबीआई कॉर्न आईपीओ का लॉट साइज 1200 शेयरों का बनाया गया है। जिस वजह से रिटेल निवेशकों को कम से कम 1,12,800 रुपये का

दांव लगाना होगा।

टीबीआई कॉर्न आईपीओ ग्रे मार्केट में आज 95 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। अगर यही हाल लिस्टिंग तक रहा तो निवेशकों का पैसा पहले दिन ही दोगुना हो जाएगा। ग्रे मार्केट से मिल रहे संकतों के अगर देखें तो कंपनी की एनएसई में लिस्टिंग 200 रुपये के करीब हो सकती है।

कंपनी के प्रमोटर्स योगेश लक्ष्मण और आशा लक्ष्मण हैं। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 76.65 प्रतिशत है। जोकि आईपीओ के बाद घटकर 57.71 प्रतिशत की है। बता दें, रिटेल निवेशकों के लिए कम से कम 35 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रहेगा।

कंपनी का तिमाही बहिखाता कितना मजबूत- जनवरी से मार्च 2023 के दौरान कंपनी का प्रॉफिट (टैक्स भुगतान के बाद) 686.09 करोड़ रुपये रहा है। वहीं, अक्टूबर से दिसंबर 2023 के दौरान 766.45 करोड़ रुपये रहा है।

महज 3 करोड़ में बना स्टार्टअप, अनोखे रॉकेट को लॉन्च कर रच दिया इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई के एक स्टार्टअप अग्निकुल कॉसमॉस ने गुरुवार को इतिहास रच दिया। इसने अंतरिक्ष क्षेत्र में दुनिया भर में अपना झंडा गाड़ दिया। इसके बनाए रॉकेटअग्निबान को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के श्रीहरिकोटा में बने पहले निजी लॉन्चपैड से लॉन्च किया गया। इसके बाद पीएम मोदी ने भी बधाई दी। यह रॉकेट इसलिए भी खास है, क्योंकि यह गैस और लिक्विड फ्यूल के मिश्रण का उपयोग करने वाला पहला भारतीय रॉकेट है। आइए जानते हैं इस रॉकेट को बनाने वाले स्टार्टअप अग्निकुल और इसके फाउंडर्स के बारे में।

अग्निबान सरटेड दुनिया का पहला सिंगल-पीस 3डी प्रिंटेड इंजन का उपयोग करने वाला रॉकेट है। इसे स्वदेशी रूप से डिजाइन किया गया है और इसे यहीं बनाया गया है। इसे कल सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बधाई दी है। हालांकि कंपनी ने कुछ दिन पहले ही अपने पहले रॉकेट के टेस्ट फ्लाइट को लॉन्च से कुछ सेकंड पहले रद्द कर दिया था। यह पिछले तीन महीनों में चौथा ऐसा रद्दीकरण था।

क्यों माना जा रहा है ऐतिहासिक- यह लॉन्च ऐतिहासिक इसलिए भी माना

जा रहा है क्योंकि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अभी तक एक सेमी-क्रायोजेनिक इंजन को सफलतापूर्वक नहीं उड़ा पाया है, जिसमें ईंधन के रूप में तरल और गैस के मिश्रण का उपयोग किया जाता है। तभी तो भारतीय अंतरिक्ष संघ (इसपा) के महानिदेशक एके भट्ट ने कल लॉन्च के बाद कहा था अग्निकुल ने आज जो हासिल किया है, वह 1963 में थुम्बा लॉन्च स्टेशन से भारत द्वारा अपने पहले रॉकेट के लॉन्च के बाद से एक ऐतिहासिक उपलब्धि से कम नहीं है। यह भारत के फलते निजी अंतरिक्ष उद्योग के लिए एक बहुत बड़ा उत्साहवर्धन और गर्व का क्षण है और यह भविष्य में हमारे लिए क्या रखता है, इसकी सिर्फ एक झलक है। हमारी हार्दिक बधाई इस पूरे अभियान के पीछे की टीम को और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं!

किसने बनाया है अग्निबान- अग्निबान सरटेड को बनाने वाली कंपनी का नाम है अग्निकुल कॉसमॉस प्राइवेट लिमिटेड। यह एक स्टार्टअप है, जिसकी स्थापना साल 2027 में श्रीनाथ रविचंद्रन और मोइन एसपीएम द्वारा की गई थी। स्थापना के वक्त इसमें महज 3 करोड़ (2023 में 4.2 करोड़ या यूएस530,000 के बराबर) की सीड फंडिंग की गई थी। इसे आईआईटी मद्रास के नेशनल सेंटर फोर कंबनशन आरएंडडी में बनाया गया है।

अग्निकुल बनाने का क्या था उद्देश्य- श्रीनाथ रविचंद्रन ने पहले दिए गए कई इंटरव्यू में कहा है कि अग्निकुल कॉसमॉस की स्थापना का उद्देश्य साल 2021 में अपना पहला रॉकेट विकसित करना और लॉन्च करना है। उन्होंने उसी समय तय कर लिया था जब रॉकेट बन जाएगा और सफल लॉन्च हो जाएगा, उसके बाद कंपनी 100 किलो तक के सेटेलाइट को लॉन्च करने की फैसिलिटी भी डेवलप करना है। यह स्टार्टअप बाद में निवेशकों से 23.4 करोड़ (2023 में 28 करोड़ या यूएस 3.4 मिलियन के बराबर) जुटाने में कामयाब रहा। साल 2020 के अंत तक, कंपनी ने लगभग 4 मिलियन डॉलर जुटाए थे। जब पास में पर्याप्त पैसे आ गए थे, तो इसके बाद वह एडवाइजरी के लिए सीधे इसरो की ओर रुख किया था।

कौन हैं अग्निकुल के संस्थापक

अग्निकुल कॉसमॉस के संस्थापकों में चार व्यक्ति का नाम आता है। ये हैं श्रीनाथ रविंद्रचरण , मोइन एसपीएम , सत्यनारायण चक्रवर्ती और जनार्दन राजू । लेकिन इसके मुख्य कर्ता-धर्ता श्रीनाथ रविंद्रचरण ही हैं।

कौन हैं श्रीनाथ रविंद्रचरण

श्रीनाथ रविंद्रचरण के पास इंजीनियरिंग, फाइनेंसख् और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में काम करने का 10 साल से भी ज्यादा का अनुभव है। उन्होंने चेन्नई के कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग गुंडी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन किया है। इसके बाद उन्होंने अमेरिका के कोलंबिया यूनिवर्सिटी से फाइनेंसियल इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री हासिल की। इसके साथ ही उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोइस से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में भी मास्टर डिग्री हासिल की। वह पहले वॉल स्ट्रीट में ट्रेडिंग करते थे ओर बाद में एयरोस्पेस इंजीनियर बन गए।

मुकेश अंबानी अब नई सर्विस शुरू करने वाले हैं, बिगबास्केट, ब्लिंकिट, जेप्टो के छूटे पसीने!

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन हैं। यह देश की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। इसका बाजार पूंजीकरण 19,50,000 करोड़ है। फोर्ब्स के अनुसार, मुकेश अंबानी की कुल संपत्ति 9,48,000 करोड़ है। यह उन्हें एशिया का सबसे अमीर व्यक्ति बना देता है। 67 साल के अरबपति ने अपने कारोबारी साम्राज्य का विस्तार जारी रखा है। उनकी कंपनी रिलायंस पहले से ही दूरसंचार और अन्य क्षेत्रों में अग्रणी है। अब वह जियो मार्ट के जरिये क्वकि कॉमर्स सर्विस शुरू करने की योजना बना रहे हैं। मीडिया रिपोर्टों में यह बात कही गई है।

इन दग्गिज कंपनियों को देगी चुनौती- इस सेक्टर में जियो मार्ट का मुकाबला ब्लिंकिट, बिगबास्केट, इंस्टामार्ट और जेप्टो जैसी सेवाओं से होगा। जियो मार्ट शुरुआती दौर में 7-8 शहरों में 30 मिनट में ग्रॉसरी डिलीवर करने की योजना बना रही है। बाद में इस सर्विस का 1,000 शहरों में विस्तार किया जाएगा। रिलायंस ने एक साल पहले अपनी 90 मिनट की ग्रॉसरी डिलीवरी सर्विस जियो मार्ट एक्सप्रेस को बंद कर दिया था।

संक्षिप्त समाचार

नॉर्वे शतरंज- वैशाली ने क्रैमलिंग को हराया, प्रज्ञानानंदा हारे

स्टवांगर (नॉर्वे) (एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने स्वीडन की अनुभवी ग्रैंडमास्टर पिया क्रैमलिंग को हराकर नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा, लेकिन उनके भाई आर प्रज्ञानानंदा चौथे दौर में अमेरिका के हिकारू नाकामुरा से हार गए। वैशाली की क्लासिकल वर्ग में यह दूसरी जीत है और उन्होंने 2.5 अंक की मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। इस भारतीय खिलाड़ी के कुल 8.5 अंक हो गए हैं। उनके बाद महिला विश्व चैंपियन चीन की वेनजुन जू और यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं।

मुजिचुक ने भारत की कोनेरू हंपी को हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की, जबकि वेनजुन ने आर्मगेडन में अपनी हमवतन टिंगजी लेई को हराया। छह खिलाड़ियों के बीच दोहरे राउंड रोबिन आधार पर खेले जा रहे टूर्नामेंट में अभी छह दौर की बाजियां खेली जानी बाकी हैं। लेई पांच अंक लेकर चौथे स्थान पर हैं। हंपी और क्रैमलिंग के तीन-तीन अंक हैं।

पुरुष वर्ग में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने अमेरिका के अपने चिर प्रतिद्वंद्वी फैबियानो कारूआना के को हराया। पुरुष वर्ग में इस दिन सभी मैच का परिणाम निकला। भारतीय स्टार प्रज्ञानानंदा को जहां नाकामुरा से हार का सामना करना पड़ा वहीं फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा ने चीन के मौजूदा विश्व चैंपियन डिंग लीरेन को हराया।

इस 1,61,000 डालर इनामी इस प्रतियोगिता में चौथे दौर के बाद नाकामुरा सात अंक लेकर शीर्ष पर बने हुए हैं। वह अलीरेजा से आधा अंक आगे हैं। कार्लसन के 6 अंक हैं और वह तीसरे स्थान पर हैं जबकि प्रज्ञानानंदा 5.5 अंक के साथ चौथे स्थान पर खिसक गए हैं। कारूआना पांच अंकों के साथ पांचवें जबकि लीरेन केवल 2.5 अंकों के साथ अंतिम स्थान पर हैं।

टी20 विश्व कप

पूरन-पॉवेल के अर्धशतक, वेस्टइंडीज ने अभ्यास मैच में ऑस्ट्रेलिया को हराया

पोर्ट आफ स्पेन (एजेंसी)। निकोलस पूरन और रोवमैन पॉवेल के अर्धशतकों की मदद से वेस्टइंडीज ने नौ खिलाड़ियों के साथ खेल रही आस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप से पहले अभ्यास मैच में 35 रन से हराया। ऑस्ट्रेलिया ने नामीबिया के साथ पहले अभ्यास मैच के बाद एक बार फिर नौ खिलाड़ियों को ही उतारा। चयनकर्ता जॉर्ज बेली और कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने फील्डिंग के दौरान ही पूरी टीम उतारी। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने पूरन के 25 गेंद में 75 रन (पांच चौके, आठ छक्के) और कप्तान पॉवेल के 25 गेंद में 52 रन (चार चौके, चार छक्के) की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 257 रन बनाये । शेरफान रदरफोर्ड ने 18 गेंद में नाबाद 47 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया के लिये जोश इंगलिस ने 30 गेंद में 55 रन और नाथन एलिस ने 22 गेंद में 39 रन की पारी खेली। ऑस्ट्रेलियाई टीम सात विकेट पर 222 रन ही बना सकी। आस्ट्रेलिया को कप्तान पैट कमिंस, ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, कैमरन ग्रीन और ट्रेविस हेड की कमी खली जो अभी तक आईपीएल खत्म होने के बाद यहां पहुंचे नहीं हैं।

टी20 विश्व कप में भाग लेने वाले यह हैं सभी टीमें

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्व कप शनिवार एक जून से शुरू हो रहा है जो 29 जून तक चलेगा। भारत अपना एक मात्र प्रैक्टिस मैच खेलेगा जबकि मेन इन ब्लू अपना एकमात्र अभ्यास मैच एक जून को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। वहीं भारत अपने अभियान की शुरूआत 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ न्यूयॉर्क के नवनिर्मित नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में शुरू करेगा। इस बीच, भारत और पाकिस्तान के बीच सबसे प्रतीक्षित ब्लॉकबस्टर मुकाबला 9 जून को होगा। बाद में वे अपने ग्रुप ए मैचों को समेटने के लिए टूर्नामेंट के सह-मेजबान यूएसए (12 जून) और कनाडा (15 जून) से खेलेंगे। आइए एक बार सभी टीमों पर नजर डाल लेते हैं -

भारत - रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

रिजर्व - शुभमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद, आवेश खान।

अफगानिस्तान - राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, अजमतुल्लाह उमरजई, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद इशाक, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नैब, करीम जनत, नांग्याल खारोटी, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, नवीन-उल-हक, फजलहक फारूकी, फरीद अहमद मलिक।

रिजर्व सेदिक अटल, हजरतुल्लाह जजई, सलीम सफी।

ऑस्ट्रेलिया - मिशेल मार्श (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, ग्लेन मैक्सवेल, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वार्नर, एडम जाम्पा।

रिजर्व- जेक फ्रेजर-मैकगर्क, मैट शॉर्ट।

बांग्लादेश - नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), तस्कीन अहमद, लिटन दास, सौम्या सरकार, तंजीद हसन तमीम, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदोय, महमूद उल्लाह रियाद, जैकर अली अनिक, तनवीर इस्लाम, शाक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरीफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब।

रिजर्व - अफीफ हुसैन, हसन महमूद।

कनाडा - साद बिन जफर (कप्तान), आरोन जॉनसन, रविंदरपाल सिंह, नवनीत धालीवाल, कलीम सना, दिलोन हेलीगर, जेरेमी गॉर्डन, निखिल दत्ता, परगट सिंह, निकोलस किरटन, रेयानखान पठान, जुनैद सिद्दीकी, दिलप्रीत बाजवा, श्रेयस मोव्वा, ऋषिव जोशी।

रिजर्व - तजिंदर सिंह, आदित्य वरदराजन, अम्मार खालिद, जतिंदर मथारू, परवीन कुमार।

इंग्लैंड - जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, जोफा आर्चर, जोनाथन बेयरस्टो, हैरी ब्रूक, सैम कुरेन, बेन डकेट, टॉम हार्टले, विल जैक्स, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉपले, मार्क वुड।

आयरलैंड - पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, रॉस अडायर, एंड्रयू बालबर्नी, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, ग्राहम ह्यूम, जोश लिटिल, बैरी मैकार्थी, नील रॉक, हैरी टेक्टर, लोरकन टकर, बेन व्हाइट, क्रेग यंग।

नामीबिया - गेरहार्ड इरास्मस (कप्तान), ज़ेन ग्रीन, माइकल वैन लिंगेन, डायलन लीचर, रूबेन ट्रम्पेलमैन, जैक ब्रासेल, बेन शिकोंगो, टैंगेनी लुंगामेनी, निको डेविन, जेजे स्मिट, जान फ्रिलिंक, जेपी कोट्ज़, डेविड विसे, बर्नार्ड शोल्ट्ज़, मालन क्रूगर, पीडी ब्लिगनॉट।

नेपाल - रोहित पौडेल (कप्तान), आसिफ शेख, अनिल कुमार साह, कुशल भुर्टेल, कुशल मल्ला, दीपेंद्र सिंह ऐरी, ललित राजबंशी, करण केसी, गुलशन झा, सोमपाल कामी, प्रतिस जीसी, संदीप जोरा, अविनाश बोहरा, सागर ढकाल, कमल सिंह ऐरी।

नीदरलैंड - स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), आर्यन दत्त, बास डी लीडे, काइल क्लेन, लोगान वैन बीक, मैक्स ओडॉड, माइकल लेविट, पॉल वैन मीकेरेन, रयान क्लेन, साकिब जुल्फिकार, साइब्रांड एंजेलब्रेच, तेजा निदामनुरु, टिम प्रिंगल, विक्रम सिंह, विव किंगमा, वेस्ले बैरेसी।

रिजर्व- रयान क्लेन।

न्यूजीलैंड - केन विलियमसन (कप्तान), फिन एलन, ट्रेंट बोल्ट, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डेरिल मिशेल, जिमी नीशाम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साउथी।

रिजर्व -बेन सियर्स।

ओमान - आकिब इलियास (कप्तान), जीशान मकसूद, कश्यप प्रजापति, प्रतीक अठावले, अयान खान, शोएब खान, मोहम्मद नदीम, नसीम खुशी, मेहरान खान, बिलाल खान, रफीउल्लाह, कलीमुल्लाह, फैयाज बट, शकील अहमद, खालिद कैल।

रिजर्व - जतिंदर सिंह, समय श्रीवास्तव, सुफियान महमूद, जय ओडेड्रा।

पापुआ न्यू गिनी-असदुल्ला वाला (कप्तान), एली नाओ, चाड सोपर, सीजे अमिनी, हिला वेरे, हिरी हिरी, जैक गार्डनर, जॉन कारिको, कबुआ वागी मोरिया, किपलिंग डोरिगा, लेगा सियाका, नॉर्मन वनुआ, सेमा कामिया, सेसे बाउ, टोनी उरा।

पाकिस्तान - बाबर आजम (कप्तान), अबरार अहमद, आजम खान, फखर जमान, हारिस रऊफ, इफ्तिखार अहमद, इमाद वसीम, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद आमिर, मोहम्मद रिजवान, नसीम शाह, सैम अयूब, शादाब खान, शाहीन शाह अफरीदी, उस्मान खान।

स्कॉटलैंड - रिची बेरिंगटन (कप्तान), मैथ्यू क्रॉस, ब्रैड करी, क्रिस ग्रीव्स, ओली हेयर्स, जैक जार्विस, माइकल जोन्स, माइकल लीस्क, ब्रैंडन मैकमुलेन, जॉर्ज मुन्से, सफ्यान शरीफ, क्रिस सोल, चार्ली टियर, मार्क वाट, ब्रैड व्हील।

दक्षिण अफ्रीका - एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएट्जी, क्विंटन डी कॉक, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नोर्किया, कागिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स।

श्रीलंका - वानिंदु हसरंगा (कप्तान), चरिथ असलांका, कुसल मेंडिस, पथुम निसांका, कामिंदु मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, एंजेलो मैथ्यूज, दासुन शनाका, धनंजय डी सिल्वा, महेश थीक्षाना, दुनीथ वेल्लालेज, दुशमंथा चमीरा, नुवान तुषारा, मथेशा पथिराना, दिलशान मदुशंका।

रिजर्व- असिथा फर्नांडो, विजयकांत व्यासकांथ, भानुका राजपक्षे, जनिथ लियानागे।

युगांडा - ब्रायन मसाबा (कप्तान), साइमन सेसाज़ी, रोजर मुकासा, कॉसमास क्येवता, दिनेश नाकरानी, ??फ्रेड अचेलम, केनेथ वैसवा, अल्पेश रामजानी, फ्रैंक न्सुबुगा, हेनरी सेन्योंडो, बिलाल हसन, रॉबिन्सन ओबुया, रियाज़त अली शाह, जुमा मियाजी, रोनक पटेल।

रिजर्व- इनोसेंट म्बेबेज़, रोनाल्ड लुटाया।

अमेरिका - मोनंक पटेल (कप्तान), आरोन जोन्स, एंड्रीज़ गौस, कोरी एंडरसन, अली खान, हरमीत सिंह, जेसी सिंह, मिलिंद कुमार, निसर्ग पटेल, नितीश कुमार, नोशतुश केंजीगे, सौरभ नेत्रलवकर, शैडली वैन शल्कविक, स्टीवन टेलर, शायन जहांगीर।

रिजर्व - गजानंद सिंह, जुआनॉय ड्रिस्डेल, यासिर मोहम्मद।

वेस्टइंडीज-रोवमैन पॉवेल (कप्तान), अल्जारी जोसेफ, जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, शाई होप, अकील होसेन, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोटी, निकोलस पूरन, आंद्रे रसेल, शेरफैन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड।

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में दोहरा शतक लगाने का दम रखते हैं ये 5 बल्लेबाज

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी20 इंटरनेशनल में दोहरा शतक हासिल करना अविश्वसनीय उपलब्धि है जो अभी तक अधूरी है। ऐसे कई प्लेयर्स है जोकि अपने असाधारण कौशल, शक्ति और निरंतरता के कारण इस आयाम को पाने के करीब पहुंचे है। तेजी से बदलती क्रिकेट में अब ऐसे हालात यह है कि इस बड़े रिकॉर्ड तब पहुंचने में कई क्रिकेटर सक्षम होते नजर आ रहे हैं। आगामी टी20 विश्वकप के दौरान भी कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं जो यह अविश्वसनीय उपलब्धि हासिल करने का मादा रखते हैं। आइए जानते हैं इन विस्फोटक बल्लेबाजों के बारे में-

विल जैक्स (इंग्लैंड)

इंग्लैंड के धुरंधर बल्लेबाज विल जैक्स टी20 क्रिकेट में 158.66 की स्ट्राइक रेट से 149 पारियों में 4000 से अधिक रन बना चुके हैं। आंकड़ों के मुताबिक न्यूनतम 1000 गेंदों का सामना कर सबसे अच्छा पॉवरप्ले स्ट्राइक रेट (164.21) उनका है। पावरप्ले के दौरान फील्ड प्रतिबंधों का फायदा उठाने की जैक की क्षमता और बाउंड्री ढूंढने में उनकी निरंतरता उन्हें इंग्लैंड के लिए एक प्रमुख खिलाड़ी बनाती है।

फिन एलन (न्यूजीलैंड)

न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन की 163.6 की स्ट्राइक रेट है। वह पिछले कुछ समय से तेजी से रन बना रहे हैं। उनके नाम पहले से ही दो टी20 शतक हैं और उन्होंने तेजी से बड़े रन बनाने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। निडर बल्लेबाजी करने की क्षमता के कारण एलन आगामी विश्व कप में दोहरा शतक बना सकते हैं। न्यूजीलैंड भी पहली बार टी20 विश्व कप जीतना चाहेगा।

रोहित शर्मा (भारत)

रोहित के लिए बड़े स्कोर बनाना नई बात नहीं है। उनके नाम पर वनडे फार्मेट में 3 दोहरे शतक दर्ज हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने पांच शतक बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट लगभग 140 है। रोहित पारी को गति देने की क्षमता और अपनी पावर-हिटिंग क्षमताओं के कारण टी20 क्रिकेट में विशेष दर्जा रखते हैं। उनका अनुभव और नेतृत्व भारत के लिए महत्वपूर्ण होगा और दोहरे शतक के साथ इतिहास रचने की उनकी क्षमता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

रयान रिकेलटन (दक्षिण अफ्रीका)

हालिया साऊथ अफ्रीका टी20 लीग में 170 की जबरदस्त स्ट्राइक रेट के साथ रिकेल्टन ने रन बनाए थे। अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में आक्रामक बल्लेबाजी शैली और तेजी से रन बनाने की दक्षता के कारण वह दक्षिण अफ्रीका को आगे ले जाने का दम रखते हैं। रिकेल्टन का निडर दृष्टिकोण और दबाव में उच्च स्ट्राइक रेट बनाए रखने की क्षमता उन्हें टी20 क्रिकेट में दोहरा शतक बनाने की क्षमता वाले खिलाड़ियों की कतार में आगे रखती है।

कुशल मल्ल (नेपाल)

नेपाल के युवा और विस्फोटक बल्लेबाज कुशल मल्ला 50 गेंदों पर 137* रन की शानदार पारी खेलकर चर्चा में आए थे। मल्ला का 167 का स्ट्राइक रेट है जोकि विपक्षी पर हावी होने की उनकी क्षमता को और बढ़ा देता है। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी शैली और सीमाओं को पार करने में उनकी दक्षता उन्हें नेपाल के लिए संभावित गेम-चेंजर बनाती है। मल्ला में टी20 क्रिकेट में दोहरा शतक बनाने की क्षमता है।

यही तो जीत का मंत्र है... रोहित शर्मा ने मान ली सुरेश रैना की बात तो टी20 विश्व कप होगा अपना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज सुरेश रैना का मानना है टी20 विश्व कप में भारत को बेखौफ क्रिकेट खेलना चाहिए। इसके साथ ही रैना ने टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन कैसी होनी चाहिए इसे लेकर भी सलाह दी। रैना ने कहा कि टी20 विश्व कप में टीम इंडिया के प्लेइंग इलेवन में यशस्वी जायसवाल और शिवम दुबे दोनों को जगह मिलना चाहिए। खब्बू बल्लेबाज रैना ने शुक्रवार को अमेरिका और वेस्टइंडीज की धीमी पिचों पर विराट कोहली टीम के लिए तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए ज्यादा कारगर होंगे।

रैना ने कहा, मैं पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही टी20 सीरीज देख रहा था। इसमें इंग्लैंड की टीम बेखौफ क्रिकेट खेल रही थी। इस प्रारूप में कुछ भी संभव है। यह बेखौफ होकर खेलने वाला प्रारूप है। जो बेखौफ खेलेगा वही जीतेगा।

सुबह के मैचों में हो सकती है परेशानी

भारतीय टीम के लिए 78 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 29.18 की औसत से 1605 रन बनाने वाले रैना ने कहा, अमेरिका में सबसे बड़ी चुनौती समय के साथ सामंजस्य बैठाने की होगी। हमें सुबह 10 बजे से मैच खेलने हैं और हम सफेद गेंद से इतनी सुबह खेलने के आदी नहीं है। यह थोड़ा चुनौती पूर्ण होगा। वहां की पिचों भी धीमी होंगी। रैना ने एक सवाल के जवाब में कहा कि टीम की प्लेइंग इलेवन में जायसवाल और दुबे दोनों को जगह मिलनी चाहिए लेकिन इसके लिए कप्तान को कुछ कठिन फैसले लेने होंगे। उन्होंने कहा, मैं चाहूंगा कि जायसवाल टीम में हो। विराट को तीसरे क्रम पर खेलना चाहिए। वहां की पिचें धीमी होगी ऐसे में आपको दौड़कर रन चुराने वाले एक बल्लेबाज की जरूरत होगी।

कोच को बुद्धिमानी से चुनें- सौरव गांगुली का टीम इंडिया के कोच पर ट्विट चर्चा में

नईदिल्ली (एजेंसी)। सौरव गांगुली ने सोशल मीडिया पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के अगले मुख्य कोच का चयन समझदारी से करने की चेतावनी दी है। भारत के पूर्व कप्तान और बीसीसीआई अध्यक्ष ने कोच के महत्व को उजागर करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। उन्होंने पोस्ट किया- किसी के जीवन में कोच का महत्व, उनका मार्गदर्शन और निरंतर प्रशिक्षण किसी भी व्यक्ति के भविष्य को आकार देते हैं, मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह। इसलिए कोच और संस्थान का चुनाव सोच-समझकर करेंज।

माना जा रहा है कि गौतम गंभीर भारतीय क्रिकेट टीम के अगले मुख्य कोच हो सकते हैं। अभी राहुल द्रविड़ कोच है जिन्हें कि अक्टूबर-नवंबर में 50 ओवर के विश्व कप के बाद छह महीने का विस्तार दिया गया था। द्रविड़ का अनुबंध अगले महीने टी20 विश्व कप के बाद समाप्त हो रहा है। पूर्व भारतीय कप्तान के पास इस पद के लिए दोबारा आवेदन करने का विकल्प है लेकिन समझा जाता है कि वह आवेदन करने के इच्छुक नहीं हैं। बहरहाल, रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स को तीसरी आईपीएल ट्रॉफी दिलाने के बाद सबकी नजरें गंभीर पर है। माना जा रहा है कि गंभीर को भारतीय टीम का मुख्य कोच पद ऑफर किया गया है। गंभीर की नेतृत्व क्षमता किसी से छिपी नहीं है। वह 2011 में आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी करते हुए टीम को प्लेऑफ तक ले गए थे। इसके बाद 2012 और 2014 में उन्होंने दो खिताब भी दिलाए। 2016 और 2017 में वह फिर प्लेऑफ में पहुंचे। 2018 में दिल्ली कैपिटल्स में आ गए और इसके बाद आईपीएल से संन्यास ले लिया।

दक्षिण अफ्रीका के साथ घरेलू श्रृंखला के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के साथ आगामी घरेलू श्रृंखला के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में जेमिमाह रॉड्रिग्स और ऑलराउंडर पूजा वस्त्रकर को तीनों प्रारुपो की टीम में नामित किया गया है, लेकिन उनका चयन फिटनेस पर निर्भर होगा। दक्षिण अफ्रीका के साथ अभ्यास मैच सहित तीनों प्रारुपों में 13 जून से नौ जुलाई तक मैच खेले जाएंगे। अनकैप्ड विकेटकीपर-बल्लेबाज उमा छेत्री को यास्तिका भाटिया की जगह तीनों प्रारुपों की टीमों में शामिल किया गया है। भाटिया बंगलादेश में केवल एक टी-20 मैच खेलने के बाद चोटिल हो गई थीं। छेत्री 2023 में एशियन गेम्स के दौरान स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं। शीर्ष क्रम की बल्लेबाज प्रिया पुनिया को भी टेस्ट टीम में शामिल किया गया। वह आखिरी बार जुलाई 2023 में भारतीय टीम का हिस्सा थीं। मध्यम गति की गेंदबाज अरुंधति रेड्डी को भी टेस्ट और एकदिवसीय टीम में बुलाया गया है। उन्होंने अब तक 26 टी-20 मैच खेले हैं। बंगलादेश के खिलाफ टी-20 के साथ-साथ आखिरी एकदिवसीय और टेस्ट मैचों में टीम (पिछले वर्ष ऑस्ट्रेलिया के साथ) का हिस्सा रही तेज गेंदबाज तितास साधु को मौका नहीं दिया गया है। लेगस्पिनर एस आशा ने एक सफल डब्ल्युपीएल सीजन के बाद बंगलादेश में अपना टी-20 में पर्दापण किया था। अब उन्हें एकदिवसीय टीम में भी मौका दिया गया है। वहीं डी हेमलता बांग्लादेश में उसी टी-20 श्रृंखला में वापसी की थी। अब लगभग दो साल बाद उन्होंने एकदिवसीय टीम में भी वापसी कर ली है। उल्लेखनीय है कि जेमिमाह पीठ की चोट के कारण

अप्रैल-मई में बंगलादेश में पांच मैचों की टी-20 सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाई थीं। उस से समय वह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में स्वास्थ्य लाभ ले रही थीं। हालांकि पूजा ने बंगलादेश में सभी पांच मैच खेले थे और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोड (बीसीसीआई) के मीडिया बयान में उनकी चोट की प्रकृति के बारे में कुछ नहीं बताया गया है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले इस सीरीज में सबसे पहले तीन एकदिवसीय मैच खेले जाएंगे। इसके बाद एकमात्र टेस्ट और फिर तीन टी-20 मैचों की सीरीज होगी। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका की टीम बेंगलुरु एक अभ्यास मैच भी खेलेगी।

भारत की तीनों प्रारुपों की टीमें

वनडे टीम - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मांधना (उप-कप्तान), शेफ़ाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमाह रॉड्रिग्स (फिटनेस के आधार पर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), दयालन हेमलता, राधा यादव, आशा शोभना, श्रेयंका पाटिल, साइका इशाक, पूजा वस्त्रकर (फिटनेस के आधार पर), रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, प्रिया पुनिया

टेस्ट टीम - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मांधना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, शुभा सतीश, जेमिमाह रॉड्रिग्स (फिटनेस के आधार पर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, साइका इशाक, राजेश्वरी गायकवाड़, पूजा वस्त्रकर (फिटनेस के आधार पर), अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, मेघना सिंह और प्रिया पुनिया

टी20 टीम - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मांधना (उप कप्तान), शेफाली वर्मा, दयालन हेमलता, उमा छेत्री (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), जेमिमाह रॉड्रिग्स (फिटनेस के आधार पर), साजना सजीवन, दीप्ति शर्मा, श्रेयंका पाटिल, राधा यादव, अमनजोत कौर, आशा शोभना, पूजा वस्त्राकर (फिटनेस के आधार पर), रेणुका सिंह ठाकुर और अरुंधति रेड्डी।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों को अहम कामयाबी, बीजापुर से 16 माओवादियों को पकड़ा

बीजापुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षाबलों ने गुरुवार को 16 माओवादियों को पकड़ने में सफलता हासिल की। बीजापुर थाना क्षेत्र में सरकार विरोधी गतिविधियों और नक्सलियों के बंद के पम्पलेट बांटने पर 11 माओवादियों को सुरक्षा बलों ने पकड़ा है। माओवादी बीजापुर जिले में बंद का आह्वान कर रहे थे और इसके लिए पंपलेट बांट रहे थे।इस दौरान गोरना-पड़ियापारा एवं डीआरजी बीजापुर ने शासन विरोधी एवं बंद के आह्वान के पंपलेट, बैनर के साथ 11 माओवादियों को धर दबोचा। गोरना-पड़ियारपारा से पकड़े गए 11 माओवादी क्षेत्र में मार्ग अवरुद्ध, आईईडी प्लांट, शासन विरोधी पंपलेट, बैनर लगाने की घटना मे शामिल थे। वहीं थाना उसूर क्षेत्र में भुसापुर के जंगल से 5 मिलिशिया सदस्य को कोबरा 205, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने पकड़ा। ये माओवादी लंबे समय से नक्सली संगठन में सक्रिय रूप से कार्यरत थे। भुसापुर से पकड़े गए माओवादी थाना उसूर क्षेत्रान्तर्गत गलगम से एरिया डॉमिनेशन पर निकली पुलिस पार्टी पर आईईडी विस्फोट करने की घटना को नड़पल्ली नाला के पास आईडीडी प्लांट करने, सीतापुर-उसूर के मध्य रोड काटने, शासन विरोधी पंपलेट, बैनर लगाने की घटना में शामिल थे। इन माओवादियों के विरूद्ध थाना कोतवाली एवं उसूर में कार्रवाई के बाद न्यायिक रिमांड पर न्यायालय पेश किया।

प्रदेश से हो रहा नक्सलियों का सफाया, गृहमंत्री बोले- साय सरकार में मारे गए 122 माओवादी

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में नक्सली मामले को लेकर प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने बताया है कि बीजेपी सरकार बनने के बाद पुलिस एनकाउंटर में 122 नक्सली मारे गए हैं। 415 नक्लसियों ने आत्मसमर्पण और 423 गिरफ्तार हुए हैं। डिप्टी सीएम शर्मा ने कहा कि मैं उस दिन के इंतजार में हूं, जिस दिन आत्मसमर्पण की संख्या गिरफ्तारियों से ज्यादा। उन्होंने यह भी कहा है कि आत्मसमर्पण और पुनर्वास के माध्यम से नक्सल समस्या का समाधान होना चाहिए। गृहमंत्री विजय शर्मा को उस शुभ दिन का इंतजार है, जब सबसे ज्यादा नक्सली सरेंडर करें। यह बात उन्होंने मीडिया से चर्चा के दौरान कही। उन्होंने कहा कि, नई सरकार बनने के बाद पुलिस एनकाउंटर में 122 नक्सली मारे गए हैं। 415 नक्लसियों ने आत्मसमर्पण और 423 गिरफ्तार हुए हैं। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि, मैं उस शुभ दिन की प्रतीक्षा में हूं। जिस दिन आत्मसमर्पण की संख्या गिरफ्तारियों से ज्यादा होगीआत्मसमर्पण और पुनर्वास के माध्यम से नक्सल समस्या का समाधान होना चाहिए।शर्मा ने दावा किया है कि 257 प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़कें, जिसे कांग्रेस सरकार ने बनाने का प्रयास तक नहीं किया। हमने उसमें से 11 सड़कों का काम पिछले चार महीने में पूरा कर किया है। इसके बाद 85 सड़कें और हैं, जिन्हें चुना गया है। 85 में से 40 सड़कों का निर्माण शुरू हो गया है।

देश में पहली बार मध्य रेलवे की एक अभिनव पहल, रेलवे कर्मचारियों को शॉकप्रूफ जूतों की सुरक्षा

मुंबई, एजेंसी। रेल कर्मचारियों को ओवरहेड तारों या भूमिगत बिजली लाइनों पर काम करते समय अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ती है। कई बार बिजली के करंट के संपर्क में आने से रेल कर्मचारियों की करंट लगने से मौत भी हो चुकी है. इसलिए मध्य रेलवे ने अपने ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन डिपार्टमेंट के कर्मचारियों के लिए विशेष बिजली रोधी जूते लाए हैं। ये गम बूट जैसे जूते बिजली के झटके को रोकेंगे और श्रमिकों की जान बचाने में मदद करेंगे। लोकल ट्रेनें बिजली से चल रही हैं और इसके लिए पहले डीसी करंट का उपयोग किया जाता था। अब एसी करंट का प्रयोग हर जगह किया जाता है। ओवरहेड तारों के संपर्क में आने से मानव शरीर झुलस सकता है। क्योंकि ओवरहेड तार से 25 हजार वोल्ट दबाव वाली विद्युत धारा प्रवाहित होती है। इसलिए मध्य रेलवे ने अपने कर्मचारियों को काम करते समय बिजली के झटके से बचाने के लिए सुरक्षा उपाय के रूप में विशेष शॉकप्रूफ जूते लाए हैं। भारतीय रेलवे में पहली बार ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन स्टाफ को ऐसे शॉकप्रूफ जूते उपलब्ध कराए गए हैं।

यह कोई साधारण धोखाधड़ी नहीं थी, कोयला घोटाला मामले में सजा सुनाते हुए कोर्ट की टिप्पणी

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को कोयला खदान आवंटन मामले में अनियमितताओं को लेकर महाराष्ट्र की एक कम्पनी के दो निदेशकों तीन साल और दो साल की अलग-अलग जेल की सजा सुनाई। दोनों निदेशकों पर धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश रचने का आरोप था। विशेष न्यायाधीश संजय बंसल ने दोषी कंपनी बीएस इस्पात लिमिटेड पर 50 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया।

कोर्ट ने अपने फैसले में बीएस इस्पात के निदेशक मोहन अग्रवाल (73) को तीन साल की जेल की सजा और उनके भतीजे राकेश अग्रवाल (49) को दो साल की कैद की सजा सुनाई। इसके अलावा अदालत ने दोनों पर 10-10 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया।

कोर्ट ने दोनों को आंपीएस की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 120-बी (आपराधिक साजिश) के तहत दोषी ठहराया। साथ ही अदालत ने यह कहते हुए उन्हें प्रोबेशन पर रिहा करने से इनकार कर दिया, कि इस केस में की गई धोखाधड़ी कोई साधारण धोखाधड़ी नहीं है। साथ ही अदालत ने यह भी कहा कि दोनों दोषी निदेशक साल 2011 में कंपनी से बाहर हो गए थे और आवंटन का फायदा व्यावहारिक रूप से इन दोनों को ना मिलते हुए कंपनी और उनके बाद आए निदेशकों को मिला था।

सुनवाई के दौरान जज ने कहा कि मोहन अग्रवाल विभिन्न बीमारियों से जूझ रहे थे और

उनका छोटा बेटा भी बीमार था और अपने पिता पर निर्भर था। वहीं दूसरे दोषी राकेश अग्रवाल के संबंध में जज ने कहा कि वह अपने पिता की मृत्यु के बाद छोटी उम्र में ही पारिवारिक व्यवसाय में शामिल हो गए थे और यह स्वाभाविक है कि उन्होंने अपने चाचा यानी दोषी मोहन अग्रवाल के प्रभाव में काम किया होगा।

कोर्ट ने कहा, हालांकि राकेश दोषी मोहन अग्रवाल के नियंत्रण और मार्गदर्शन में काम कर रहे थे... लेकिन तब भी यह नहीं कहा जा सकता कि वह नहीं जानते थे कि वह क्या कर रहे हैं।अदालत ने आगे महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि जहां दोषियों की व्यक्तिगत परिस्थितियों पर उचित ध्यान दिया जाना चाहिए, उसी समय उसके द्वारा किए गए संबंधित अपराध को भी भुलाया नहीं जा सकता। सुनवाई के दौरान जज ने कहा,इस तथ्य को नजरअंदाज किए बिना कि धोखाधड़ी का यह अपराध भारत सरकार के साथ किया गया था... दोषियों के प्रति नरम रुख अपनाया जाना चाहिए, लेकिन साथ ही उन्हें यह भी याद दिलाया जाना चाहिए कि उन्होंने जो किया वह गंभीर प्रकृति का अपराध था, ऐसे में उन्हें प्रोबेशन का लाभ नहीं दिया जा सकता। इसलिए उन्हें कारावास और जुर्माने की सजा मिलनी चाहिए। अदालत ने यह भी कहा कि, दोषियों की सारी कोशिशें किसी भी कीमत पर कोयला ब्लॉक का आवंटन हासिल करने को लेकर थीं। वे कोयला ब्लॉक का आवंटन हासिल करने में सफल भी रहे। उन्हें ऊर्जा के एक प्रमुख स्रोत यानी कोयला तक पहुंच मिली जो कि एक प्राकृतिक संसाधन है। जज ने कहा, कोयले के महत्व की शब्दों में व्याख्या करने की जरूरत नहीं है। इसलिए, दोषियों के वकील की जोरदार दलीलों के बावजूद, मैं यह स्वीकार करने के लिए बिल्कुल तैयार नहीं हूं कि यह प्रोबेशन का फायदा देने के लिए उपयुक्त केस है। कोयला घोटाले से जुड़ा यह 16वां मामला था जिसमें अदालत ने अपना फैसला सुनाया है। यह मामला महाराष्ट्र में स्थित मरकी मंगली-1 कोयला ब्लॉक को बीएस इस्पात को हुए आवंटन में अनियमितताओं से संबंधित था। इस अपराध के लिए अधिकतम सात साल की जेल की सजा का प्रावधान है। अभियोजन पक्ष का प्रतिनिधित्व विशेष लोक अभियोजक आर एस चीमा, अतिरिक्त कानूनी सलाहकार संजय कुमार और अधिवक्ता ए पी सिंह ने किया।

सजा ऐसी दीजिए कि मिसाल बन जाए; मेधा पाटकर पर एलजी वीके सक्सेना की कोर्ट से मांग

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना की मानहानि के मामले दिल्ली की साकेत कोर्ट में गुरुवार को सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर की सजा पर दलीलें पूरी हो गईं। इस दौरान सक्सेना के वकील ने पाटकर के लिए अधिकतम सजा की मांग करते हुए कहा कि एक मिसाल पेश होनी चाहिए। एलजी सक्सेना ने यह केस तब दर्ज कराया था, जब वे गुजरात में एक गैर सरकारी संगठन के प्रमुख थे। मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट राघव शर्मा ने इस मामले में 24 मई को पाटकर को भारतीय दंड संहिता के तहत आपराधिक मानहानि का दोषी ठहराया था। शर्मा ने इस मामले में दिल्ली विधिक सेवा प्राधिकरण से पीड़ित प्रभाव रिपोर्ट भी मांगी है। यह रिपोर्ट किसी आरोपी के दोषी ठहराए जाने के बाद पीड़ित को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए तैयार की जाती है। इस मामले में आगे की कार्यवाही 7 जून को होगी।

गुरुवार की कार्यवाही में बहस के दौरान सक्सेना के वकील ने पाटकर के लिए अधिकतम सजा की मांग करते हुए कहा कि एक उदाहरण स्थापित करने की जरूरत है। इस अपराध के लिए अधिकतम दो साल तक की साधारण कैद या जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है।

सक्सेना के वकील ने कोर्ट से कहा कि पाटकर ने साल 2006 में एक ही तरह का अपराध दो बार किया था, साथ ही उन्होंने कोर्ट को बताया कि उस मामले में भी वर्तमान उपराज्यपाल द्वारा दायर एक अन्य मानहानि का मामला भी इसी अदालत में लंबित है। सक्सेना के वकील ने कहा कि कानून की अवहेलना करने का उनका पिछला रिकॉर्ड रहा है, ऐसे में कार्यकर्ता के खिलाफ परिस्थितियां गंभीर हैं।

जवाब में पाटकर के वकील ने कहा कि बिल्कुल भी गंभीर परिस्थितियां नहीं हैं और न ही वह आदतन अपराधी हैं। वकील ने कहा कि पाटकर की उम्र 70 साल है और वह कई बीमारियों से पीड़ित भी हैं। इसके बाद कुछ मेडिकल रिकॉर्ड जमा करते हुए पाटकर के वकील ने कहा कि वे 28 राष्ट्रीय पुरस्कार और पांच अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित हो चुकी हैं, जिनमें द राइट लाइवलीहुड अवॉर्ड भी शामिल है, जिसे व्यापक रूप से नोबेल पुरस्कार का विकल्प माना जाता है। आगे उन्होंने कहा, ऐसे में मैं न्यायालय से इन सब बातों पर भी विचार करने का आग्रह करूंगा। बता दें कि पाटकर और सक्सेना के बीच सन् 2000 से ही यह कानूनी लड़ाई चल रही है, जब पाटकर ने अपने और नर्मदा बचाओ आंदोलन (एनबीए) के खिलाफ विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए सक्सेना के विरुद्ध एक वाद दायर किया था। वहीं सक्सेना ने एक टीवी चैनल पर उनके (सक्सेना) खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने और प्रेस को मानहानिकारक बयान जारी करने के लिए भी पाटकर के खिलाफ दो मामले दायर किए थे।

फरीदाबाद में बीच सड़क युवक पर बरसाने लगे हथौड़ा, राहगीरों ने बचाई जान; हालत गंभीर

नईदिल्ली, एजेंसी।
एनसीआर के फरीदाबाद में खौफनाक घटना सामने आई है। यहां के मास्टर रोड पर गुरुवार शाम स्कॉर्पियो सवार एक युवक पर कुछ बदमाशों ने हथौड़े से हमला कर दिया। बदमाश उनकी कार के शीशे तोड़ दिए और बाहर युवक पर खींचकर बीच सड़क हथौड़े बरसाने लगे। युवक को स्थानीय लोगों ने गंभीर हालत में नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया है। इस घटना का एक वीडियो भी सामने है। उधर सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद खेड़ीपुल थाना की पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुटी है।

मिली जानकारी के अनुसार, मामला शाम करीब छह बजे की है। एक अस्पताल के पास से स्कॉर्पियों गुजर रही थी। उसमें एक युवक सवार था। वायरल वीडियो के अनुसार बोलेरो सवार कुछ युवक स्कॉर्पियों को ओवरटेक कर रोक लिया और हथौड़े से उसके शीशे तोड़ दिए। स्कॉर्पियो सवार युवक जबतक कुछ समझ पाता, इसके बाद सभी युवक उसे बाहर खीच लिए। साथ ही बीच सड़क उसे लेटाकर हथौड़े बरसाने लगे। इससे आसपास से गुजर रहे लोगों में अफरातफरी मच गई। कुछ लोग उसे बचाने के लिए दौड़े। लोगों को आता

देखकर सभी युवक जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। इस घटना में घायल हुए युवक की स्थानीय लोगों ने मदद की। वहां पहुंचे स्थानीय लोगों ने युवक को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया है। इस मामले की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और खेड़ीपुल थाना के प्रभारी इंस्पेक्टर सुरेन्द्र ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी मिली है। जानकारी मिलते ही टीम को मौके पर भेजा गया। मारपीट में घायल युवक की पहचान की जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की पहचान करने के बाद उनपर कार्रवाई की जाएगी। इस हमले में घायल युवक का इलाज अस्पताल में किया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। इलाज किया जा रहा है।

वो केजरीवाल को मार भी सकते हैं, उनकी जिंदगी अब आपके हाथ..., आतिशी की जनता से भावुक अपील

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को नियमित जमानत और मेडिकल आधार पर सात दिन की अंतरिम जमानत पाने की नई कोशिश की। जिसका ईडी ने जमकर विरोध किया। इस मामले में अगली सुनवाई एक जून को होगी। अंतरिम जमानत को लेकर ईडी के विरोध के बाद आप नेता आतिशी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए ईडी के रवैये पर सवाल उठाया और इसे लेकर भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। आतिशी ने आरोप लगाते हुए पूछा कि भाजपा और मोदीजी ने हिरासत अवधि में केजरीवाल के साथ ऐसा क्या किया कि उनकी तबीयत बिगड़ गई। आतिशी ने कहा कि मेडिकल टेस्ट्स के लिए केजरीवाल जी की जमानत का विरोध करने वाली ईडी ने पीठ दर्द के नाम पर परमानेंट बेल पाने वाले शरथ रेड्डी और राघव मगुंटा की याचिका का विरोध नहीं किया। आतिशी ने देश की जनता से भावुक अपील करते हुए कहा कि अब केजरीवाल जी की जान देश के लोगों के हाथ में है, क्योंकि अगर उन्होंने मोदी जी और भाजपा को जीता दिया तो केजरीवाल ना सिर्फ जेल वापस जाएंगे बल्कि जेल में उनकी जान भी ली जा सकती है। पीसी की शुरुआत में आतिशी ने कहा, केजरीवाल जी ने 7 दिन की अंतरिम जमानत हेल्थ चेकअप्स कराने के लिए, मेडिकल चेकअप्स कराने के लिए मांगी है, क्योंकि जिस

दौरान केजरीवाल ईडी की कस्टडी में थे, उनका वजन 6 से 7 किलोग्राम घट गया। ना सिर्फ वजन घटा बल्कि उनका कीटोन लेवल खतरनाक स्तर पर पहुंच गया और शुगर लेवल भी लगातार ऊंचा चल रहा है। जिसके बाद डॉक्टर्स ने उनको कई टेस्ट्स प्रिस्क्राइब किए। आगे आतिशी ने बताया, अचानक वजन का गिरना और कीटोन लेवल का हाई होना किडनी की गंभीर बीमारी, कार्डियक प्रॉब्लम और यहां तक कि कैंसर का भी इंडिकेशन हो सकता है। केजरीवाल जी ने इन सारे चेकअप्स को कराने के लिए मात्र 7 दिन का समय ईडी से मांगा लेकिन आज राउज एवेन्यू कोर्ट में भाजपा के राजनीतिक हथियार ईडी ने इसका भी जबरदस्त विरोध किया। दिल्ली सरकार की मंत्री ने कहा, ये क्या षडयंत्र है, ये क्या साजिश है कि आप डॉक्टर द्वारा दिए गए अरविंद केजरीवाल जी के इन गंभीर मेडिकल टेस्ट्स को नहीं होने दे रहे हैं। मैं भाजपा और पीएम मोदी जी से यह भी पूछना चाहती हूं कि आपने अरविंद केजरीवाल जी की ईडी कस्टडी और न्यायिक हिरासत में ऐसा क्या किया कि इस तरह से उनका वजन अचानक गिर गया। आपने उनकी कस्टडी में ऐसा क्या किया कि 56 साल की जिंदगी में कभी उनका कीटोन लेवल नहीं बढ़ा लेकिन आपकी 51 दिन की कस्टडी के बाद उनका कीटोन लेवल खतरनाक स्तर पर पहुंच गया।

हूती के हमलों का अमेरिका-ब्रिटेन ने दिया करारा जवाब, यमन में 13 ठिकानों को किया तबाह

वाशिंगटन, एजेंसी। इस्राइल और हमास युद्ध के बीच यमन के हूती लड़ाके लाल सागर में आतंक फैला रहे हैं। इस बीच अमेरिका और ब्रिटेन ने यमन में 13 हूती ठिकानों पर हमला किया। दोनों देशों ने लाल सागर और अदन की खाड़ी में जहाजों पर हुए हाल के हमलों का जवाब दिया।

हूती के आठ मानवरहित हवाई वाहनों पर भी हमला

एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अमेरिकी और ब्रिटिश लड़ाकू विमानों और अमेरिकी जहाजों ने कई भूमिगत सुविधाओं, मिसाइल लॉन्चरों, कमांड और नियंत्रण स्थलों, एक हूती पोत और अन्य सुविधाओं पर हमला किया। हूती नियंत्रित क्षेत्रों में अमेरिका ने आठ मानवरहित हवाई वाहनों पर भी हमला किया। यह जहाज अमेरिका सहित अन्य देशों के लिए खतरा साबित हो सकते थे। अमेरिकी एफ/ए-18 लड़ाकू जेट विमानों ने लाल सागर में यूएसएस ड्वाइट डी. आइजनहावर विमानवाहक पोत से लॉन्च किया। युद्ध में अमेरिकी युद्धपोतों ने भी भाग लिया। इस सप्ताह की शुरुआत में मिसाइली हमलों से लाल सागर में मार्शल द्वीप-ध्वजांकित, ग्रीक के मालिकाना वाला जहाज दो बार क्षतिग्रस्त कर दिया। एक निजी सुरक्षा फर्म ने बताया कि रेडियो ट्रैफिक की मदद से जानकारी मिली है कि हमले के बाद जहाज में पानी भर गया था। हालांकि किसी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली लेकिन संदेह है कि हूती ने ही इस हमले को अंजाम दिया है। बता दें, 12 जनवरी के बाद से यह पांचवी बार है, जब अमेरिकी और ब्रिटिश सेनाओं ने हूती विद्रोहियों के खिलाफ हाथ मिलाया हो। यह दोनों देशों का संयुक्त अभियान था। हालांकि, अमेरिकी हूती लक्ष्यों पर आए दिन हमला करता है, जिसमें जहाज, मिसाइल, ड्रोन, लॉन्च पैड्स शामिल हैं।

पाकिस्तान ने चीन की मदद से अंतरिक्ष में भेजा पाकसेट एमएम 1 उपग्रह, बेहतर इंटरनेट कनेक्टिविटी का दावा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने चीन की मदद से तेज इंटरनेट कनेक्टिविटी के लिए अंतरिक्ष में एक संचार उपग्रह को प्रक्षेपित किया है। इसके साथ ही पाकिस्तान ने एक महीने के भीतर अंतरिक्ष की कक्षा में दूसरा उपग्रह भेज दिया है। इस बहु मिशन संचार उपग्रह को पाकसेट एमएम 1 नाम दिया गया है। इस उपग्रह को जिचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से प्रक्षेपित किया गया है।

एक रिपोर्ट में बताया गया है कि उपग्रह में अंतरिक्ष की कक्षा में प्रवेश कर लिया है। पाकिस्तान का कहना है कि यह उपग्रह सबसे बेहतर इंटरनेट सुविधा प्रदान करेगा। इसके साथ ही इसकी मदद से टीवी प्रसारण, दूरभाष और अन्य सेवाओं को सुधारने में मदद मिलेगी। दावा किया गया है कि इस वर्ष अगस्त महीने से

पाकसेट एमएम 1 ये तमाम सेवाएं प्रदान करना शुरू करेगा।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस उपग्रह के प्रक्षेपण पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इसकी मदद से पूरे पाकिस्तान को तेज इंटरनेट कनेक्टिविटी की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा 'मैं पाकसेट एमएम 1 को लेकर बहुत उत्साहित हूं। इससे पूरे पाकिस्तान को बेहतरीन इंटरनेट की सुविधा मिलेगी। यह उपग्रह हमारे डिजिटल परिदृश्य में क्रांति लाने और पूरे देश में सबसे तेज इंटरनेट सुविधा प्रदान करने में मदद करेगा।

पोर्न स्टार केस- ट्रम्प सभी 34 मामलों में दोषी करार:11 जुलाई को सजा पर सुनवाई

वॉशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रम्प गुरुवार को किसी अपराध में दोषी पाए जाने वाले पहले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बन गए। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनावों के बीच न्यूयॉर्क में लगभग 6 हफ्तों तक चली सुनवाई में उन्हें 34 आरोपों में दोषी करार दिया गया है। भारतीय समयानुसार सुबह 2 बजे कोर्ट ने ट्रम्प के दोषी होने का फरमान सुनाया। ट्रम्प के खिलाफ पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल को पैसे देकर चुप कराने और इलेक्शन कैंपेन के दौरान बिजनेस रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के केस चल रहे थे। यह मामला उनके पहली बार अमेरिका का राष्ट्रपति चुने जाने से पहले 2016 का है। अमेरिकी इतिहास में पहली बार है जब किसी प्रेसिडेंट पर आपराधिक केस चलाया गया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, कोर्ट ने 6 सप्ताह में 22 गवाहों को सुना। इनमें स्टॉर्मी डेनियल्स भी शामिल थीं। दो दिनों तक विचार-विमर्श के बाद 12 मेंबर की ज्यूरी ने ट्रम्प के दोषी पाए जाने की घोषणा की। डोनाल्ड ट्रम्प को क्या सजा मिलेगी, इस पर अब 11 जुलाई को सुनवाई होगी। ट्रम्प ने सजा सुनाए जाने के वक्त आंखे बंद कीं

राष्ट्रपति पद पर रहे पहले व्यक्ति जो दोषी पाए गए

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक ट्रम्प को सजा सुनाने के वक्त कोर्ट रूम का माहौल काफी संजीदा था। ज्यूरी को फैसला सुनाने के लिए कोर्टरूम के ज्यूरी बॉक्स में बुलाया गया। 7 महीनों में चुपचाप केस को सुन रहे ज्यूर्रस को से पूछा गया कि वो किस नतीजे पर पहुंचे हैं।

इसके बाद एक ज्यूरर ने माइक्रोफोन में कहा, दोषी। ये सुनते ही पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी आंखे बंद कीं और ना में सिर हिलाया । ट्रम्प के दोषी पाए जाने का फैसला 2 मिनट तक सुनाया गया।

डोनाल्ड ट्रंप को दोषी ठहराए जाने पर भड़का रिपब्लिकन नेताओं का गुस्सा, फैसला बदलने की मांग की

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को न्यूयॉर्क के गुप्त धन मामले के सभी 34 आरोपों में दोषी पाया गया है। ट्रंप को दोषी ठहराए जाने के फैसले का उनकी रिपब्लिकन पार्टी के सदस्यों ने विरोध किया और अपने पूर्व राष्ट्रपति का समर्थन किया। बता दें कि 77 साल के ट्रंप पहले अमेरिकी राष्ट्रपति हैं, जिन्हें अपराधी घोषित किया गया है। हालांकि, ट्रंप ने अपने खिलाफ चलाए जा रहे इस मुकदमे को अपमानजनक और धांधलीपूर्ण बताया। उन पर साल 2016 में व्हाइट हाउस में आने से पहले पूर्व पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स के साथ अपने यौन संबंधों को छिपाने के लिए व्यापारिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने का आरोप है। इस मामले में 34 आरोप, 11 चालान, 12 वाउचर और 11 चेक पेश किए गए। 12 सदस्यीय जूरी के सर्वसम्मति से हश मनी आपराधिक मामले में फैसले पर पहुंची। इसके बाद रिपब्लिकन के सदस्यों ने ट्रंप के लिए समर्थन जाहिर किया। पिछले कुछ महीनों में ट्रंप के करीबी सहयोगी और विश्वासपात्र के रूप में उभरे भारतीय-अमेरिकी विवेक रामास्वामी ने कहा कि इस फैसले का असर उल्टा पड़ेगा। उन्होंने आगे कहा, अभियोजक एक राजनेता हैं, जिन्होंने ट्रंप को बर्बाद करने की धमकी दी थी। न्यायाधीश की बेटी एक डेमोक्रेट हैं, जिन्होंने मुकदमे से कई डॉलर जुटाए हैं। जबकि उनके पिता ने इसकी अध्यक्षता की।

मिनियापोलिस के अपार्टमेंट में फायरिंग, हमलावर सहित तीन की मौत

मिनियापोलिस एजेंसी। अमेरिका में मिनेसोटा के मिनियापोलिस अपार्टमेंट से एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। मिनियापोलिस अपार्टमेंट परिसर में जमकर गोलीबारी की गई। घटना में बंदूकधारी सहित तीन लोग मारे गए। पुलिस ने इस घटना की जानकारी दी है। इससे पहले दक्षिणी मिनियापोलिस के हिटियर की है। इससे पहले पुलिस ने बताया था तब कि घटना में दो पुलिस अधिकारी घायल हो गए हैं। हालांकि अभी इस घटना को लेकर कोई और अपडेट सामने नहीं आया है ।पुलिस ने गोलीबारी की घटना को संबोधित करने के लिए देर शाम एक संवाददाता सम्मेलन की योजना बनाई। पुलिस के पहले के एक बयान में संकेत दिया गया था कि दो अधिकारियों के साथ चार नागरिक घायल हुए थे। स्थानीय फील्ड डिवीजन के प्रवक्ता एशली शेरिल ने कहा ने भी लगातार हो रही गोलीबारी पर अपने विचार व्यक्त किए हैं। साथ ही मिनियापोलिस पुलिस ने एक फेसबुक पोस्ट के जरिए भी लोगों को सतर्क रहने का आदेश दिया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129